THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 213 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक शु.8 2082 गुरुवार, 30 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'न्याय केवल कानूनों तक सीमित नहीं'

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्य न्यायाधीश केजी बालाकृष्णन ने कहा है कि न्याय कोई अमूर्त अवधारणा नहीं, जो केवल कानूनों या अदालतों तक सीमित हो, बल्कि यह एक जीवित सिद्धांत है, जो समानता, निष्पक्षता और प्रत्येक व्यक्ति के सम्मान में झलकता है। उन्होंने कहा कि न्याय की सच्ची भावना समाज में समान व्यवहार और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने से प्रकट होती है।

बालाकृष्णन बुधवार को इंटरनेशनल ज्यूरिस्ट्स पीस प्राइज 2025 प्रदान किए जाने के अवसर पर बोल रहे थे। यह पुरस्कार कैथोलिक चर्च के प्रमुख पोप लियो XIV को शांति, अंतरधार्मिक सद्भाव और मानव गरिमा को बढ़ावा देने में उनके योगदान के लिए दिया गया।

मोन्था का कहर

सीएम रेवंत ने पूरे प्रशासन को अलर्ट पर रखा

> आपदा प्रबंधन दल तैनात करने के निर्देश

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में चक्रवात मोन्था के प्रभाव से हुई भारी बारिश के बाद, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पूरे प्रशासन को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने चक्रवात मोन्था के मुख्य रूप से धान की कटाई पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जानकारी ली और अधिकारियों को भारी बारिश से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए आवश्यक एहतियात बरतने के निर्देश दिए।

धान और कपास खरीद केंद्रों पर भी विशेष व्यवस्था की जानी चाहिए। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि खम्मम, वारंगल और नलगोंडा जिलों में चक्रवात मोन्था का प्रभाव अधिक गंभीर होने की आशंका है। हैदराबाद में भारी बारिश के कारण, रेवंत रेड्डी ने स्थानीय नगर निगम अधिकारियों को शहर के जलमग्न क्षेत्रों में लोगों को बचाने के लिए आपदा प्रबंधन दल तैनात करने का आदेश दिया। महबूबाबाद जिले के दोर्नाकल जंक्शन और गुंड्रातिमादुगु स्टेशन पर गोलकुंडा एक्सप्रेस और कोणार्क एक्सप्रेस ट्रेनों के रुकने और दक्षिण रेलवे अधिकारियों द्वारा कई ट्रेनों के मार्ग परिवर्तन के बाद, मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि फंसे हुए यात्रियों को किसी भी असुविधा से बचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों को भारी बारिश से प्रभावित जिलों में जिला कलेक्टरों के मार्गदर्शन में समन्वित तरीके से बचाव अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। नालों और नहरों के उफान पर होने के मद्देनजर, मुख्यमंत्री ने जिला अधिकारियों को निचले इलाकों में रहने वाले परिवारों को निकालकर राहत शिविरों में पहुंचाने के निर्देश दिए। राज्य सिंचाई विभाग को सभी परियोजनाओं, जलाशयों और अन्य जल निकायों में जल स्तर की बारीकी से निगरानी करने के लिए सतर्क कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि उफनते जल निकायों से पानी छोड़े जाने से पहले जिला कलेक्टरों को सतर्क कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन जल निकायों और जलाशयों में भारी जलप्रवाह हो रहा है, वहां रेत की बोरियां भी तैयार रखी जानी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन पर भारी बारिश के प्रभाव के बारे में पूछताछ करते हुए, रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निचले पुलों और पुलों पर वाहनों की आवाजाही रोकने का निर्देश दिया, जो भारी बारिश से जलमग्न हो गए हैं। पुलिस और राजस्व अधिकारियों को जलमग्न पुलों के पास बैरिकेड्स लगाने और उनकी निगरानी करने का आदेश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने महामारी फैलने के खतरे की चेतावनी दी है और इसलिए शहर, नगरपालिका और ग्राम स्वच्छता कर्मचारियों को निरंतर सफाई कार्य करने का निर्देश दिया गया है।

जलभराव वाले स्थानों पर मच्छरों और अन्य कीड़ों के पनपने का खतरा स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकता है। भारी बारिश प्रभावित क्षेत्रों में दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता, चिकित्सा शिविर खोलने और जान-माल और पशुधन की हानि को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। राजस्व, बिजली, पंचायत राज, आरएंडबी, स्वास्थ्य, पुलिस, अग्निशमन विभाग और एसडीआरएफ कर्मियों को संकट के समय समन्वय से काम करने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीएचएमसी, हाइड्रा, एसडीआरएफ और अग्निशमन विभाग के कर्मियों को हैदराबाद शहर के लोगों से प्राप्त अनुरोधों पर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

तूफान से तेलंगाना में तबाही, स्कूल डूबा

कार-ट्रक बहे, रेलवे स्टेशन पर पानी भरा-2 ट्रेन रोकी गईं

चक्रवात मोन्था के आंध्र प्रदेश से टकराने के बाद तेलंगाना में तेज बारिश हुई। महबूबाबाद जिले के डोरनकल रेलवे स्टेशन पर पानी भर गया। गोलकुंडा एक्सप्रेस और कोणार्क एक्सप्रेस को रोकना पड़ा।

वहीं खम्मम जिले में एक लॉरी पानी के तेज बहाव में बह गई। नालगोंडा में एक स्कूल में पानी भर गया। बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। दूसरी ओर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि तूफान मोन्था के कारण राज्य में दो लोगों की मौत हुई। उन्होंने कहा कि एहतियाती उपाय कर लिए जाने से नुकसान कम हुआ है। मोंथा तूफान आज सुबह ओडिशा के गंजम पहुंचा। गंजम के समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरें उठ रही हैं और हवा की रफ्तार 80-100किमी पहुंच गई है। लैंडफॉल के बावजूद अगले 6 घंटों तक तूफान का असर रहेगा। ओडिशा के 8 जिले गंजम, गजपति, रायगढ़ा, कोरापुट, मलकानगिरी, कंधमाल, कालाहांडी और नबरंगपुर में मोन्था के चलते भारी बारिश और आंधी चल सकती है।

थाईलैंड में हिरासत में लिए गए भारतीय नागरिक

मंत्रालय ने बताया सत्यापन का काम जारी

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि थाईलैंड में हिरासत में लिए गए भारतीय नागरिकों की पहचान की जा रही है और उन्हें जल्द भारत वापस लाने की प्रक्रिया चल रही है। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि ये भारतीय हाल के दिनों में म्यांमार से थाईलैंड की सीमा पार कर वहां पहुंचे थे। थाई अधिकारियों ने इन्हें हिरासत में लिया है। जायसवाल ने कहा कि थाईलैंड में भारतीय मिशन स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर इनकी राष्ट्रीयता की पुष्टि और आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने में जुटा है।

भारत के समुद्री क्षेत्र पर पूरी दुनिया को विश्वास : पीएम मोदी

मुंबई, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार (29 अक्टूबर) को मुंबई में इंडिया मैरीटाइम लीडर्स कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के इस कालखंड में भारत का समुद्री क्षेत्र बड़ी तेजी और ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है।

इसी के साथ उन्होंने यह भी कहा कि देश के बंदरगाह अब विकासशील देशों में सबसे कुशल बंदरगाहों में गिने जाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि साल 2025 भारत के मैरीटाइम सेक्टर के लिए बहुत अहम साल रहा है। इंडिया मैरीटाइम वीक 2025 कार्यक्रम में उपलब्धियों को गिनाते हुए पीएम मोदी ने कहा, विझिंजम पोर्ट के रूप में भारत का पहला डीप वॉटर इंटरनेशनल ट्रांसशिपमेंट हब अब ऑपरेशनल हो चुका है। कुछ समय पहले ही दुनिया का सबसे बड़ा कंटेनर वेसल वहां पहुंचा। ये हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण था।

पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत के बंदरगाह विकासशील देशों में सबसे कुशल बंदरगाहों में गिने जाते हैं। कई मायनों में वे विकसित देशों के बंदरगाहों से भी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि साल 2024-25 में भारत के मेजर पोर्ट्स ने अब तक का सबसे अधिक कार्गो हैंडल करके भी नया रिकॉर्ड बनाया है। एक और बड़ा काम जेएनपीटी में हुआ है। जेएनपीटी में भारत-मुंबई कंटेनर टर्मिनल चरण-2 भी शुरू हो गया। इससे इस टर्मिनल की क्षमता भी दोगुनी हो गई है और ये भारत का सबसे बड़ा कंटेनर पोर्ट बन गया है। उन्होंने कहा कि नए शिपिंग कानून राज्य समुद्री बोर्डों की भूमिका को मजबूत करते हैं और बंदरगाह प्रबंधन में डिजिटल तकनीकों के एकीकरण को बढ़ावा देते हैं।

मोदी ने जापान की नई पीएम से की बातचीत

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को जापान की नई प्रधानमंत्री सनाए तकाइची से फोन पर बात की। पीएम मोदी ने उन्हें पीएम पद संभालने पर बधाई दी और उनके साथ द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। 64 वर्षीय ताकाइची हाल ही में जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी हैं। उन्होंने शिगेरू इशिबा के हटने के बाद यह पद संभाला है।

पूर्व क्रिकेटर अजहरुद्दीन तेलंगाना सरकार में मंत्री बनेंगे

कल लेंगे शपथ, रेवंत सरकार के पहले मुस्लिम मंत्री होंगे

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व क्रिकेटर और एमएलसी मोहम्मद अजहरुद्दीन को तेलंगाना सरकार में मंत्री बनाया जाएगा। वे 31 अक्टूबर (शुक्रवार) को राजभवन में शपथ लेंगे। इसकी वजह राज्य की जुबली हिल्स विधानसभा सीट पर 11 नवंबर को उपचुनाव होने हैं। इस सीट पर मुस्लिम मतदाता 30 प्रतिशत हैं। माना जा रहा है कि अजहरुद्दीन की कैबिनेट में एंट्री से कांग्रेस को फायदा मिलेगा।

वे 2023 में इसी सीट से चुनाव हार चुके हैं। वहीं, तेलंगाना की कांग्रेस सरकार में अभी एक भी मुस्लिम मंत्री नहीं है। इस वजह से मुस्लिम समुदाय को कैबिनेट में प्रतिनिधित्व न देने का आरोप लग रहा था। अब अजहरुद्दीन के मंत्री बनने से यह कमी पूरी हो जाएगी। उनके शामिल होने के बाद रेवंत रेड्डी की कैबिनेट में कुल 16 मंत्री हो जाएंगे, जबकि राज्य में अधिकतम 18 मंत्री हो सकते हैं। जुबली हिल्स विधानसभा सीट पर कुल करीब 3.90 लाख मतदाता हैं। इनमें से लगभग 1.20 से 1.40 लाख मतदाता मुस्लिम समुदाय से हैं। यानी यहां करीब 30 प्रतिशत वोट मुस्लिमों के हैं। यही वजह है कि इस इलाके में मुस्लिम मतदाता चुनाव नतीजे तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं। जिस भी पार्टी को मुस्लिम वोट मिलते हैं, उसकी जीत की संभावना काफी बढ़ जाती है। इसलिए कांग्रेस ने अजहरुद्दीन को मंत्री बनाकर इस समुदाय में अपना भरोसा मजबूत करने की कोशिश की है। बता दें कि विधायक गोपीनाथ के निधन के बाद जुबली हिल्स सीट पर उपचुनाव हो रहा है। बीआरएस की ओर से मगंटी सुनीता गोपीनाथ, कांग्रेस की ओर से वल्लाला नवीन यादव और बीजेपी की ओर से लंकला दीपक रेड्डी चुनाव मैदान में हैं। अजहरुद्दीन ने 2023 के विधानसभा चुनाव में जुबली हिल्स सीट से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था, लेकिन वे बीआरएस उम्मीदवार मगंटी गोपीनाथ से 16,337 वोट से हार गए थे। बीआरएस उम्मीदवार को 80,549 और अजहरुद्दीन को 64,212 वोट मिले थे।

सोनम वांगचुक की पत्नी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को नोटिस

> 10 दिनों में मांगा जवाब

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे आंगमो की याचिका पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने सोनम वांगचुक को हिरासत में रखने के फैसले पर केंद्र सरकार और लद्दाख प्रशासन से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने 10 दिनों के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया है। याचिका में गीतांजलि वांगचुक ने अपने पति सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को चुनौती दी है।

24 नवंबर को होगी अगली सुनवाई :

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने केंद्र सरकार और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा और मामले की सुनवाई 24 नवंबर तक टाल दी। पीठ ने गीतांजलि अंगमो की ओर से पेश वकील कपिल सिब्बल को भी अगर कोई है तो, जवाबी हलफनामा दाखिल करने की इजाजत भी दे दी। इससे पहले गीतांजलि आंगमो ने सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली एक संशोधित याचिका दायर करने की मांग की थी। जिसे सुप्रीम कोर्ट ने मंजूर कर दिया और 15 अक्टूबर को पूर्व की याचिका पर सुनवाई टाल दी थी। सोनम वांगचुक फिलहाल राजस्थान के जोधपुर की सेंट्रल जेल में बंद हैं। इससे पहले, सिब्बल ने कोर्ट से अनुरोध किया था कि वांगचुक को अपनी पत्नी के साथ कुछ नोट्स शेयर करने की अनुमति दी जाए। जिस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोई आपत्ति नहीं जताई थी।

देशभर की अदालतों में आरोप तय करने में हो रही देरी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त : कहा-हम जारी करेंगे दिशा निर्देश

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को देशभर की अदालतों में आपराधिक मामलों में आरोप तय करने में हो रही लंबी देरी पर चिंता जताई है। अदालत ने कहा कि यह देरी न्याय प्रणाली की दक्षता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। कई बार आरोपी सालों तक जेल में बंद रहते हैं, लेकिन मुकदमा शुरू ही नहीं हो पाता। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि देशभर में कई ऐसे केस हैं, जिनमें चार्जशीट दाखिल हुए 3-4 साल हो गए, लेकिन मुकदमा शुरू ही नहीं हुआ। अदालत ने साफ संकेत दिया कि वह अब इस समस्या पर पूरे देश के लिए समान दिशानिर्देश जारी करने पर विचार कर रही है, ताकि इस प्रणालीगत देरी को समाप्त किया जा सके।

राहुल गांधी बोले-ट्रंप हर देश में कर रहे अपमान

पटना, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयान के बाद विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पीएम नरेंद्र मोदी को नसीहत देते हुए उन पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि डोनाल्ड ट्रंप हर देश में मोदी का अपमान कर रहे हैं। अब ताजा मामला दक्षिण कोरिया का है।

राहुल ने इसी पोस्ट में कहा कि उन्होंने दोबारा कहा कि व्यापार का डर दिखाकर पीएम नरेंद्र मोदी को 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने पर मजबूर किया। उन्होंने यह भी कहा कि 7 विमान गिराए गए थे।

21 नक्सलियों का 'लाल आतंक' से हुआ मोहभंग

> 18 हथियारों के साथ माओवादियों ने किया सरेंडर

बस्तर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर बस्तर में सक्रिय रहे 21 माओवादियों ने 18 हथियारों के साथ पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। जंगलवार कॉलेज में सभी नक्सलियों का रेड कारपेट बिछाकर स्वागत किया गया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को बस्तर आईजी ने संविधान की प्रति सौंपी।

नक्सलवाद के खात्मे को लेकर जारी अभियान के बीच इस माह पुलिस ने अपनी रणनीति बदली है और एनकाउंटर की जगह समर्पण को प्राथमिकता देते हुए नक्सलियों को साफ संदेश दिया गया था कि वो यदि आत्मसमर्पण कर मुख्य धारा में लौटने को तैयार हैं तो उनका स्वागत किया जाएगा। ऐसा नहीं करने पर सुरक्षाबलों की गोली का निशाना बनना पड़ेगा। जिसका असर भी देखने को मिला और इसी माह 208 नक्सलियों ने 109 हथियारों के साथ जगदलपुर में सरेंडर किया, जिसके बाद कांकेर जिले के दो एरिया कमेटी ने आज एक साथ हथियार डाले हैं, जिसमें 21 नक्सलियों ने 18 हथियार पुलिस को सौंपे है।

एसआईआर के बाद 12 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में बढ़ेंगे मतदान केंद्र

छोटी होंगी वोटिंग की कतारें

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। देशभर में मतदान केंद्रों पर लंबी कतारों को कम करने के लिए चुनाव आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। आयोग ने कहा है कि 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के बाद मतदान केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इस व्यवस्था के बाद मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते हुए कतारों में कम समय बिताना पड़ेगा।

बिहार बना देश का पहला राज्य :

बिहार इस अभियान को पूरा करने वाला पहला राज्य बन गया है, जहां अब हर पोलिंग स्टेशन पर अधिकतम 1,200 मतदाता होंगे। पहले यह संख्या 1,500 थी। इस बदलाव से राज्य में मतदान केंद्रों की संख्या 77,895 से बढ़कर 90,712 हो गई है। 4 नवंबर से शुरू होने वाले एसआईआर अभियान के तहत जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह प्रक्रिया चलेगी, वे हैं अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल। जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 4 नवंबर से एसआईआर प्रक्रिया शुरू होगी, उनके मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को दिए गए निर्देशों के अनुसार नए मतदान केंद्र ऊंची इमारतों, रिहायशी कॉलोनियों और झुग्गी बस्तियों में स्थापित किए जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी नए मतदान केंद्र स्थापित करने के संबंध में राजनीतिक दलों से परामर्श करेंगे।

जिस राफेल पायलट को पकड़ने का पाक ने किया था दावा उन्हीं के साथ राष्ट्रपति ने खिंचवाई तस्वीर

> राफेल में उड़ान भरने गई थीं मुर्मू

अंबाला, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने जिस दौरान पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया था, उसी वक्त पाकिस्तान की तरफ से एक दावा हुआ था कि उसने भारत की महिला पायलट को पकड़ लिया है। पाकिस्तान की तरफ से तब इस पायलट का नाम शिवांगी सिंह बताया गया था। हालांकि, भारत ने एक तस्वीर से पाकिस्तान के हर तरह के दावे को पूरी तरह झुठला दिया है। बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राफेल उड़ाने से पहले हरियाणा के अंबाला एयर फोर्स बेस पर उन्हीं शिवांगी सिंह के साथ तस्वीरें खिंचवाईं और पाकिस्तान के दावों को धराशायी कर दिया।

राष्ट्रपति के साथ इस तस्वीर में स्क्वाड्रन लीडर शिवांगी सिंह मुस्कुराती हुई दिख रही हैं। माना जा रहा है कि शिवांगी सिंह ने राष्ट्रपति मुर्मू का राफेल उड़ाया था। दरअसल, एयरबेस पर मौजूद वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने एक दूसरे विमान मे उड़ान भरी। राफेल में राष्ट्रपति मुर्मू जी-सूट पहनकर सवार हुईं, जो कि तेज जी-फोर्स में पायलट की रक्षा करता है। इस दौरान राष्ट्रपति ने पायलट को दिए जाने वाला खास चश्मा भी पहने और वे हाथ में हेलमेट लिए दिखीं। उत्तर प्रदेश के प्राचीन शहर वाराणसी के फुलवरिया रेलवे क्रासिंग के पास एक सामान्य परिवार में जन्मीं शिवांगी सिंह ने अपने छोटे-से घर से ऊंचे सपने देखे। पिता कुमारेश्वर सिंह, माता सीमा सिंह और तीन भाई-बहनों के इस परिवार में संस्कारों के साथ-साथ देशसेवा की भावना भी गहराई से रची-बसी थी। उनके नाना बीएन सिंह, भारतीय सेना में कर्नल थे।

पायलट शिवांगी सिंह की शिक्षा

शिवांगी ने वाराणसी के सेंट मेरीज स्कूल और बाद में सेंट जोजर्स कॉन्वेंट स्कूल से पढ़ाई की। पढ़ाई में हमेशा अव्वल रहने वाली शिवांगी ने 12वीं में 89% अंक हासिल किए। उन्होंने सनबीम विमेंस कॉलेज, भगवानपुर से बीएससी की डिग्री ली और साथ ही एनसीसी से जुड़कर अपने सैन्य सपनों को आकार देना शुरू किया। खेल के मैदान में भी वह उतनी ही निपुण रहीं। उन्होंने जैकलिन थ्रो में राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीता। गणतंत्र दिवस परेड 2013 में उत्तर प्रदेश एनसीसी दल का प्रतिनिधित्व भी किया।

वायुसेना की ओर पहला कदम

एनसीसी के जरिए शिवांगी ने सैन्य अनुशासन और वायुसेना के बारे में जाना। एक बार वह नाना के साथ वायुसेना संग्रहालय घूमने गईं। वह वायुसेना से इस कदर प्रभावित हुईं कि शिवांगी सिंह ने फाइटर पायलट बनने की ठान ली। 2015 में शिवांगी ने भारतीय वायुसेना की परीक्षा उत्तीर्ण कर डेढ़ साल तक कठोर प्रशिक्षण लिया। 2017 में उन्हें देश की पहली पांच महिला फाइटर पायलटों की ऐतिहासिक टीम में शामिल किया गया। प्रशिक्षण के बाद उन्होंने मिग-21 जैसे सुपरसोनिक फाइटर जेट पर उड़ान भरी।

केरल में एसआईआर का करेंगी विरोध : प्रियंका

चेन्नई, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को साफ किया कि पार्टी केरल में मतदाता सूची की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया का कड़ा विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि जिस तरह बिहार में इस प्रक्रिया के नाम पर धांधली हुई, वैसा ही खेल अब दूसरे राज्यों में भी खेला जा रहा है, और कांग्रेस इसे किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं करेगी। वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी ने चुनाव आयोग के इस कदम पर सवाल उठाते हुए कहा कि आयोग कई राज्यों में मतदाता सूची की स्पेशल रिवीजन करने की तैयारी में है, जिसमें केरल भी शामिल है।

उन्होंने कहा कि हमने बिहार में भी इस प्रक्रिया का विरोध किया था, संसद के भीतर और बाहर दोनों जगह, और आगे भी हर जगह इसका विरोध जारी रहेगा। प्रियांका ने इस प्रक्रिया को धोखाधड़ी और चुनावी जालसाजी का तरीका बताते हुए कहा कि यह लोकतंत्र के खिलाफ साजिश है। कांग्रेस नेता ने कहा कि बिहार में जिस तरह से मतदाता सूची की समीक्षा की गई।

खबरें जरा हट के

शख्स के हाथ लगा 175 साल पुराना नक्शा, 2 जगहों के नाम देख हुई हैरानी, जांच करने पहुंचा तो रह गया दंग!

आजकल गूगल मैप्स की वजह से कहीं भी जाना-आना बड़ा आसान हो गया है. मगर एक वक्त था जब गूगल मैप्स नहीं थे. तब लोग कागज पर बने नक्शों का इस्तेमाल करते थे. ये नक्शे ऐसे राज अपने में कैद कर रखते थे, जो किसी के भी होश उड़ा देते थे. हाल ही में एक शख्स के हाथ 175 साल पुराना नक्शा लगा. उसने नक्शे में 2 जगहें देखीं जिसका नाम पढ़कर उसे हैरानी हुई तो वो जगह की जांच करने चला गया. वहां जाकर उसे ऐसी चीज दिखी कि वो दंग रह गया.

एक हिस्ट्री लवर व्यक्ति को 1850 के दशक के पुराने नक्शे पर बने एक रहस्यमयी निशान ने इतना आकर्षित किया कि जब उसने उस स्थान की खोज की, तो उसके सामने इतिहास का एक अद्भुत रहस्य खुल गया. ब्रिटेन के ऑक्सफ़ोर्डशायर निवासी क्रिस ग्लेडहिल नामक शख्स ने एक "ऑर्डनेंस सर्वे" नामक पुराने नक्शे में दो स्थान देखे- "स्प्रींग" और "फिसिक वेल"- जिनके नाम ने उनका ध्यान खींच लिया. मिरर वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार क्रिस ने इस खोज को लेकर अपना पूरा अनुभव सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक पर साझा किया और बताया कि पुराने नक्शों में अक्सर ऐसे ऐतिहासिक स्थल छिपे होते हैं जो आज के गूगल या एप्पल मैप्स पर नहीं दिखते. क्रिस 14वीं और 15वीं सदी के पुराने कॉटेजों से गुजरते हुए ग्रामीण रास्तों पर निकल पड़े और सबसे पहले "फिसिक वेल" की खोज की. उन्होंने बताया कि पुराने इंग्लिश शब्द "फिसिक" का अर्थ "दवा" या "चिकित्सा" होता है, और इस तरह के "पैगन होली साइट्स" लगभग 2000 साल या उससे भी अधिक पुराने माने जाते हैं. घने जंगलों में खोजबीन के बाद उन्हें एक प्राकृतिक जलकुंड मिला, जिसके चारों ओर पत्थरों से बना एक घेरे जैसा ढांचा था. उन्होंने बताया कि यह स्थान किसी समय पवित्र स्नान या औषधीय स्रोत के रूप में उपयोग होता होगा, क्योंकि यहां पानी भूमिगत झरने से आता था और कभी सूखता नहीं था.

दर्जी ने वक्त पर सिलकर नहीं दिया ब्लाउज महिला ने लगाया 7 हजार रुपये का जुर्माना!

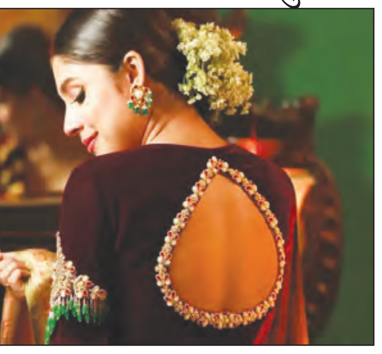

जब भी हम कोई कपड़े दर्जी को सिलने को देते हैं तो, वो कपड़े देने में देर कर ही देता है. ये कहानी तो घर-घर की है, लेकिन दुख की बात है कि कपड़े देर से देने पर हम कुछ कर भी नहीं पाते. लेकिन अहमदाबाद के सीजी रोड पर मौजूद एक डिजाइनर शॉप को उपभोक्ता के साथ तो उल्टा ही हो गया. यहां एक महिला ने ब्लाउज समय से न मिलने पर दर्जी पर केस ही ठोक दिया. चलिए आपको बताते हैं पूरा मामला क्या है.

दरअसल, हुआ यूं की नवंबर 2024 में अहमदाबाद की एक महिला ने अपने परिवार की शादी के लिए पारंपरिक साड़ी के ब्लाउज की सिलाई का ऑर्डर दिया था. उसने 4,395 रुपये एडवांस भुगतान कर ब्लाउज का डिजाइन और कपड़ा चुना था. तय समय के अनुसार ब्लाउज 24 दिसंबर तक तैयार होना था. लेकिन दर्जी ने लापरवाही दिखाते हुए समय से ब्लाउज नहीं दिया. ऑर्डर के अनुसार ब्लाउज नहीं सिला गया था. महिला ने दर्जी से शादी से पहले ब्लाउज सिलने का अनुरोध किया, लेकिन समय बीतने के बाद भी ब्लाउज तैयार नहीं हुआ. इस बात से परेशान होकर महिला ने दर्जी को नोटिस भेजा, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला. इसके बाद उसने अहमदाबाद उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में शिकायत दर्ज कराई. आयोग ने सुनवाई के दौरान कहा कि दर्जी द्वारा तय समय में काम पूरा न करना सेवाभाव में कमी को दर्शाता है. इस वजह से महिला को मानसिक दबाव भी सहना पड़ा. मामले को देखते हुए अदालत ने आदेश दिया कि दर्जी को 4,395 रुपये राशि 7% वार्षिक ब्याज सहित लौटाने होंगे. साथ ही मानसिक कष्ट और वाद व्यय के लिए अतिरिक्त मुआवजा भी अदा करना होगा. आयोग ने दर्जी को महिला ग्राहक को मानसिक प्रताड़ना और केस खर्च के लिए 7 हजार रुपये देने का आदेश दिया. जो की 45 दिनों के भीतर चुकाने होंगे.

दुनिया की वो जगह, जहां घड़ी हो जाती है फेल, एक घंटे में आज बन जाता है कल!

अगर आपने कभी टाइम ट्रैवल का सपना देखा है, तो बेरिंग स्ट्रेट के ठंडे पानी में छिपे दो छोटे द्वीपों की कहानी आपको हैरान कर देगी. लिटिल डायोमेड आइलैंड (अमेरिका) और बिग डायोमेड आइलैंड (रूस) – ये दोनों सिर्फ 3.8 किलोमीटर दूर हैं, लेकिन इनके बीच समय का फर्क 21 से 24 घंटे का है. यानी एक आइलैंड से दूसरे में जाने पर आप एक दिन का समय मात्र एक घंटे में कवर कर लेंगे. इंटरनेशनल डेट लाइन के कारण लिटिल डायोमेड पर अगर आज बुधवार है, तो बिग डायोमेड पर गुरुवार हो चुका होता है. यही वजह है कि इन्हें 'यस्टरडे आइलैंड' और 'टूमॉरो आइलैंड' के नाम से जाना जाता है. एक नई डॉक्यूमेंट्री ने इस अनोखे फेनॉमेनन को फिर से सुर्खियों में ला दिया है, जिसमें बताया गया कि कैसे ये द्वीप समय की सीमाओं को चुनौती देते हैं.

ये द्वीप आर्कटिक महासागर के बेरिंग स्ट्रेट में स्थित हैं, जहां अलास्का (अमेरिका) और चुकोटका प्रायद्वीप (रूस) आमने-सामने हैं. लिटिल डायोमेड, जिसे स्थानीय इंउपियाक भाषा में 'इंगालिक' कहते हैं, अमेरिकी अलास्का का हिस्सा है. यहां की आबादी मात्र 82 है, जिसमें ज्यादातर यूपिक मूलनिवासी है. द्वीप पर एक छोटा-सा गांव है, जहां लोग मछली पकड़ने, सील शिकार और आइस फिशिंग पर निर्भर हैं. समय क्षेत्र यूटीसी-9 (अलास्का स्टैंडर्ड टाइम) है. वहीं, बिग डायोमेड, जिसे रूस में रटमेनोव आइलैंड कहते हैं, रूसी चुकोटका ऑटोनॉमस ओक्रग का हिस्सा है. यहां सैन्य बेस है, और आबादी लगभग 100 है, जिसमें ज्यादातर सैनिक और वैज्ञानिक हैं. समय क्षेत्र यूटीसी+12 है, जो लिटिल से 21 घंटे आगे है (गर्मियों में 20 घंटे). अगर आप लिटिल से बिग पर जाएं, तो एक कदम में ना सिर्फ देश बदल जाएगा, बल्कि तारीख भी आगे सरक जाएगी.

खालिस्तानी संगठन ने दिलजीत दोसांझ को दी धमकी!

कॉन्सर्ट रद्द करने की मांग-बिग बी से है कनेक्शन

अमृतसर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के संगठन, सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने पंजाबी गायक-अभिनेता दिलजीत दोसांझ को धमकी दी है। इसके अलावा 1 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया में गायक के होने वाले म्यूजिक कॉन्सर्ट को रद्द करने के लिए कहा है। समूह का आरोप है कि सिंगर के कृत्य से 1984 के नरसंहार पीड़ितों का अपमान हुआ है।

चलिए जानते हैं पूरा मामला। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एसएफजे संगठन ने एक बयान जारी कर कहा है कि दिलजीत दोसांझ ने बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के 'कौन बनेगा करोड़पति 17' में पैर छूकर 1984 के सिख नरसंहार के हर पीड़ित, विधवा और अनाथ का अपमान किया है। आगे संगठन ने आरोप लगाया कि अमिताभ ने 31 दिसंबर, 1984 में हिंदुस्तानी भीड़ को सार्वजनिक रूप से उकसाया था और खून का बदला खून का नारा लगाया था। इसके बाद पूरे भारत में कई सिख मारे गए थे। हाल ही में 'कौन बनेगा करोड़पति 17' में दिलजीत दोसांझ सेट पर पहुंचे थे और पहुंचते ही उन्होंने शो होस्ट-अभिनेता अमिताभ बच्चन के पैर छुए। बिग बी ने गायक को पंजाब का बेटा कहा, साथ ही दोनों एक-दूसरे के गले भी लगे। इसी के बाद से इसे लेकर विवाद छिड़ गया है।

राहुल गांधी ने आत्महत्या करने वाली डॉक्टर के परिजनों से की बात न्याय दिलाने का किया वादा

मुंबई, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को महाराष्ट्र के सतारा जिले में आत्महत्या करने वाली महिला डॉक्टर के परिवार से फोन पर बात की।

कांग्रेस नेता ने उन्हें न्याय दिलाने में पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया। डॉक्टरों के परिजनों ने कांग्रेस सांसद से आग्रह किया कि वह सरकार दबाव डालें, ताकि उनकी मौत की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित की जा सके। परिवार ने कहा कि डॉक्टर की मौत को एक सप्ताह बीत चुका है और उन्हें सबूत नष्ट किए जाने का डर है।

कांग्रेस नेता ने दिया सरकार पर दबाव डालने का आश्वासन

राहुल गांधी ने महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल के फोन से डॉक्टर के माता-पिता और भाई-बहनों से बात की। सपकाल उस समय बीड जिले कवडगांव में परिवार से मिलने गए थे।

कांग्रेस नेता ने परिवार को आश्वासन दिया कि वह सरकार पर दबाव डालेंगे ताकि महिला डॉक्टर की मौत की जांच के लिए एसआईटी बनाई जा सके।

पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों को 25 अक्तूबर को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में यह भी पाया गया कि होटल के कमरे में जबरन प्रवेश का कोई सबूत नहीं था, जिससे यह साफ हुआ कि घटना के समय वहां कोई और मौजूद नहीं था। डॉक्टर के परिजनों का आरोप है कि उनकी मौत के बाद मोबाइल फोन से महत्वपूर्ण डाटा मिटा दिया गया। उन्होंने एसआईटी गठित करने की मांग की है।

किसानों ने कर्ज माफी को लेकर बंद किया नेशनल हाइवे-ट्रेनें रोकने की धमकी

नागपुर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में कर्जमाफी की मांग को लेकर जारी नागपुर में किसानों का आंदोलन दूसरे दिन भी जारी है। प्रदर्शनकारी किसान पूर्व मंत्री और प्रहार पार्टी के नेता बच्चू कडु के नेतृत्व में आंदोलन कर रहे हैं। आंदोलनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 44 को बंद किया हुआ है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग नागपुर को हैदराबाद से जोड़ता है। आज प्रदर्शनकारी किसानों ने ट्रेनें रोकने की धमकी दी है।

प्रहार पार्टी के नेता बच्चू कडु ने राज्य सरकार पर निशाना साधा और किसानों की कर्ज माफी करने की मांग की। बच्चू कडु ने कहा कि 'आज हम 12 बजे के बाद ट्रेनें रोकेंगे। हमारे किसान कर्ज में डूब रहे हैं। अगर राज्य सरकार के पास किसानों का कर्ज माफ करने के लिए पैसे नहीं हैं तो केंद्र सरकार को इसमें मदद करनी चाहिए।' मंगलवार को हजारों की संख्या में किसानों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-44 को बंद कर दिया। किसानों का आरोप है कि बार-बार वादा करने के बावजूद सरकार किसानों की कर्जमाफी नहीं कर रही है। साथ ही सूखे की समस्या से जूझ रहे किसानों को भी सरकार ने पर्याप्त मदद नहीं की है।

बच्चू कडु का तंज-मुख्यमंत्री के पास किसानों से मिलने का समय नहीं

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे पूर्व मंत्री बच्चू कडु ने कहा कि 'किसानों का कर्ज माफ करने की मांग थी। उन्होंने कहा कि सोयाबीन की फसल के छह हजार रुपये दिए जाएंगे और हर फसल पर 20 प्रतिशत बोनस दिया जाएगा। मध्य प्रदेश में इस समय भावांतर योजना चल रही है, लेकिन यहां ऐसी कोई योजना नहीं है। महाराष्ट्र में एक भी फसल को पूरा दाम नहीं मिल रहा है और मुख्यमंत्री के पास किसानों से मिलने का समय ही नहीं है। कर्जमाफी की मांग भी है। अभी एक से डेढ़ लाख किसान प्रदर्शन कर रहे हैं और एक लाख और आ रहे हैं।'

सेवा दल की सभा में गाया 'आमार सोनार बांग्ला'

भड़की भाजपा बोली-वोटों के लिए देश को तोड़ रही कांग्रेस

नई दिल्ली असम के श्रीभूमि जिले में कांग्रेस के एक कार्यक्रम में बांग्लादेश का राष्ट्रगान 'अमर सोनार बांग्ला' गाया गया। जिसके बाद कांग्रेस की सभा का वीडियो सोशल मीडिया वायरल हो गया, जिस पर भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई है। भाजपा ने बुधवार (29 अक्तूबर) को कांग्रेस पर खुलेआम घुसपैठियों के साथ खड़ी होने और वोटों के लिए भारत को तोड़ने के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने का गंभीर आरोप लगाया है। वायरल वीडियो में कथित तौर पर कांग्रेस के एक नेता असम में कांग्रेस सेवा दल की एक आधिकारिक बैठक में बांग्लादेश का राष्ट्रगान गाते हुए दिखाई दे रहे हैं। जिसके बाद भाजपा कांग्रेस पर हमलावर है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस वर्षों से बांग्लादेशी घुसपैठियों के साथ खड़ी रही है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने अपने शासन के दौरान इन घुसपैठियों को बसने में मदद की, अब कांग्रेस पार्टी के मंच से आधिकारिक तौर पर उनका समर्थन कर रही है और उनके नेता बांग्लादेश का राष्ट्रगान गा रहे हैं।

डीआईजी भुल्लर के साथ पकड़ा गया बिचौलिया कृष्णु 9 दिन के रिमांड पर

सीबीआई ने की थी मांग

चंडीगढ़, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब के पूर्व डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर से जुड़े रिश्वत मामले में पकड़े गए बिचौलिए कृष्णु शारदा को सीबीआई की विशेष अदालत ने नौ दिन के रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी बिचौलिए को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बुडैल जेल से अदालत में पेश किया गया। सीबीआई ने कृष्णु शारदा का 12 दिन का रिमांड मांगा है, जिस पर मंगलवार को कृष्णु की ओर से वकील पेश न होने के चलते आज 11 बजे सुनवाई हुई।

सूत्रों के अनुसार सीबीआई कृष्णु के जरिए उन अफसरों तक पहुंचना चाहती है जो रिश्वत के इस नेटवर्क से जुड़े हैं। जांच एजेंसी ने अदालत से आग्रह किया था कि बुड़ैल जेल में कृष्णु से मिलने आने वाले सभी लोगों का रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखे जाएं। अदालत ने यह मांग मंजूर करते हुए जेल प्रशासन को आदेश जारी कर दिए हैं। सूत्रों के अनुर कृष्णु शारदा से उसके परिजनों के अलावा कुछ अन्य लोग भी मिलने पहुंचे थे, जिससे सीबीआई को शक है कि ये लोग मामले से जुड़े हो सकते हैं। एजेंसी अब उन सभी का डेटा खंगालने की तैयारी में है। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक एजेंसी को कृष्णु से पूछताछ के दौरान कई नई जानकारियां मिली हैं। सूत्रों ने बताया जांच में सामने आया है कि वह पंजाब के कई बड़े अधिकारियों के लिए उगाही का काम करता था। इसी कड़ी में अब कई अन्य आईपीएस अधिकारी भी सीबीआई के रडार पर हैं।

कांग्रेस के कार्यक्रम में बांग्लादेश का 'राष्ट्रगान' गाए जाने पर विवाद

> भाजपा बोली—इनका दिल ढाका में धड़कता है!

गुवाहाटी, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। असम के श्रीभूमि जिले में कांग्रेस के एक कार्यक्रम में 'आमार सोनार बांग्ला' गाए जाने का वीडियो सामने आने के बाद सियासत गरमा गई है। रविंद्रनाथ ठाकुर द्वारा लिखित यह गीत बांग्लादेश का राष्ट्रगान भी है।

भाजपा ने इसकी आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस 'ग्रेटर बांग्लादेश' की राह आसान करना है। असम भाजपा ने एक्स पर लिखा, "कुछ दिन पहले ही बांग्लादेश ने ऐसा नक्शा जारी किया जिसमें पूर्वोत्तर भारत के कई हिस्से शामिल हैं, और अब कांग्रेस उसी देश का राष्ट्रगान असम में गा रही है। अगर कोई इस एजेंडे को नहीं समझता, तो या तो वह अंधा है या मिलीभगत में शामिल।"

असम के मंत्री अशोक सिंघल ने भी कांग्रेस पर आरोप लगाया कि पार्टी लंबे समय से "अवैध मिया घुसपैठियों" को संरक्षण देती रही है ताकि वोट बैंक की राजनीति के जरिए राज्य की जनसांख्यिकी बदली जा सके। उन्होंने कहा, "अब साफ है कि कांग्रेस का मकसद 'ग्रेटर बांग्लादेश' की राह आसान करना है।" श्रीभूमि, जिसे पहले करीमगंज कहा जाता था, बांग्लादेश की सीमा से सटा हुआ है और बराक घाटी का हिस्सा है जहाँ बांग्ला भाषी बहुसंख्यक हैं। अब तक कांग्रेस ने इस विवाद पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। 'आमार सोनार बांग्ला' गीत रवींद्रनाथ टैगोर ने 1905 में लिखा था, जब अंग्रेजों ने बंगाल का पहला विभाजन किया था। यह गीत उस समय बंगाल की एकता और औपनिवेशिक नीति के विरोध का प्रतीक बना था। 1911 में जब विभाजन रद्द हुआ, तो इस गीत ने लोगों के भीतर साझा पहचान की भावना को और मजबूत किया।

भारत विभाजन के बाद बंगाल का मुस्लिम बहुल हिस्सा पाकिस्तान में चला गया जिसे पूर्वी पाकिस्तान कहा जाता था। पूर्वी पाकिस्तान की ज्यादातर आबादी बांग्ला भाषी थी। पश्चिमी पाकिस्तान में पंजाबी बोलने वालों को वर्चस्व था जिसके खिलाफ पूर्वी बांग्लादेश में विरोध था। वर्ष 1971 में पूर्वी पाकिस्तान ने खुद को पाकिस्तान से आजाद घोषित करके अलग राष्ट्र 'बांग्लादेश' के निर्माण की घोषणा की थी। बांग्लादेश ने बांग्ला अस्मिता और संस्कृति के प्रतीक इस गीत को अपना राष्ट्रगान चुना था।

श्रीभूमि, जिसे पहले करीमगंज कहा जाता था, बांग्लादेश की सीमा से सटा हुआ है और बराक घाटी का हिस्सा है जहाँ बांग्ला भाषी बहुसंख्यक हैं। अब तक कांग्रेस ने इस विवाद पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। बांग्लादेश और पाकिस्तान के हिंसक संघर्ष के दौरान लाखों बांग्लादेशी नागरिक भारत में आकर बस गये। भारत के असम की सीमा बांग्लादेश से लगती है इसलिए असम में बांग्लादेशी शरणार्थियों के गैर-कानूनी प्रवेश का मुद्दा सुर्खियों में रहा है। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सरमा कई बार दावा कर चुके हैं कि असम की डेमोग्राफी (हिन्दू-मुस्लिम जनसंख्या का अनुपात बदल चुकी है।

सुविचार: विश्वास वो ताकत है, जो उजड़ी हुई जिंदगी में भी रोशनी भर देती है!

2022 से अब तक की सभी बकाया राशि का भुगतान करें : भट्टी ने अधिकारियों को निर्देश दिए

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने वित्त विभाग के अधिकारियों को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक छात्रों के लिए लंबित विदेशी छात्रवृत्ति की 303 करोड़ रुपये की राशि तुरंत जारी करने का निर्देश दिया है। उन्होंने निर्देश दिया कि 2022 से अब तक की सभी लंबित राशि का भुगतान तुरंत किया जाए।

उपमुख्यमंत्री के इस निर्देश से उन हजारों परिवारों को अपार राहत और खुशी मिली है जो लंबे समय से संकट और निराशा में थे। गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के कई छात्र उच्च शिक्षा प्राप्त करने और अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए अच्छा रोजगार पाने के सपने के साथ विदेशी छात्रवृत्ति योजना के तहत विदेश गए थे। हालांकि, पिछली सरकार के कार्यकाल से छात्रवृत्ति राशि जारी न होने के कारण, विदेश में रहने वाले छात्र और तेलंगाना में उनके माता-पिता गंभीर मानसिक और आर्थिक तनाव का सामना कर रहे हैं। एक ओर, छात्रवृत्ति वितरित नहीं हो रही थी, दूसरी ओर, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों ने नए प्रतिबंध लगाए हैं, जिससे छात्रों पर मनोवैज्ञानिक दबाव और बढ़ गया है।

पहले के विपरीत, अब छात्रों को विदेश में बढ़ते वित्तीय बोझ का सामना करना पड़ रहा है, जहां पढ़ाई और काम के अवसर सीमित हैं। जीवन और शिक्षा की लागत दिन-ब-दिन बढ़ रही है, जबकि बैंकों से लिए गए शिक्षा ऋण भी बढ़ते जा रहे हैं। स्थिति

की गंभीरता को समझते हुए, भट्टी विक्रमार्क ने इस मुद्दे को प्राथमिकता दी है और सभी लंबित विदेशी छात्रवृत्ति बकाया राशि का तत्काल भुगतान करने का आदेश दिया है। उनके इस निर्देश ने हज़ारों संघर्षरत परिवारों में आशा की किरण जगाई है। परिवारों ने इस बात पर खुशी जताई कि चुनौतीपूर्ण वित्तीय परिस्थितियों में भी, सरकार प्रति छात्र लगभग 20 लाख की महत्वपूर्ण सहायता प्रदान कर रही है- यह सुनिश्चित करते हुए कि उनके बच्चे अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। विदेशी छात्रों ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की ओर से समय पर दी गई यह वित्तीय सहायता उन्हें अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने और राज्य और राष्ट्र के लिए सार्थक योगदान देने में मदद करेगी।

पेड़ गिरने से व्यक्ति की मौत

सूर्यापेट, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को सूर्यापेट जिले के चंदुपटला गांव में भारी बारिश और तेज हवाओं के बीच एक बड़ा पेड़ गिरने से 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान कोटा लक्ष्मीनारायण के रूप में हुई है, जो दोपहिया वाहन से तननचेरला से चंदुपटला जा रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अचानक आई तेज हवाओं के झोंके से पेड़ जड़ से उखड़ गया और सीधे लक्ष्मीनारायण पर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाने की कोशिश की, लेकिन उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जिले में पिछले कुछ घंटों में पांच सेंटीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई है, जिससे कई सड़कों पर पानी भर गया है और खेतों में फसलें जलमग्न हो गई हैं। प्रशासन ने लोगों से खराब मौसम में सावधानी बरतने और अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलने की अपील की है।

पुलिस शहीद दिवस के अवसर पर पुलिस महानिदेशक ने रक्तदान किया

डीजीपी कार्यालय में पहली बार रक्तदान शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस शहीद दिवस के अवसर पर बुधवार को पुलिस महानिदेशक कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। पुलिस महानिदेशक श्री बी. शिवधर रेड्डी ने पुलिस महानिदेशक कार्यालय में आयोजित पहली बार रक्तदान शिविर में रक्तदान किया। रेड क्रॉस सोसाइटी के आयोजकों ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) महेश एम. भागवत, पुलिस महानिरीक्षक एस. चंद्रशेखर रेड्डी और एम. रमेश सहित 164 पुलिस कर्मियों से रक्त एकत्र किया, साथ ही बड़ी संख्या में मंत्रालयिक कर्मियों ने भी इसमें भाग लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने कहा कि रक्तदान से जान बच सकती है। उन्होंने कहा कि रक्तदान से लोगों को तीन तरह से लाभ हो सकता है। उनका मानना है कि रक्तदान करने से व्यक्ति तीन अन्य लोगों को रक्त, प्लाज्मा और प्लेटलेट्स दान कर सकता है। डीजीपी ने सभी से, जिन्हें भी अवसर मिले, पीड़ितों के लिए आवश्यक रक्त एकत्र करने हेतु आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने दो दिन पहले हैदराबाद सिटी पुलिस द्वारा आयोजित एक विशाल रक्तदान शिविर में भाग लिया था और लगभग 4,500 यूनिट रक्त एकत्र किया गया था। डॉक्टरों का कहना है कि हर व्यक्ति वर्ष में चार बार रक्तदान कर सकता है और कम से कम एक बार रक्तदान करने से कई लोगों की जान बच सकती है।

उन्होंने कहा कि राज्य भर में लगभग 8,000 लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा रहे हैं और आशा व्यक्त की कि यदि रक्त उपलब्ध हो, तो कम से कम कुछ लोगों की जान बचाई जा सकती है। आईजीपी (पी एंड एल) एम रमेश ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने पुलिसकर्मियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहली बार है जब डीजीपी कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। रक्तदान शिविर कार्यक्रम में एआईजी रमण कुमार, नागराजू, डॉ. पिच्ची रेड्डी, रेड क्रॉस सोसाइटी राज्य शासी परिषद के सदस्य ई.वी. श्रीनिवास राव, महासचिव ए. श्रीरामुलु, पुलिस अधिकारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष गोपी रेड्डी और अन्य ने भाग लिया।

पेद्दापल्ली में राइस मिल का बॉयलर फटा, दो घायल

पेद्दापल्ली, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुल्तानाबाद मंडल के कटनापल्ली गांव में बुधवार सुबह कनकदुर्गा राइस मिल में बॉयलर फटने से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। विस्फोट इतना तेज था कि मिल के दो गोदाम, मशीनरी, धान और चावल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घायलों को तुरंत इलाज के लिए करीमनगर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, दुर्घटना में लगभग दो करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और राजस्व अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है और सुरक्षा मानकों की समीक्षा के निर्देश दिए गए हैं।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं का मंत्री के घर के बाहर हंगामा

करीमनगर, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को करीमनगर में परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता राज्य सरकार पर शुल्क प्रतिपूर्ति निधि जारी करने में देरी और उदासीनता का आरोप लगाते हुए मंत्री के घर की ओर बढ़ने लगे।

पुलिस ने पहले से ही मनकम्माटोटा स्थित मंत्री के आवास के आसपास बैरिकेड्स लगा दिए थे और कार्यकर्ताओं को भीतर जाने से रोक लिया। बावजूद इसके, कुछ प्रदर्शनकारियों ने आवास में घुसने की कोशिश की, जिन्हें पुलिस ने तुरंत रोक लिया। बाद में एबीवीपी के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर पुलिस थाने भेजा गया। प्रदर्शन के दौरान छात्र नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार शुल्क प्रतिपूर्ति में हो रही देरी से परेशान छात्रों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बकाया राशि तुरंत जारी नहीं की गई, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

हैदराबाद में मंचिरेवुला मार्ग भारी बारिश से बंद

साइबराबाद पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर वैकल्पिक मार्ग अपनाने की अपील की

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद यातायात पुलिस ने मंगलवार रात मंचिरेवुला ग्राम रोड को भारी जलभराव के कारण अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। लगातार हो रही बारिश से निचले इलाकों में पानी भर गया है, जिससे यह मार्ग वाहनों की आवाजाही के लिए असुरक्षित हो गया है।

अधिकारियों ने बताया कि आसपास के नालों और वर्षा जल चैनलों के ओवरफ्लो होने से सड़क पर पानी भर गया है। स्थिति को देखते हुए जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। यातायात पुलिस ने मौके पर कर्मियों को तैनात किया है ताकि यात्रियों को वैकल्पिक मार्ग की ओर भेजा जा सके और किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

साइबराबाद पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि भारी जलभराव के कारण मंचिरेवुला मार्ग पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया है। जीएचएमसी और अन्य विभागों के साथ मिलकर सड़क को साफ करने और सुरक्षित मार्ग बहाल करने के प्रयास जारी हैं। अधिकारियों ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे अगली सूचना तक मंचिरेवुला मार्ग से बचें और वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करें। साथ ही यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे ट्रैफिक अपडेट देखते रहें और जलभराव या कम दृश्यता वाले क्षेत्रों में सावधानी से वाहन चलाएं। पुलिस ने जनता से सहयोग करने और सतर्क रहने की अपील की है क्योंकि शहर के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी है।

उस्मान सागर और हिमायत सागर में जलस्तर बढ़ा

लगातार बारिश के बाद दोनों जलाशयों के गेट खोले गए

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जलग्रहण क्षेत्रों में रातभर हुई भारी बारिश के बाद बुधवार को उस्मान सागर और हिमायत सागर जलाशयों में जलस्तर में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। इसके चलते हैदराबाद मेट्रो वॉटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) ने दोनों जलाशयों के गेट खोल दिए और अतिरिक्त पानी मूसी नदी में छोड़ा।

अधिकारियों ने बताया कि यह लगातार दूसरा दिन था जब बढ़ते जलस्तर के कारण गेट खोले गए। दोनों जलाशयों में पानी का प्रवाह लगातार बढ़ रहा है, और स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जल प्रवाह के आधार पर जरूरत पड़ने पर और गेट खोले जाएंगे। वॉटर बोर्ड ने आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए हाई अलर्ट जारी किया है और बाढ़ की चेतावनी देते हुए नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है।

अधिकारियों ने यह भी कहा है कि सभी टीमें किसी भी संभावित आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं।

करीमनगर में कपड़ों के शोरूम में भीषण आग

करीमनगर, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार सुबह करीमनगर के टावर सर्कल के पास एक कपड़ों के शोरूम में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग कपिला ड्रेसेस नामक शोरूम में शुरू हुई और देखते ही देखते पास की दुकानों-विनायक एंटरप्राइजेज की फोटोग्राफी शॉप और कैनन फोटोग्राफी-तक फैल गई।

घटना में शोरूम में रखे कपड़े और अन्य सामान पूरी तरह जलकर राख हो गए। आग लगने के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और लगभग दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अधिकारियों ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। सौभाग्य से इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन लाखों रुपये का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

करीमनगर में निचले मनैर बांध के दो गेट खोले गए

करीमनगर, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। लगातार बारिश के कारण निचले मनैर बांध (एलएमडी) में जलस्तर बढ़ने पर बुधवार को दो स्पिलवे गेट खोल दिए गए ताकि अतिरिक्त पानी नीचे की ओर छोड़ा जा सके। अधिकारियों के अनुसार, बांध से लगभग 4,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में हो रही भारी बारिश के चलते मिड मनैर जलाशय और मोयातुम्मेडा नाले से लगातार पानी बांध में आ रहा है, जिससे जलाशय अपनी पूर्ण क्षमता तक भर गया है। स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए एलएमडी अधिकारियों ने कहा है कि यदि पानी का प्रवाह और बढ़ता है तो अतिरिक्त गेट भी खोले जा सकते हैं। उन्होंने आसपास के लोगों, चरवाहों, मछुआरों और किसानों से अपील की है कि वे एहतियात बरतें और नदी पार करने या उसके किनारे जाने से बचें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के कल्याणकारी कार्यक्रम हर कोने तक पहुंचें : रामचंद्र राव

राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल की मौजूदगी में हुई बैठक

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने भाजपा तेलंगाना प्रदेश कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसी प्रकार, भाजपा विधायक दल के नेता येलेटी महेश्वर रेड्डी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य गरिकापति मोहन राव और अन्य नेताओं ने भी इस बैठक में भाग लिया। इस बैठक में आगामी समय में पार्टी की मजबूती और विस्तार के लिए की जाने वाली गतिविधियों पर दिशा-निर्देश दिए गए।

इसी प्रकार, पार्टी नेता रामचंद्र राव ने जुबली हिल्स उपचुनाव में व्यापक प्रचार अभियान चलाने और पार्टी की जीत के लिए काम करने का आह्वान किया। उन्होंने सुझाव दिया कि अभियान को और तेज किया जाना चाहिए ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा शुरू किए गए कल्याणकारी कार्यक्रम और विकास योजनाएं हर कोने तक पहुंचें।

उन्होंने पार्टी नेताओं को पिछली बीआरएस सरकार के दौरान हुए भ्रष्टाचार और अराजकता के साथ-साथ वर्तमान कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए झूठे वादों और अधूरी "6 गारंटियों" को उजागर करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पार्टी ने तेलंगाना राज्य में भारतीय जनता

पार्टी को मज़बूत और विस्तारित करने के लिए यहां के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर गहरा भरोसा जताया है।

भाजपा राष्ट्रीय पार्टी के निर्देशों के अनुसार सभी को समन्वय के साथ पार्टी को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। केंद्र सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी कार्यक्रमों और विकास योजनाओं के लाभों के बारे में लोगों को जमीनी स्तर पर जानकारी दी जानी चाहिए। अगले महीने की 11 तारीख को जुबली हिल्स में होने वाले उपचुनाव के अवसर पर, बीआरएस और कांग्रेस पार्टियां एक बार फिर लोगों को धोखा देने की तैयारी में हैं।

भाजपा प्रमुख ने पार्टी कार्यकर्ताओं से चक्रवात 'मोंथा' पीड़ितों की सहायता करने का आग्रह किया

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने बुधवार को राज्य भर के अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से चक्रवात 'मोंथा' से प्रभावित लोगों की हर संभव सहायता करने की अपील की। चक्रवात ने तेलंगाना के कुछ हिस्सों और आंध्र प्रदेश के आसपास के तटीय क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई है। जन सेवा के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता पर ज़ोर देते हुए, राव ने भाजपा कार्यकर्ताओं से स्थानीय अधिकारियों, आपदा प्रबंधन टीमों और स्वयंसेवी संगठनों के साथ मिलकर भोजन, आश्रय, चिकित्सा सहायता और आवश्यक आपूर्ति सहित राहत प्रदान करने का आग्रह किया। राव ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, संकट की इस घड़ी में, हमारा सबसे बड़ा कर्तव्य लोगों, खासकर गरीबों, किसानों और दिहाड़ी मजदूरों के साथ खड़ा होना है, जिनकी आजीविका सबसे ज़्यादा प्रभावित हुई है।

पूर्व तट रेलवे

विज्ञापन की ई-नीलामी

निविदा सूचीपत्र सं.: CAT-ADVTD-008

(1) लॉट सं./श्रेणी: ADVT-WAT-VSKP-OH-229-25-1 (विज्ञापन-Out of Home)

विवरण: कार्य में ई-नीलामी पॉलिसी CC-14 ऑफ 2020 तथा CC-14 ऑफ 2022 की संविदा की विशेष शर्तों के अनुसार विज्ञापनों के प्रदर्शन के लिए एक यूनिपोल (1600 SQ.FT) एवं वीडियो वॉल (कुल 600 SQ.FT.) की स्थापना एवं रखरखाव शामिल है।

(2) लॉट सं./श्रेणी: ADVT-Int-250702-1-25-1 (विज्ञापन-Train Interior)

विवरण: संविदा में विशाखापट्टणम कोचिंग डिपो में प्राथमिक रूप से रखरखाव की जाने वाली 32 ट्रेनों के साथ 20803 गाँधीधाम एक्सप्रेस के दर्पणों के माध्यम से विज्ञापन का प्रदर्शन शामिल है, जैसा कि सूची में निर्दिष्ट है। इस अनुबंध में अन्य कोई ट्रेन शामिल नहीं की जाएगी। विवरण के लिए कृपया संलग्न दस्तावेज देखें।

लॉट के शुरू होने की तारीख एवं समय: 10.11.2025 को 1100 बजे (क्रमांक 1 एवं 2 के लिए)।

लॉट के बंद होने की तारीख: 10.11.2025 (क्रम सं. 1 एवं 2 के लिए), बंद होने का समय: 1130 बजे (क्रम सं. 1 के लिए), 1140 बजे (क्रम सं. 2 के लिए)।

दर इकाई: वार्षिक लाइसेंस शुल्क (क्रम सं. 1 एवं 2 के लिए), ट्रिप/दिन: 1826 (क्रम सं. 1 के लिए) एवं 1096 (क्रम सं. 2 के लिए), न्यूनतम वृद्धि (%): 0.2 (क्रम सं. 1 एवं 2 के लिए)। लॉट की स्थिति: सूचीपत्र में प्रकाशित नया (क्रम सं. 1 एवं 2 के लिए)।

ऊपरोक्त ई-निविदा सूचना की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, वाल्टियर

PR-739/Q/25-26

श्रीपदा येल्लमपल्ली परियोजना के नौ गेट खोले गए

जलाशय पूर्ण क्षमता पर पहुंचा, 72,801 क्यूसेक पानी छोड़ा गया

पेद्दापल्ली, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीपदा येल्लमपल्ली परियोजना में जलस्तर बढ़ने के बाद बुधवार को अधिकारियों ने नौ गेट खोलकर लगभग 72,801 क्यूसेक पानी नीचे की ओर छोड़ा। यह कदम ऊपरी इलाकों से भारी जलप्रवाह आने के कारण जलाशय की क्षमता पूरी होने के बाद उठाया गया।

जानकारी के अनुसार, ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश जारी है, जिससे परियोजना में 73,089 क्यूसेक पानी का प्रवाह हो रहा है। इसमें श्रीराम सागर परियोजना से 50,000 क्यूसेक और काडेम परियोजना से 4,744 क्यूसेक पानी शामिल है। परियोजना का जलस्तर 148 मीटर तक पहुंच गया है, जो इसकी पूर्ण क्षमता 20.1754 टीएमसी के बराबर है। जलभराव को नियंत्रित रखने के लिए अधिकारियों ने अतिरिक्त पानी छोड़ने का निर्णय लिया। उन्होंने नदी किनारे बसे लोगों से सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से जलधारा के पास न जाने की अपील की है।

कागीना नदी में बह रहे व्यक्ति को ग्रामीणों ने बचाया

रस्सियों की मदद से चला नाटकीय बचाव अभियान

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले के तंडूर मंडल में बुधवार को एक बड़ा हादसा टल गया, जब वीरेशितिपल्ली पुल के पास उफनती कागीना नदी में बह रहे एक व्यक्ति को ग्रामीणों ने समय रहते बचा लिया। जानकारी के अनुसार, व्यक्ति की पहचान यलाल मंडल के अग्गनूर गांव के निवासी नरसैया के रूप में हुई है। वह वीरेशितिपल्ली में एक चेकडैम के पास तेज बहाव में फंस गया था और जान बचाने के लिए हाथ हिलाते हुए मदद की गुहार लगा रहा था।

ग्रामीणों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर रस्सियों की मदद से नाटकीय तरीके से बचाव अभियान चलाया और नरसैया को सुरक्षित किनारे तक खींच लिया। इसके बाद उसे एम्बुलेंस से नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि वह खतरे से बाहर है। स्थानीय लोगों की सतर्कता और साहसिक बचाव प्रयास की क्षेत्र में खूब सराहना की जा रही है।

हैदराबाद पुलिस ने जारी किया 'फर्जी पोस्टर अलर्ट'

व्हाट्सएप और कॉल रिकॉर्डिंग से जुड़ी वायरल पोस्ट पूरी तरह झूठी बताई

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने बुधवार को एक डिजिटल पोस्टर वायरल होने के बाद 'फर्जी पोस्टर अलर्ट' जारी किया है। इस पोस्टर में दावा किया गया था कि सरकार नए व्हाट्सएप और फोन कॉल नियम लागू कर रही है, जिसके तहत सभी कॉल और सोशल मीडिया गतिविधियां रिकॉर्ड और मॉनिटर की जाएंगी। तेलुगु भाषा में प्रसारित इस फर्जी पोस्टर में यहां तक कहा गया कि तीन नीले टिक का मतलब होगा कि सरकार ने संदेश पढ़ लिया है और तीन लाल टिक का मतलब कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है।

हैदराबाद सिटी पुलिस ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल के माध्यम से स्पष्ट किया कि यह पोस्टर पूरी तरह फर्जी है और पुलिस विभाग द्वारा जारी नहीं किया गया है। बयान में कहा गया, झूठे दावों वाला डिजिटल पोस्टर प्रसारित किया जा रहा है। इसमें दी गई जानकारी पूरी तरह गलत है और पुलिस से इसका कोई संबंध नहीं है। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसी भ्रामक सूचनाओं पर विश्वास न करें और उन्हें आगे न भेजें। साथ ही किसी भी संदेश की सच्चाई की पुष्टि आधिकारिक पुलिस या सरकारी सोशल मीडिया चैनलों से करें।

'जैसा नाम वैसा ही काम, बिहार में इस बार एनडीए ही आएगा'

सिवान में योगी की गरज

सीवान, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण के मतदान से पहले बुधवार को रघुनाथपुर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को संबोधित किया। जैसे ही योगी का हेलीकॉप्टर सभा स्थल पर पहुंचा, पूरे मैदान में 'योगी-मोदी जिंदाबा', 'जय श्रीराम' के नारे गूंज उठे। उसी दौरान 'जो राम के लाए हैं, हम उनको लाएंगे गीत बजने लगा। बारिश के बावजूद भीड़ टस से मस नहीं हुई और लोगों ने पूरे जोश के साथ योगी के संबोधन को सुना।

लगभग 21 मिनट के भाषण की शुरुआत योगी ने भोजपुरी में करते हुए की। उन्होंने भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद और महेंद्रनाथ पांडेय का नाम लेकर सिवान की धरती को नमन किया। बिहार की गौरवशाली परंपरा का जिक्र करते हुए कहा कि यह धरती "त्याग, कर्म, शक्ति और शांति" की प्रतीक रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बिहार को लगातार विकास के पथ पर अग्रसर कर रही है।

अपने भाषण में योगी ने राजद का छह बार, कांग्रेस का दो बार और जंगलराज का दो बार उल्लेख किया। बिना नाम लिए उन्होंने शहाबुद्दीन और ओसामा पर कटाक्ष किया। कहा – "जैसा नाम है, वैसा ही काम भी है"। उन्होंने सिवान के तेजाब कांड की याद दिलाते हुए कहा कि जनता अब अपराध की राजनीति नहीं, विकास की राजनीति चाहती है। योगी ने कहा कि इंद्रदेव भी आज एनडीए की जीत का आशीर्वाद दे रहे हैं, तभी उनके आगमन के साथ ही बारिश होने लगी। उन्होंने कहा कि राजद ने जिस प्रत्याशी को मैदान में उतारा है, उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि आपराधिक रही है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन ने हमेशा अपराधियों और माफियाओं को बढ़ावा दिया है।

राम मंदिर और धार्मिक स्थलों का जिक्र करते हुए योगी ने कहा कि जो लोग पहले अयोध्या में राम मंदिर बनने नहीं देना चाहते थे, वही अब सीतामढ़ी में बन रहे मां जानकी मंदिर व कॉरिडोर का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पहले राजा दशरथ मेडिकल कॉलेज, फिर महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट बनवाया और अब भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनवाकर 500 साल पुराने विवाद का अंत किया। उन्होंने कहा कि बिहार और उत्तर प्रदेश के बीच राम-जानकी पथ का निर्माण तेजी से हो रहा है जो माता जानकी के स्थल को भगवान राम के स्थल से जोड़ेगा। योगी ने कहा – "अब बिहार में जो कुछ बच जाता है, वो यूपी का बुलडोजर पूरा कर देता है।" उन्होंने बताया कि यूपी में कैसे बुलडोजर माफियाओं की संपत्ति पर चलाकर गरीबों को बसाने का काम कर रहा है।

महागठबंधन पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि "ये लोग पेशेवर माफियाओं को टिकट देते हैं और बाबर-अकबर के मजारों पर चादरपोशी करते हैं।" परिवारवाद पर कटाक्ष करते हुए कहा कि एनडीए "सबका साथ, सबका विकास" में विश्वास रखता है जबकि विपक्ष "सबका साथ, परिवार का विकास" की नीति पर चलता है। सभा के अंत में उन्होंने रघुनाथपुर विधानसभा के प्रत्याशी के पक्ष में वोट देने की अपील करते हुए कहा कि यह सीट संख्या 108 है, जो सनातन धर्म का शुभ अंक है, इसलिए यह निश्चित रूप से एनडीए के उम्मीदवार की जीत का संकेत देता है। उन्होंने हंसते हुए कहा, "देखिएगा, कहीं अशुभ अंक वाला न जीत जाए।" अंत में योगी ने "भारत माता की जय" और "जय श्रीराम" के नारों के साथ सभा का समापन किया।

'तुझे मरवा दूंगा', पत्नी की बेवफाई और उसके प्रेमी की धमकियां

वकील पति ने लिखीं ये बातें और दे दी जान

बरेली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली में शादी के 11 साल बाद इंस्टाग्राम पर हुए प्यार के बाद दो बच्चों को छोड़कर जाने और वकील पति की आत्महत्या के मामले में पत्नी कोमल पर कानूनी शिकंजा कसा गया है। इस मामले में कोमल, उसके प्रेमी शामली निवासी अमर समेत चार लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

कैंट थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि कमल के पिता चनेहटी गांव निवासी राजेंद्र कुमार की ओर से को दी गई तहरीर के अनुसार उनकी पुत्रवधू कोमल छह महीने से शामली निवासी अमर कुमार के संपर्क में थी।

बेटों को छोड़कर प्रेमी अमर के साथ चली गई थी पत्नी

इंस्टाग्राम पर संपर्क के बाद से दोनों की मुलाकात हुई और तीन महीने पहले बहू अपने दोनों बेटों को छोड़कर प्रेमी अमर के साथ चली गई थी। तीन दिन पहले बहू ने कमल को कॉल की थी। उसने कमल को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी थी। इसके अलावा अमर, कोमल की मौसी सीमा व सीमा की बेटी श्वेता भी मानसिक रूप से कमल का उत्पीड़न कर रही थी। अमर ने कमल को धमकी दी थी तुझे मरवा दूंगा। इसके बाद से कमल परेशान था और उसने सुसाइड नोट लिखकर सल्फास खाकर आत्महत्या कर ली। थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि मामले में तहरीर के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। विवेचना के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई जारी रहेगी।

यह था मामला

शादी के 11 साल बाद वकील की पत्नी दो बच्चों को छोड़ प्रेमी के साथ शामली चली गई। तनाव में आए वकील ने जहर खाकर जान दे दी। मरने से पहले वकील ने सुसाइड नोट में पत्नी, उसके प्रेमी, प्रेमी के परिजनों व पत्नी के रिश्तेदारों पर आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप लगाए हैं। वकील की मौत पर बरेली बार एसोसिएशन ने शोकसभा की और वकील न्यायिक कार्य से विरत रहे। कैंट के चनेहटी निवासी कमल कुमार सागर बरेली कचहरी में एक वरिष्ठ अधिवक्ता के यहां प्रैक्टिस करते थे। रविवार को उन्होंने सल्फास की गोलियां खा लीं। परिजनों ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सोमवार सुबह अधिवक्ता ने दम तोड़ दिया। वकील कमल ने जहर खाने से पहले एक सुसाइड नोट तैयार किया था, जिसे परिजनों ने पुलिस को सौंप दिया।

'मेरी पत्नी दो मासूम बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ चली गई'

इसमें उन्होंने लिखा है कि मेरी पत्नी दो मासूम बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ चली गई है। वह तीन महीने से उसी के साथ रह रही है। मैं ये सहन नहीं कर पा रहा हूं। इसलिए जान दे रहा हूं।

मुस्लिम वोट बैंक साधेंगी मायावती

प्रदेश भर में मुस्लिम समाज भाईचारा कमेटी की बैठक करेगी बसपा

लखनऊ, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बसपा ने मुस्लिम वोट बैंक की गोलबंदी के लिए पूरे प्रदेश में मुस्लिम समाज भाईचारा कमेटी की बैठकों का आयोजन करने का ऐलान किया है। लखनऊ के मॉल एवेन्यू स्थित बसपा कार्यालय पर पार्टी की मुस्लिम समाज भाईचारा संगठन की मंडल स्तरीय बैठक में बसपा सुप्रीमो मायावती ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और उन्हें आगे की कार्ययोजना को लेकर निर्देश दिए। वहीं, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मायावती ने हर मतदाता का नाम वोटर लिस्ट में शामिल कराने के निर्देश दिए। बैठक में बसपा सुप्रीमो मायावती सहित बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे। मायावती के पहुंचने पर बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद ने पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया।

एक नवंबर को बामसेफ की बैठक बुलाई गई

मायावती ने आगामी एक नवंबर को बामसेफ की बैठक भी बुलाई है। इसमें पिछड़े वर्ग के लोग भी शामिल हो सकते हैं। बसपा ने मिशन 2027 के तहत संगठन को मजबूत करने के लिए बामसेफ कैडर को फिर से जिंदा करने की कवायद तेज कर दी है। इससे पहले वर्ष 2024 में भी ऐसी कवायद हो चुकी है, हालांकि उस दौरान खास सफलता नहीं मिली थी। अब बामसेफ को पुनर्गठित कर बसपा को मजबूत किया जाएगा। बामसेफ में अधिकतर लोग सरकारी सेवाओं से जुड़े हैं, जो पार्टी के विचारों को आगे बढ़ाने के साथ आर्थिक सहयोग भी करते हैं।

कृषि नीति में होगा बड़ा बदलाव-अब प्रदेश में खुलेंगी निजी किसान मंडियां

लखनऊ, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश में किसानों को उनकी उपज का ज्यादा मूल्य दिलाने की नई रणनीति बनाई गई है। इसके तहत निजी क्षेत्र की मंडियों की स्थापना के लिए नियमों का सरलीकरण किया जाएगा। जमीन का क्षेत्रफल घटाने के साथ ही प्रतिभूति रकम, परियोजना लागत भी कम करने की तैयारी है। आधारभूत सुविधाओं के विस्तार में सरकार कई तरह की सहूलियतें दे सकती है।

दरअसल, बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए राज्य सरकार निजी क्षेत्र में मंडियों की स्थापना पर जोर दे रही है। इसके लिए 2019 में उप्र. कृषि उत्पादन मंडी (21वां) संशोधन नियमावली भी बनाई गई है। इसके तहत 17 प्रमुख नगरों में लाइसेंस शुल्क दो लाख रुपये व अन्य स्थानों पर शुल्क एक लाख रुपये रखा गया। लेकिन निजी निवेशकर्ता आगे नहीं आए।

तेजस्वी यादव की घोषणा करते अति पिछड़ा वर्ग के कई नेता पार्टी में हुए शामिल

सरकार बनाने का किया दावा

पटना, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नाई, बढ़ई, कुम्हार और लोहार जातियों के वोट को अपने पाले में करने के लिए एक चुनावी घोषणा की थी। उस घोषणा में उन्होंने कहा था कि नाई, बढ़ई, कुम्हार और लोहार समेत मेहनती वर्गों के उत्थान के लिए उन्हें पांच लाख रुपये एकमुश्त की आर्थिक सहायता दी जाएगी, ताकि इससे वह अपना स्वरोजगार शुरू कर सकें। इसके अलावे उन्होंने और भी बातें कही थी, घोषणा के चार दिन बीतने के बाद आज उसका असर दिखा।

आज अति पिछड़ा वर्ग के विश्वकर्मा समाज के कई नेता राजद में शामिल हुए। उन लोगों को राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने सदस्यता दिलाई है। राजद में शामिल होने वालों में अति पिछड़ा वर्ग के विश्वकर्मा समाज के प्रदेश अध्यक्ष हेम नारायण विश्वकर्मा, बिहार प्रजापति समन्वय समिति के प्रदेश सचिव देवेश चंद्र प्रजापति, लोहार कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा, बिहार माली मालाकार जागृति परिषद के प्रदेश अध्यक्ष ललन भगत, सारण के संतोष कुमार उर्फ रिंकू शर्मा, रतन शर्मा ,वेद प्रकाश शर्मा, सीतामढ़ी के अरविंद कुमार ठाकुर, लाल किशोर शर्मा, जवाहर शर्मा ,मुन्ना कुमार, बक्सर के अशोक शर्मा, मुजफ्फरपुर के सत्येंद्र शर्मा, दिनेश कुमार शर्मा, राधे श्याम ठाकुर,पूर्व जिला पार्षद सुजीत कुमार,भोला ठाकुर ने अपने सैकड़ो समर्थ को के साथ राष्ट्रीय जनता दल की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने कहा कि सामाजिक न्याय की धारा की मजबूती के लिए सभी वर्ग सामने आईये और राजद की सरकार बनाने में मदद कीजिये।

पार्टी में शामिल होने वाले अति पिछड़ा समाज के नेताओं ने एकजुट होकर कहा कि बिहार की जनता का मिजाज तेजस्वी जी के विजन और मिशन के साथ है। हम सभी तेजस्वी यादव को बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं, इसलिए राष्ट्रीय जनता दल, लालू जी के विचारों और तेजस्वी जी के कार्यों के साथ जुड़ रहे हैं। इस मौके पर मौजूद राजद के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने जानकारी दी कि मंगनी लाल मंडल ने सभी नए सदस्यों को सदस्यता रसीद देकर विधिवत पार्टी में शामिल कराया। उनका स्वागत पार्टी का प्रतीक चिन्ह गमछा और लालू प्रसाद यादव के कार्यों पर लिखी पुस्तक 'गोपालगंज टू रायसीना'** भेंट किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव बिनु यादव, राष्ट्रीय सचिव संजय ठाकुर, प्रदेश सचिव मनीषा प्रजापति सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेतागण भी उपस्थित थे।

'अमित शाह के चेलों चमचों गडबड करोगे तो भुगतोगे'

तेजस्वी यादव ने खुले मंच से चुनाव में लगे अफसरों को धमकाया

पटना, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। तेजस्वी यादव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में चुनाव कार्य में लगे अफसरों को धमकाते नजर आ रहे हैं। खुले मंच से तेजस्वी वोट चोरी करने वाले अफसरों, उनका नाम अमित शाह के साथ जोड़ कर धमकी दे रहे हैं। वीडियो हाल का ही है।

तेजस्वी ने अफसरों को धमकाया

इस वीडियो में मैरून रंग की आरजेडी की लोगो लगी टीशर्ट में तेजस्वी नजर आ रहे हैं। वो खुले मंच पर भीड़ के बीच हैं।

उनका संबोधन शुरू होता है। तेजस्वी यादव माइक लेकर स्टेज पर आते हैं और वहीं पर घूम-घूम कर कहते हैं कि 'जो अधिकारी अमित शाह से मिल कर के गड़बड़ करेगा, सरकार आने के बाद इतनी कड़ी सजा मिलेगी, कि कभी सोच नहीं सकते कि क्या सजा मिलेगी उनको। उसमें अगर कोई बेईमान, कोई भ्रष्ट अधिकारी चुनाव में बेईमानी करेगा तो उसे सजा मिलनी चाहिए या नहीं। जो लोकतंत्र पर कलंक बनेगा, उसे सजा मिलनी चाहिए या नहीं।' आगे तेजस्वी यादव कहते हैं कि 'जो वोट चोरी कराएगा उसे सजा मिलनी चाहिए या नहीं। इस बार जनता तैयार है न सजा देने के लिए! छोड़ा नहीं जाएगा। अभी भी मेरी सलाह है भ्रष्ट अधिकारियों, अमित शाह के चेलों-चमचों, बेईमानी की 'ब' भी दिमाग में मत लाना... मत लाना।' जो अधिकारी अमित शाह से मिल कर के गड़बड़ करेगा, सरकार आने के बाद इतनी कड़ी सजा मिलेगी, कि कभी सोच नहीं सकते कि क्या सजा मिलेगी उनको।

मेरी उम्र कच्ची लेकिन जुबान पक्की

इसके अलावा सारण में तेजस्वी यादव ने एक चुनावी सभा में कहा कि 'मेरी उम्र कच्ची है, लेकिन जुबान पक्की है। मैं जो कहता हूं वो पूरा करता हूं, इस बात की गवाह बिहार की जनता है।' तेजस्वी यादव ने कहा कि मैंने 17 महीने में युवाओं को नौकरी देना का काम किया है। महागठबंधन की सरकार बनने के बाद भी नौकरी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि दो चरण में वोटिंग होगी। 14 तारीख को परिणाम आएगा। महागठबंधन की सरकार बनते ही 20 दिनों में एक कानून बनाया जाएगा कि बिना सरकारी नौकरी वाले परिवारों को मैं नौकरी दिलाने का काम करूंगा।

आज नीतीश पैसे दे रहे, कल छीन लेंगे-तेजस्वी यादव

तेजस्वी यादव ने कहा कि मैं जो कहता हूं, करता हूं और लोग मेरे वादों पर भरोसा कर सकते हैं। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं के खाते में गए 10 हजार रुपए की सहायता राशि को तेजस्वी यादव ने रिश्वत बताते हुए कहा कि अभी दे रहे हैं, कल छीन भी लेंगे।

किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी, 30 रुपये प्रति कुंतल बढ़ा गन्ने का मूल्य

लखनऊ, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने गन्ना किसानों को बड़ी सौगात दी है। सरकार ने गन्ने के मूल्य में बढ़ोत्तरी की घोषणा की है। गन्ने के मूल्य में प्रति कुंतल 30 रुपये की बढ़ोत्तरी की गई है। नई घोषणा के अनुसार, अगेती प्रजाति के गन्ने का मूल्य 400 रुपये प्रति कुंतल तथा सामान्य प्रजाति के गन्ने का मूल्य 390 रुपये प्रति कुंतल किया गया है। प्रदेश सरकार के इस फैसले को गन्ना किसानों के लिए बड़ी राहत के तौर पर देखा जा रहा है। यह घोषणा पेराई सत्र 2025-26 के लिए की गई है। गन्ना मूल्य वृद्धि से किसानों को 3000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भुगतान किया जाएगा। योगी सरकार ने दावा किया है कि 2017 से अब तक चार बार गन्ने का समर्थन मूल्य बढ़ाया गया है।

राम मंदिर के लिए भक्तों ने दान किए 3000 हजार करोड़ रुपये

> ध्वजारोहण समारोह में किए जाएंगे आमंत्रित

अयोध्या, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया है कि रामभक्तों ने अब तक तीन हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की धनराशि रामलला को समर्पित की है। राम मंदिर निर्माण के लिए देश भर के श्रद्धालुओं ने दिल खोलकर दान दिया है। 2022 के बाद भी कई भक्तों ने बड़ी धनराशि देकर रामलला के मंदिर निर्माण में सहयोग किया है। अब भवन निर्माण समिति ने फैसला किया है कि ऐसे सभी दानदाताओं को भी ध्वजारोहण कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाएगा। नृपेन्द्र मिश्र के मुताबिक समरसता की दृष्टि से ध्वजारोहण समारोह में छह हजार से अधिक लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है लेकिन अब इसमें उन लोगों को भी शामिल किया जाएगा जिन्होंने 2022 के बाद योगदान दिया है। राम मंदिर निर्माण में योगदान देने वाली कंपनियों, सप्लायर्स और कार्यकर्ताओं का भी सम्मान किया जाएगा। 25 नवंबर के बाद राम मंदिर परिसर में एक वृहद आयोजन किया जाएगा, जिसमें इन सभी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

मंदिर निर्माण का कुल खर्च 1800 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान

भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष ने खुलासा किया कि अब तक लगभग 1500 करोड़ रुपये की बिलिंग हो चुकी है। राम मंदिर निर्माण का कुल खर्च 1800 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है।

एनसीआर में ड्रग्स तस्करी के बड़े रैकेट का पर्दाफाश

पुलिस ने एक तस्कर को किया गिरफ्तार, दूसरा फरार, 3 किलो चरस बरामद

नोएडा, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। नोएडा-एनसीआर क्षेत्र में एजुकेशन इंस्टीट्यूट के युवाओं को नशे के लिए मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक शातिर ड्रग्स तस्कर को पुलिस ने जाल बिछाकर गिरफ्तार किया है। उसका साथी फरार होने में सफल हो गया। पुलिस ने आरोपी के पास से करीब तीन किलोग्राम ड्रग्स यानी चरस बरामद की है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय मार्किट में अनुमानित कीमत डेढ़ करोड़ रुपये बताई जा रही है। शुभम कुमार (28) को पुलिस ने सोमवार को सेक्टर-59, मेट्रो स्टेशन से गिरफ्तार किया है। आरोपी मेरठ का रहने वाला है, बीसीए पास है, और शेयर बाजार में काम करता था। लेकिन घाटा होने के बाद वह मादक पदार्थों की सप्लाई करने वाले गैंग से जुड़ गया। एडीसीपी नोएडा सुमित कुमार शुक्ला ने बताया कि आरोपी अपने साथी के साथ मिलकर मादक पदार्थों की सप्लाई के नेटवर्क में सक्रिय था। इलेक्ट्रानिक्स सर्विलांस व मुखबिर की सूचना के आधार पर जाल बिछाया गया और तस्कर को दबोच लिया गया। आरोपी के पास बरामद चरस उच्च गुणवत्ता की है। जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत डेढ़ करोड़ रुपये के आसपास बताई जा रही है। जिसे दोनों आरोपी पहाड़ी इलाकों से बड़ी मात्रा में लाकर सस्ते दामों में लाकर दिल्ली, एनसीआर व आसपास के क्षेत्रों में महंगे दामों में स्कूल, कॉलेज, पब और रेस्टोरेन्ट के आसपास सप्लाई कर मोटा मुनाफा कमाते थे।

पूछताछ के दौरान आरोपी शुभम कुमार ने बताया कि वह अपने साथी वैभव के साथ मिलकर पहाड़ी क्षेत्रों से बड़ी मात्रा में सस्ते दामों पर चरस (हैश) लाता है और उसे दिल्ली-एनसीआर एवं आस-पास के क्षेत्रों में महंगे दामों में बेच कर मोटा मुनाफा कमाता है। प्राप्त धनराशि को आरोपी शेयर मार्केट में निवेश कर शीघ्र अमीर बनने की लालच में इस प्रकार के अपराध को अंजाम देता था। आरोपी शुमभ कुमार ने बताया कि वह वैभव के कहने पर पहली बार ड्रग्स (चरस) की सप्लाई करने नोएडा आया था। आरोपी के अन्य साथी वैभव के संबंध में विस्तृत जानकारी एकत्र करते उसके विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

लव मैरिज और कत्ल : भाई की साली से की शादी

एक साल में ही भर गया मन; पत्नी को मारकर बेड की नीचे छिपाई लाश

बरेली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली के नवाबगंज में प्रेम विवाह के एक साल बाद ही पति ने मंगलवार को गला रेतकर पत्नी की हत्या कर दी। घर के बाहर ताला लगाकर घटना को लूट दिखाने की कोशिश की। सूचना पर पहुंची पुलिस को कमरे में बेड के नीचे शव और पास ही रक्तरंजित हंसिया पड़ा मिला।

रात में मायके वालों की तहरीर व घटनास्थल की जांच के बाद पुलिस ने पति व देवर समेत पांच लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की है। पति व देवर हिरासत में हैं। हाफिजगंज क्षेत्र के कमुआ गांव निवासी अनिल ने पिछले साल नवंबर में अनीता (21) से प्रेम विवाह किया था। इसके बाद वह पीलीभीत हाईवे पर हरदुआ गांव के सामने ओम सिटी में परिवार के साथ रहने लगा। घटना के बाद मौके पर पहुंचे एसपी उत्तरी मुकेश चंद्र मिश्रा ने अनिल से पूछताछ की। उसने बताया कि घर में पत्नी अनीता व उसका (अनिल का) छोटा भाई सचिन साथ रहते थे। वह ट्रैक्टर से मिट्टी ढुलाई, जबकि सचिन मेडिकल स्टोर पर नौकरी करता है। मंगलवार सुबह दोनों भाई काम पर निकल गए थे। इस बीच किसी ने घर में घुसकर अनीता की गला रेतकर हत्या कर दी। शाम को दोनों लौटे तो घर में ताला लगा देखा। अनीता का मोबाइल नंबर बंद था। अनीता का पता नहीं चला तो ताला तोड़कर अंदर घुसे, बेड के पास जमीन पर पत्नी का शव पड़ा देखा। एसपी उत्तरी की पूछताछ के दौरान ही अनीता के भाई चंद्रपाल ने बहनोई अनिल, बहन के देवर सचिन व सास-ससुर समेत पांच लोगों पर दहेज हत्या का आरोप लगाकर तहरीर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर पति व देवर को हिरासत में ले लिया। एसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पति मुख्य आरोपी प्रतीत हो रहा है। घटना किस वजह से की गई इसकी जानकारी के लिए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। हकीकत जल्द ही सामने आएगी। अनीता की हत्या के मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार अनीता रिश्ते में अनिल के फुफेरे भाई की साली थी। पिछली साल नवंबर में परिवारों की सहमति से उनकी शादी कर दी गई। जांच में कई ऐसे तथ्य मिले, जिससे लगा कि प्रेम विवाह का एक साल पूरा होने से पहले ही अनिल पत्नी अनीता से उकता गया था।

'धनखड़ 100 दिन से पूरी तरह खामोश'

पूर्व उपराष्ट्रपति को लेकर कांग्रेस ने उठाए सवाल-अब तक विदाई समारोह नहीं

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बुधवार को कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपने इस्तीफे के बाद 100 दिनों से पूरी तरह मौन साध रखा है। रमेश ने यह भी कहा कि उन्हें कम से कम उनके सभी पूर्ववर्तियों की तरह एक विदाई समारोह का अधिकार है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने क्या कहा?

पार्टी के महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि भारतीय राजनीतिक इतिहास में एक अभूतपूर्व घटना को ठीक 100 दिन हो गए हैं। 21 जुलाई की देर रात अचानक और चौंकाने वाली बात यह हुई कि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दिया। यह स्पष्ट था कि उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया था, भले ही वह दिन-रात प्रधानमंत्री की प्रशंसा करते रहे हों। जो पूर्व उपराष्ट्रपति रोजाना सुर्खियों में रहते थे, सौ दिनों से पूरी तरह खामोश हैं- न कहीं देखे गए और न सुने गए।

विपक्ष को अनुचित तरीके से फटकारते थे धनखड़

रमेश ने कहा, राज्यसभा के सभापति के रूप में पूर्व उपराष्ट्रपति विपक्ष के अच्छे मित्र नहीं थे। वह लगातार और अनुचित तरीके से विपक्ष को फटकारते रहते थे। फिर भी लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन करते हुए विपक्ष कह रहा है कि वह कम से कम एक विदाई समारोह के हकदार हैं, जैसा कि उनके सभी पूर्ववर्तियों को मिला था। यह अब तक नहीं हुआ। धनखड़ के इस्तीफे के बाद कांग्रेस ने कहा था कि उनके इस्तीफे की वजह स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से कहीं गहरी है। कांग्रेस ने कहा था कि उनका इस्तीफा उनकी महानता को दिखाता है। यह उन्हें इस पद पर चुनने वालों के लिए खराब संदेश है। विपक्षी पार्टी ने सरकार से उपराष्ट्रपति के इस्तीफे के कारण को स्पष्ट करने को भी कहा था।

क्या हुआ था पूरा घटनाक्रम

21 जुलाई को धनखड़ ने अचानक उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया था और स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया था। उन्होंने अपना इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को भेजा और कहा कि वह तत्काल प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं। धनखड़ (74 वर्षीय) ने अगस्त 2022 में पद संभाला था और उनका कार्यकाल 2027 तक था।

वह राज्यसभा के सभापति भी थे और उनका इस्तीफा मानसून सत्र के पहले दिन आया। राज्यसभा के सभापति के रूप में धनखड़ का कई बार विपक्ष के साथ टकराव देखने को मिला, जो उनके खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव भी लाया। स्वतंत्र में उपराष्ट्रपति को पद से हटाने के लिए यह प्रस्ताव लाया गया था। बाद में राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने इसे खारिज कर दिया।

'पत्नी को नौकरी छोड़ने के लिए मजबूर करना क्रूरता'

कोच्चि, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने कहा कि पति का पत्नी को नौकरी छोड़ने के लिए कहना क्रूरता है। इस टिप्पणी के साथ अदालत ने महिला को तलाक की अनुमति दे दी। महिला का पति उस पर शक करता था और उसकी आवाजाही पर नजर रखता था। वह उसे नौकरी से इस्तीफा देने के लिए मजबूर करता था। जस्टिस देवन रामचंद्रन और जस्टिस एमबी स्नेहलता की खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा, जीवनसाथी पर शक करना रिश्ते की नींव को खोखला करता है। जहां पति या पत्नी एक दूसरे के आने जाने पर शक के आधार पर निगरानी रखें वहां विश्वास, सम्मान और भावनात्मक सुरक्षा की नींव टिक नहीं पाती। पीठ ने कहा, इस मामले में पति का आचरण तलाक अधिनियम, 1869 की धारा 10(1)(एक्स) के तहत गंभीर मानसिक क्रूरता के सामान है। यह पति या पत्नी को तलाक की अनुमति देने के लिए काफी है।

'59 दिनों में बिहार नहीं आए'

भाजपा ने राहुल गांधी का 'गुमशुदा' वाला पोस्टर जारी कर साधा निशाना

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी बिहार को नजरअंदाज कर रहे हैं और महागठबंधन में कांग्रेस को हाशिए पर ला दिया है।

मालवीय ने राहुल गांधी की फोटो वाला एक एनिमेटेड 'गुमशुदा' (मिसिंग) पोस्टर भी साझा किया, जिस पर लिखा था- 'गुमशुदाः 59 दिन पहले बिहार में देखा गया था'। मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, करीब दो महीने हो गए राहुल गांधी को बिहार आए हुए। कोलंबिया में छुट्टियां मनाने और वीडियो ब्लॉग बनाने के बीच उन्हें न तो बिहार की परवाह करने का वक्त मिला, न ही (विपक्षी) गठबंधन संभालने का।

परिणाम साफ है- महागठबंधन में अब कांग्रेस हाशिए पर है। उन्होंने आगे कहा, बिहार की जनता जानती है कि कांग्रेस-राजद को वोट देना मतलब उन लोगों को वोट देना है, जो बिहार के लिए काम नहीं करते, बल्कि मौका मिलते ही लूटते हैं। याद रखिए, लालू परिवार ने हमेशा अपना घर भरा, जबकि बिहार गरीब और उपेक्षित रहा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आज अपनी पहली चुनावी रैली संबोधित करेंगे। वह राजद नेता और महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव के साथ मुजफ्फरपुर और दरभंगा में संयुक्त रैली करेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व वाले महागठबंधन और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के बीच होगा।

महागठबंधन में कांग्रेस, भाकपा-माले, भाकपा, माकपा और मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) शामिल हैं। वहीं, राजग में भाजपा, जनता दल (यू), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं। इसके अलावा, प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने राज्य की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा किया है। विधानसभा चुनाव दो चरणों में छह और 11 नवंबर को होंगे और नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

फांसी से दम घुटने के कारण हुई महिला डॉक्टर की मौत

आरोपी पीएसआई का मोबाइल अब तक बरामद नहीं

मुंबई, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सतारा जिले में महिला डॉक्टर आत्महत्या मामले में पुलिस को अब तक आरोपी पुलिस उपनिरीक्षक (पीएसआई) गोपाल बडाने का मोबाइल फोन नहीं मिला है। यह फोन केस में अहम सबूत साबित हो सकता है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने अपना मोबाइल कहीं छिपा दिया है, जिसकी तलाश जारी है।

जानकारी के मुताबिक, 28 वर्षीय महिला डॉक्टर, जो बीड़ जिले की रहने वाली थीं और सतारा जिले के एक सरकारी अस्पताल में तैनात थीं, 23 अक्टूबर की रात फलटण के एक होटल में फांसी के फंदे से लटकी मिलीं। उनकी हथेली पर लिखे सुसाइड नोट में डॉक्टर ने पीएसआई गोपाल बडाने पर कई बार दुष्कर्म करने का और सॉफ्टवेयर इंजीनियर प्रशांत बानकर पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

दोनों आरोपियों के खिलाफ फलटण थाने में दुष्कर्म और आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया था। आरोपी बानकर की पुलिस हिरासत मंगलवार को खत्म होने के बाद अदालत में पेशी हुई, जहां न्यायालय ने उसकी पुलिस रिमांड दो दिन के लिए बढ़ा दी। इस बीच, महिला डॉक्टर की पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें मौत का कारण 'फांसी से दम घुटना' बताया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम सरकारी अस्पताल में किया गया था और डॉक्टर के आंतरिक अंगों (विसरा) को आगे की केमिकल जांच के लिए फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी भेजा गया है। महाराष्ट्र के सतारा जिले में दुष्कर्म और उत्पीड़न से परेशान होकर आत्महत्या करने वाली महिला डॉक्टर की पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट में मौत का कारण 'फांसी से दम घुटना बताया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि डॉक्टर का पोस्टमार्टम सरकारी अस्पताल में किया गया, जहां उनके आंतरिक अंग (विसरा) को संरक्षित कर लिया गया है। इन्हें आगे केमिकल जांच के लिए फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि मंगलवार को प्राप्त पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण फांसी से दम घुटना बताया गया है।

मंगल जैसी कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रही बेकरी यीस्ट

भारतीय वैज्ञानिकों की बड़ी खोज

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बंगलूरु और फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी (पीआरएल) अहमदाबाद के वैज्ञानिकों ने एक अनोखा प्रयोग कर यह साबित कर दिया है कि पृथ्वी की साधारण बेकरी यीस्ट मंगल ग्रह जैसी अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों झटकेदार तरंगों और विषैले लवणों को भी झेल सकती है। यह खोज न केवल मंगल पर जीवन की संभावना को नए सिरे से परिभाषित करती है, बल्कि भारत को अंतरिक्ष जैव-विज्ञान (एस्ट्रोबायोलॉजी) अनुसंधान में वैश्विक मानचित्र पर एक नई पहचान देती है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि आम आदमी जिस यीस्ट (खमीर) का उपयोग ब्रेड, बीयर या जलेबी बनाने में करते हैं, वही सैकरोमाइसीज सेरेविसिया वैज्ञानिकों के लिए अंतरिक्ष में जीवन की संभावना समझने का आश्चर्यजनक रूप से एक मॉडल जीव बन गया। पीआरएल में बनाए गए हाई-इंटेंसिटी शॉक ट्यूब (एचआईएसटीए) यंत्र के माध्यम से वैज्ञानिकों ने ध्वनि की गति से लगभग 5.6 गुना तेज झटकेदार तरंगें उत्पन्न कीं। यीस्ट की कोशिकाओं को पहले

100 मिलीमोलर सोडियम परक्लोरेट में डुबोया गया और फिर उन पर इन शॉक तरंगों का प्रभाव डाला गया। कुछ नमूनों को केवल झटके दिए गए, कुछ को केवल लवणों में रखा गया, जबकि कुछ को दोनों परिस्थितियों में एक साथ रखा गया ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे किस हद तक जीवित रह पाती हैं। इतनी कठोर परिस्थितियों के बावजूद यीस्ट की कोशिकाएं जीवित रहीं, हालांकि उनकी वृद्धि दर धीमी हो गई।

शोध में पाया गया कि तनाव की स्थिति में यीस्ट अपनी कोशिकाओं के भीतर राइबो न्यूक्लियोप्रोटीन कंडेन्सेट्स बनाती है। सूक्ष्म संरचनाएं जो कोशिका के अंदर मौजूद आरएनए और प्रोटीन को पुनर्गठित करके उन्हें क्षति से बचाती हैं। जब वैज्ञानिकों ने ऐसे उत्परिवर्ती यीस्ट का परीक्षण किया जो ये संरचनाएं नहीं बना सकते थे, वे तुरंत नष्ट हो गए। इससे सिद्ध हुआ कि यही संरचनाएं यीस्ट के जीवित रहने की कुंजी हैं।

भारत की नई पहचान भविष्य के लिए उपयोगी

यह उपलब्धि भारत के लिए गर्व का विषय है, क्योंकि यह प्रयोग न केवल तकनीकी रूप से जटिल था बल्कि अंतरिक्ष जीवन विज्ञान में भारत के बढ़ते योगदान का भी प्रतीक है। यह अध्ययन यह समझने में मदद करेगा कि सूक्ष्मजीव अत्यधिक भौतिक और रासायनिक तनावों का सामना कैसे करते हैं और भविष्य में अंतरिक्ष में भोजन उत्पादन या जैविक पुनर्चक्रण तंत्र विकसित करने में कैसे सहायक हो सकते हैं।

यह खोज इस बात का प्रमाण है कि जीवन की अनुकूलन क्षमता हमारी कल्पना से कहीं अधिक गहरी है। यदि पृथ्वी की एक सामान्य यीस्ट मंगल जैसी चरम परिस्थितियों में जीवित रह सकती है, तो यह संकेत है कि ब्रह्मांड के किसी कोने में जीवन के बीज शायद पहले से मौजूद हों, बस हमें उन्हें पहचानना सीखना है।

एक लाख हिंदू सम्मेलन करेगा संघ, घर-घर होगा संपर्क

> जबलपुर में शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों को अंतिम रूप

जबलपुर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। शताब्दी वर्ष के दौरान संघ खुद के तय किए गए एक लाख मंडलों-बस्तियों में हिंदू सम्मेलनों का आयोजन करेगा। जबलपुर में बृहस्पतिवार से शुरू हो रही अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में शताब्दी वर्ष में तय किए गए अन्य सभी कार्यक्रमों की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा। बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत समेत सभी वरिष्ठ पदाधिकारी, 46 प्रांत के सभी वरिष्ठ अधिकारी समेत 407 कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे।

अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि इस बैठक में घर-घर संपर्क, हिंदू सम्मेलन, नागरिक गोष्ठी, सद्भावना बैठक, पंच परिवर्तन की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा। बैठक में इनकी तिथियों समेत अन्य पहलुओं पर विमर्श के बाद इन्हें हरी झंडी दे दी जाएगी।

इन सभी कार्यक्रमों में संघ के बारे में लोगों को विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

संघ प्रमुख और पदाधिकारियों के प्रवास कार्यक्रम होंगे तय

बैठक में संघ प्रमुख समेत संघ के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों के देशव्यापी प्रवास कार्यक्रम भी तय होंगे। प्रवास के दौरान सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी शिरकत करेंगे। संघ प्रमुख दिल्ली की तर्ज पर 8 और 9 नवंबर को बंगलूरु, 21 दिसंबर को कोलकाता और 7 व 8 फरवरी को मुंबई में व्याख्यानमाला को संबोधित करेंगे।

सभी संगठनों से जुड़ने की पहल समाज में परिवर्तन लाने या बेहतर कार्य करने वाली संस्थाओं, व्यक्तियों से भी संघ निजी स्तर पर संपर्क करेगा। इनके कार्यों में संघ कैसे सहायता कर सकता है, इस पर विचार किया जाएगा। आंबेकर ने कहा कि हमारा उद्देश्य पंच परिवर्तन के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है। ऐसे में हम विभिन्न क्षेत्रों में व्यक्तिगत या संस्था के स्तर पर किए जा रहे कार्यों को अपना सहयोग देंगे।

गुरु तेगबहादुर-मुंडा पर जारी होंगे वक्तव्य

आंबेकर ने बताया कि बैठक में सिख गुरु तेगबहादुर और बिरसा मुंडा के संदर्भ में विशेष वक्तव्य जारी होंगे।

संघ की योजना गुरु तेगबहादुर के 350वें बलिदान दिवस और बिरसा की 150 जयंती पर सालभर देशभर में कार्यक्रम करने की है। आगामी 15 नवंबर को बिरसा जयंती और 24 नवंबर को गुरु तेगबहादुर के बलिदान दिवस से कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। इसके अलावा देश से जुड़े सभी मुद्दों पर भी अलग-अलग चर्चा होगी।

सुबह पत्नी, शाम को पति ने त्यागे प्राण

सुलह/लंबागांव, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के विधानसभा क्षेत्र सुलह के अंतर्गत पंचायत सलोह के कथियाड़ा गांव में एक मार्मिक घटना सामने आई है। जहां एक बुजुर्ग दंपती ने एक ही दिन में संसार को अलविदा कह दिया। घटना से पूरे परिवार और इलाके में शोक की लहर है। उधर, लंबागांव खंड की आशापुरी पंचायत के रोपड़ी गांव में सास की मौत का सदमा बहू सहन नहीं कर पाई और उसने भी प्राण त्याग दिए। स्थानीय लोगों के अनुसार ब्रह्मी देवी (78) निवासी गांव कथियाड़ा, डाकघर सलोह ने मंगलवार सुबह लगभग 4:30 बजे अंतिम सांस ली। वह पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रही थीं। उनका अंतिम संस्कार दोपहर को किया गया। अभी परिवार और ग्रामीण इस दुख से उबर भी नहीं पाए थे कि शाम लगभग 7:30 बजे ब्रह्मी देवी के पति बेलू राम (90) ने भी दम तोड़ दिया।

गवाह को धमकाने पर कोर्ट की मंजूरी बिना पुलिस दर्ज कर सकेगी केस

शीर्ष अदालत का 'सुप्रीम' फैसला

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गवाह को धमकाना एक संज्ञेय अपराध है और पुलिस अदालत से औपचारिक शिकायत का इंतजार किए बिना सीधे एफआईआर दर्ज कर सकती है और ऐसी घटना की जांच कर सकती है। ऐसे मामलों में शिकायत के लिए पहले अदालत जाने के लिए कहना एक अव्यावहारिक बाधा है।

जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि आईपीसी की धारा 195-ए के तहत अपराध एक संज्ञेय अपराध है और यह किसी व्यक्ति को उसके शरीर, प्रतिष्ठा या संपत्ति या किसी ऐसे व्यक्ति के शरीर या प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने की धमकी देकर उसे झूठी गवाही देने के लिए प्रेरित करने से संबंधित है जिससे वह व्यक्ति जुड़ा हो। 2016 में भाजपा कार्यकर्ता योगेश गौदर की हत्या से संबंधित एक मामले में, जिसमें पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता विनय कुलकर्णी भी आरोपी थे, अदालत ने सीबीआई की ओर से दायर एक अपील को स्वीकार कर लिया। साथ ही कर्नाटक हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें गवाहों को धमकाने के आरोपी के खिलाफ अपराध का संज्ञान लेने को रद्द कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आईपीसी की धारा 195-ए (गवाहों को धमकाने का अपराध) को आईपीसी की धाराओं 193, 194, 195 और 196 के तहत दर्ज अपराधों से अलग और भिन्न अपराध के रूप में परिकल्पित किया गया था।

केरल हाईकोर्ट का भी एक फैसला खारिज पीठ ने केरल हाईकोर्ट के उस फैसले को भी खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि आईपीसी की धारा 195-ए के तहत गवाह को धमकाने से संबंधित अपराध के लिए पुलिस की ओर से प्राथमिकी दर्ज नहीं की जा सकती। इस दृष्टिकोण से असहमत होते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस धारा को जानबूझकर एक अलग अपराध के रूप में परिकल्पित किया गया है, जिसकी प्रक्रिया अलग है और एक संज्ञेय अपराध होने के कारण, पुलिस को धमकी दिए गए गवाह के बयानों के आधार पर सीधे प्राथमिकी दर्ज करने का अधिकार है। अदालत ने कहा कि धमकी दिए गए गवाह को शिकायत के लिए पहले अदालत जाने के लिए कहना एक अव्यावहारिक बाधा है।

अस्पताल की सुरक्षा में सेंध : महिला नवजात बच्ची को उठा ले गई

> घटना का सीसीटीवी आया सामने, मचा हड़कंप तलाश शुरू

शिवपुरी, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। मप्र के शिवपुरी जिले के जिला अस्पताल से एक नवजात बच्ची चोरी होने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। यह वारदात मंगलवार देर रात अस्पताल के एचडीयू वार्ड (हाई डिपेंडेंसी यूनिट) में हुई, जो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना के बाद अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ तुरंत जिला अस्पताल पहुंचे और मौके पर अधिकारियों के साथ जांच की। उन्होंने बच्ची को चुराने वाली महिला की तलाश में कई टीमें गठित की हैं। उसकी पहचान बताने पर 30 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है।

आशा कार्यकर्ता का परिचित बनकर जीता भरोसा, फिर बच्ची को ले उड़ी महिला

जानकारी के अनुसार, 28 अक्टूबर को रोशनी आदिवासी ने जिला अस्पताल में बच्ची को जन्म दिया था। आरोपी महिला पिछले दो दिनों से परिजनों से बातचीत कर उनका भरोसा जीत रही थी। मंगलवार तड़के करीब 4 बजे वह बच्ची को खिलाने के बहाने ले गई और कुछ देर बाद वार्ड में लौट आई। जैसे ही परिजन नींद में गए, उसने मौका पाकर बच्ची को उठाया और अस्पताल से फरार हो गई।

नींद खुली तो मचा हड़कंप

कुछ देर बाद जब परिजनों की नींद खुली तो बच्ची गायब थी। उन्होंने तुरंत शोर मचाया, जिसके बाद अस्पताल प्रबंधन और पुलिस हरकत में आई। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर महिला की हरकत कैमरे में कैद मिली। एसपी अमन सिंह राठौड़ ने अस्पताल पहुंचकर पूरे मामले की जांच की और संबंधित महिला की तलाश तेज करने के निर्देश दिए।

पंजाब के आप विधायक पर कैथल में केस

व्यक्ति को किडनैप कर तुड़वाई टांगें, दोनों बेटों पर भी एफआईआर

कैथल, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब के पटियाला जिले में पड़ने वाले शुतराणा हलके के विधायक कुलवंत बाजीगर व उसके दोनों बेटों पर किडनैपिंग करवा कर टांगे तुड़वाने के आरोप में कैथल की गुहला चीका पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस सभी आरोपियों की लोकेशन, कॉल डिटेल व सीसीटीवी फुटेज जांचेगी, ताकि मामले की गहनता से जांच हो सके। रात को करीब नौ बजे रामथली पुलिस चौकी में किडनैपिंग सहित अन्य धाराओं में गांव चिचड़वाली निवासी गुरणचरण ने शिकायत दी। शिकायत में बताया कि उसने गांव में सरपंच का गत चुनाव लड़ा था। चुनाव को लेकर विधायक व अन्य आरोपियों उसके साथ रंजिश रख रहे थे। क्योंकि विधायक का भाई भी यहीं चुनाव लड़ता है।

यूपीएससी छात्र की हत्या में नया मोड़

लैपटॉप में मिले वीडियो और फोटो, पलट गई पूरी कहानी-पुलिस भी हैरान

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में तिमारपुर के गांधी विहार इलाके में यूपीएससी के छात्र रामकेश की हत्या के मामले में नया मोड़ आ गया है। जांच के दौरान पुलिस को छात्र के लैपटॉप से 15 से अधिक लड़कियों के फोटो और वीडियो मिले हैं।

इस सनसनीखेज खुलासे ने मामले की जांच को एक नया मोड़ दे दिया है। दिल्ली पुलिस के विशेष आयुक्त (लॉ एंड ऑर्डर) रविंद्र यादव ने बताया कि जांच के दौरान रामकेश के लैपटॉप से बड़ी संख्या में लड़कियों के आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बरामद हुए हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इन तस्वीरों और वीडियो की जांच से हत्याकांड के पीछे के कारणों का पता लगाने में मदद मिल सकती है। हालांकि, उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने इस जानकारी पर कुछ भिन्नता दिखाई है। उन्होंने कहा है कि लैपटॉप की फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) जांच की जा रही है और रिपोर्ट आने के बाद ही इन तस्वीरों और वीडियो की सत्यता और महत्व का पता चल पाएगा। डीसीपी बांठिया के अनुसार, फिलहाल इस बात की पुष्टि नहीं की जा सकती है।

मामले की जांच कर रहे एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यदि जरूरत पड़ी तो तीनों ही आरोपी अमृता चौहान, सुमित कश्यप और संदीप को दोबारा से पुलिस रिमांड पर लेकर उनसे पूछताछ की जाएगी। हालांकि आरोपियों का कहना है कि उन्होंने रामकेश का मोबाइल कमरे में ही छोड़ दिया था, पुलिस को जांच के दौरान जला हुआ मोबाइल नहीं मिला। इस बात का पता किया जा रहा है कि कहीं ऐसा तो नहीं कि आरोपियों ने मोबाइल को कहीं छिपा दिया हो या उसको नष्ट कर दिया हो।

पुलिस इसकी जांच कर रही है। मामला चूंकि बेहद हाई प्रोफाइल हो चुका है, इसलिए, जांच अधिकारी एक-एक कदम फूंक-फूंककर रख रहे हैं। केस में और फॉरेंसिक सबूत जुटाए जा रहे हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि रामकेश की लिवइन पार्टनर रही अमृता के अश्लील वीडियो और फोटो उसने एक हार्ड डिस्क में रखे हुए थे। पिछले करीब दो-तीन माह से वह इनको डिलीट करने या उसे दे देने की मांग कर रही थी। रामकेश इसके लिए आना-कानी कर रहा था।

स्वतंत्र वार्ता
गुरुवार,30 अक्टूबर- 2025

स्लीपर बस है या 'मौत का ताबूत'

मंगलवार को तडके जयपुर से 50 किलोमीटर दूर मनोहरपुर इलाके में एक और डबल डेकर स्लीपर बस में आग लग गई। वजह रही बस की छत पर नियमों के खिलाफ रखी बाइक, गैस सिलिंडर और अन्य सामान। इसी तरह मंगलवार को ही दिल्ली एयरपोर्ट के टी-3 पर भी एयर इंडिया सेट्स की एक बस में आग लगी। ऐसे में सवाल है कि बसों में आग लगने की अधिकतर घटनाएं स्लीपर एसी बसों में ही क्यों हो रही हैं। जानकारों ने बसों का फाल्टी डिजाइन,शॉर्ट सर्किट होना, यात्री बसों में माल ढोना, छतों पर भी ऊंचाई तक लगेज भरना, नियमों को ताक पर रखना, क्षमता से अधिक बैठने और सोने के लिए सीटें बनवाना, ड्राइवरों की आधी-अधूरी ट्रेनिंग और लोकल बॉडी बिल्डरों द्वारा बसों में कम गुणवत्ता का माल लगाकर बस को बनाना आदि बताया है। अधिकतर मामलों में बस में आग लगते ही ड्राइवर और कंडक्टर का भागना भी एक कारण है, जिन्होंने यात्रियों को बचाने के लिए कोई कोशिश नहीं की। सरकारी नियमों के अमल में कितनी लापरवाही होती है, इसकी जांच पडताल करने की जहमत अधिकारी नहीं उठाते हैं। बसों में आग लगने के कई अहम कारण हैं। बस में अधिक लोड भरने से उसका टेंपरेचर बढ़ने से शॉर्ट सर्किट हो जाना, लोकल बस बॉडी बिल्डरों द्वारा बसों में सब-स्टैंडर्ड माल इस्तेमाल करना, बसों और एसी की प्रापर मेंटिनेंस ना होना और क्षमता से अधिक लोगों को बसों में भरना आदि है। बसों में एक बड़ी कंपनी वोल्वो द्वारा इमरजेंसी गेट की जगह लंबा शीशा लगाया भी है। इसकी देखादेख लोकल स्तर पर बस बॉडी बनाने वाले बॉडी बिल्डरों ने भी बसों को ऐसे ही बनाना शुरू कर दिया है। जिसमें इमरजेंसी गेट बनाए ही नहीं जा रहे। जिनमें बनाए भी जा रहे हैं, उनमें भी बाद में सीट लगा दी जाती है। बसों में हादसों को लेकर सीधे तौर पर इनके डिजाइन का फाल्टी होना भी है। इसमें फाल्टी डिजाइन, बस के इंटीरियर में ज्वलनशील सिल्क, फोम और रेक्सीन का इस्तेमाल, कम पढ़े-लिखों और ट्रैफिक नियम ना जानने वालों को भी हेवी ड्राइविंग लाइसेंस दिया जाना है। बसों में यात्रियों से अधिक वजन से अधिक माल भरे जा रहे हैं। नियमों के विरुद्ध बसों की छतों पर भी माल लोडिंग किया जा रहा है। बस वाले बस को पास कराने के लिए पहले अलग से बस को डिजाइन कराते हैं। जब बस पास हो जाती है तो बस में फिर से हेर-फेर करके उसमें सिटिंग कैपेसिटी बढ़ाते हुए उसके इमरजेंसी एग्जिट गेटों तक में सीटों को लगवा देते हैं। ऐसे में जब आग लगती है तो यात्रियों के बचने के लिए कोई इमरजेंसी गेट नहीं होता। फिर गाड़ियों में जो ऑटोमेटिक सिस्टम होते हैं। इससे आग लगने पर वह सब काम करना बंद कर देते हैं। सबसे बड़ी समस्या बसों में यात्रियों और सामान की ओवरलोडिंग है। ट्रकों में माल जाता है तो उसके पूरे कागज चेक किए जाते हैं। माल देखा जाता है कि कोई ज्वलनशील पदार्थ तो नहीं। जैसलमेर वाले में पटाखे थे, कुरनूल में मोबाइल फोन और जयपुर में गैस सिलिंडर थे। जितनी भी बसें जल रही हैं, वह अधिकतर बीएस-6 हैं। जब बस पास होती है तो सर्टिफिकेट आदि सब कुछ नियमों के अनुसार है तो बस मालिक की गलती कैसे? हां, अगर कहीं नियमों के खिलाफ कार्य किया जा रहा है तो वह बस पास कैसे हो गई? बसों को ताबूत बनने से बचाने के लिए यात्री बसों में सामान ढोने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगना चाहिए। नियम तोड़ने वाले बस वालों पर तुरंत एक्शन होना चाहिए। इनके एसी की प्रापर मेंटिनेंस जरूरी है। हर छह महीने में बस की जांच होनी चाहिए। बसों में पीछे कम से कम दो इमरजेंसी गेट होने ही चाहिए। बस के गेट ऑटोमेटिक ना होकर मैनवल होने चाहिए। हर शीशे के पास इमरजेंसी में उसे तोड़ने के लिए हथौड़ा लगा होना चाहिए।

बच्चों के कुपोषण पर प्रश्न चिन्ह

संजीव ठाकुर

बच्चे किसी भी राष्ट्र की सबसे मूल्यवान संपत्ति होते हैं, क्योंकि वही आने वाले कल के नागरिक, निर्माता और राष्ट्र के सशक्त स्तंभ बनते हैं। किंतु यदि वही बच्चे कमजोर, कुपोषित और अविकसित रह जाएँ, तो सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत की कल्पना मात्र भ्रम बनकर रह जाएगी। आज भारत में बच्चों का कुपोषण और बाल विवाह जैसी सामाजिक विसंगतियाँ देश के विकास पर गहरे प्रश्नचिह्न खड़े कर रही हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार भारत में पाँच वर्ष से कम आयु के लगभग 18.7% बच्चे गंभीर रूप से "वेस्टिंग" यानी तीव्र कुपोषण के शिकार हैं, जो विश्व में सबसे अधिक दरों में से एक है। यूनिसेफ की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि भारत के लगभग हर चौथे बच्चे को गंभीर खाद्य गरीबी का सामना करना पड़ता है।

इसका अर्थ यह है कि 25% बच्चों को विविध और पोषक आहार उपलब्ध नहीं हो पाता। ऐसे बच्चे न केवल कमजोर शरीर लेकर बड़े होते हैं बल्कि मानसिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से भी पिछड़ जाते हैं। यह स्थिति भविष्य के नागरिकों की गुणवत्ता और देश की कार्यक्षमता दोनों को प्रभावित करती है। कुपोषण की जड़ें केवल भोजन की कमी में नहीं, बल्कि असमान संसाधन वितरण, गरीबी, शिक्षा की कमी और सरकारी-सामाजिक तंत्र की कमजोर समन्वय नीति में भी छिपी हैं। भारत सरकार द्वारा पोषण अभियान, मिड-डे मील, आंगनवाड़ी केंद्रों और मातृ-शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से प्रयास अवश्य किए जा रहे हैं, परंतु परिणाम अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुँच पा रहे हैं। सवाल यह उठता है कि जब अरबों रुपये स्वास्थ्य और विकास योजनाओं पर खर्च किए जा रहे हैं, तो फिर भी बच्चे क्यों कुपोषित हैं? जवाब स्पष्ट है - योजनाओं की जमीनी निगरानी और जनसहभागिता का अभाव। कुपोषण के समानांतर बाल विवाह की समस्या भी उतनी ही गंभीर है। 2006 में बाल विवाह निषेध अधिनियम लागू होने के बावजूद, यूनिसेफ के अनुसार भारत में आज भी लगभग 23% महिलाएँ 18 वर्ष की आयु से पहले विवाह के बंधन में बंध जाती हैं। दक्षिण के शिक्षित राज्य कर्नाटक और तमिलनाडु भी इस सूची में शीर्ष पर हैं। यह विडंबना दर्शाती है कि केवल शिक्षा ही उपलब्धता ही पर्याप्त नहीं, बल्कि समाज में मानसिक-सांस्कृतिक जागरूकता आवश्यक है। बाल विवाह न केवल एक लड़की की शिक्षा और आत्मनिर्भरता छीन लेता है, बल्कि उसके शारीरिक और मानसिक विकास को भी बाधित करता है।

गर्भधारण के दौरान कुपोषण और स्वास्थ्य-जोखिम बढ़ जाता है, जो अगली पीढ़ी तक दुर्बलता को पहुँचाता है। सामाजिक संगठनों और गैर-सरकारी संस्थाओं (एनजीओ) की भूमिका इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। "अक्षय पात्र फाउंडेशन" जैसे संगठनों ने स्कूल मध्याह्न भोजन योजना के माध्यम से लाखों बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया है। "सेव द चिल्ड्रन", "स्माइल फाउंडेशन" और "चाइल्डलाइन" जैसी संस्थाएँ पोषण, शिक्षा और बाल-सुरक्षा के क्षेत्र में जागरूकता अभियान चला रही हैं। किंतु केवल कुछ संगठनों के प्रयास पर्याप्त नहीं - आवश्यकता है एक व्यापक सामाजिक आंदोलन की, जहाँ हर नागरिक अपनी भूमिका को समझे और समाज अपनी जिम्मेदारी को स्वीकार करे।

मतदाता सूची की जांच में प्रश्न अनेक

अशोक भाटिया

चुनाव आयोग ने सोमवार को 12 राज्यों के लगभग 51 करोड़ मतदाताओं की गहन जांच की घोषणा की। देश के 12 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की घोषणा होते ही सोमवार आधी रात से इन सभी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों की मतदाता सूचियां फ्रीज कर दी गईं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार शाम पत्रकारों से कहा, आज रात से ये मतदाता सूचियां फ्रीज कर दी जाएंगी। राज्य सरकारों को भी प्रशासनिक फेरबदल के लिए चुनाव आयोग से अनुमति लेनी होगी। फ्रीज की गई सूची के सभी मतदाताओं को बीएलओ विशिष्ट गणना प्रपत्र देंगे। इन गणना प्रपत्रों में वर्तमान मतदाता सूची के सभी आवश्यक विवरण होंगे। बीएलओ द्वारा मौजूदा मतदाताओं को प्रपत्र वितरित करने के बाद, जिन लोगों के नाम गणना प्रपत्रों में हैं, वे यह मिलान करने का प्रयास करेंगे कि क्या उनका नाम पिछले एसआईआर की सूची में था। यदि हां, तो उन्हें कोई अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं है। वे सिर्फ प्रपत्र भरकर जमा कर दें। यदि उनके माता-पिता का नाम सूची में था, तब भी उन्हें कोई अतिरिक्त दस्तावेज नहीं देना। 2002 से 2004 तक के एसआईआर वाली मतदाता सूची http://voters.eci.gov.in पर कोई भी देख सकता है, और स्वयं मिलान कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए, चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर से संबंधित अपने 9 सितंबर के आदेश के अनुसार, आधार को 12 दस्तावेजों की सूची में शामिल कर लिया है। आधार पर स्थिति स्पष्ट करते हुए, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, जहां तक आधार कार्ड का संबंध है, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आधार का उपयोग आधार अधिनियम के अनुसार किया जाना है। आधार अधिनियम की धारा 9 कहती है कि आधार निवास या नागरिकता का प्रमाण नहीं होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने कई बार यह निर्णय दिया है कि आधार जन्मतिथि का प्रमाण नहीं है। इसे ध्यान में रखते हुए, आधार प्राधिकरण ने अपनी अधिसूचना जारी की और आज भी, यदि आप नया आधार डाउनलोड करते हैं, तो कार्ड पर उल्लेख है कि यह न तो जन्मतिथि, न ही निवास या नागरिकता का प्रमाण है। आधार कार्ड पहचान का प्रमाण है और इसका उपयोग ई-हस्ताक्षर के लिए भी किया जा सकता है। चुनाव आयोग के अनुसार नागरिकता कानून के तहत असम में नागरिकता के अलग प्रावधान लागू हैं। वहां सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में नागरिकता जांच की प्रक्रिया पूरी होने वाली है। 24 जून का एसआईआर आदेश पूरे देश के लिए था, पर असम की विशेष परिस्थिति के कारण यह आदेश वहां लागू नहीं होता। असम के लिए अलग से पुनरीक्षण आदेश जारी किए जाएंगे और अलग एसआईआर तिथि की घोषणा की जाएगी। बिहार के अनुभव से लाभ उठाते हुए, चुनाव आयोग ने यह भी निर्णय लिया है कि बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) फॉर्मों के मिलान और लिंकिंग के लिए अधिकतम तीन बार घरों का दौरा करेंगे। कुमार ने कहा, यदि मतदाता उपलब्ध नहीं है या मिलान और लिंकिंग में देरी हो रही है, तो बीएलओ कुल तीन बार घरों का दौरा करेंगे। बीएलओ सिर्फ संबंधित राज्य ही नहीं बल्कि देश भर के मतदाता सूची की जांच कर यह देखेंगे के संबंधित व्यक्ति का नाम कहीं और तो नहीं है। यदि किसी अन्य सूची में नाम पाया गया तब भी उन्हें मतदाता माना जाएगा। आयोग के अनुसार मतदाता ऑनलाइन भी फॉर्म भर सकते हैं। यदि उनके नाम, या उनके पिता या माता के नाम, 2003 की सूची में नहीं थे तो ईआरओ 12 दस्तावेजों के आधार पर पात्रता निर्धारित करेगा।आयोग द्वारा तय 12 दस्तावेजों के अलावा यदि किसी के पास अतिरिक्त वैध दस्तावेज है तो आयोग उसे भी मान्य करेगा। ईआरओ के फैसले के बाद, यानी अंतिम सूची प्रकाशित होने के बाद भी किसी भी निर्वाचन क्षेत्र का कोई भी मतदाता या निवासी जिला मजिस्ट्रेट के पास अपील कर सकता है और 15 दिनों के भीतर राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी के पास अपनी दूसरी अपील भी दायर कर सकता है। चुनाव आयोग ने मतदाता के लिए जरूरी अर्हताएं भी बताईं। इसके अनुसार संविधान की धारा 326 के अनुसार जो भी भारतीय नागरिक है, उसे 18 साल की आयु का होना, संबंधित क्षेत्र का निवासी होना, कानून के तहत किसी तरह के मामलों में वांछित नहीं होना चाहिए। ऐसे लोगों को सूची में नाम शामिल कराने का अधिकार है। वहीं, भीड़भाड़ से बचने के लिए, आयोग ने निर्णय लिया है कि किसी भी मतदान केंद्र पर 1,200 से ज्यादा मतदाता नहीं होंगे और ऊंची इमारतों, गेटेड कॉलोनियों और झुग्गी बस्तियों में नए मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। आयोग के अनुसार राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजनीतिक दलों के साथ बैठकें करेंगे और उन्हें एसआईआर प्रक्रिया के बारे में जानकारी देंगे। बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) फॉर्मों के मिलान और लिंकिंग के लिए अधिकतम तीन बार घरों का दौरा करेंगे। बीएलओ सिर्फ संबंधित राज्य ही नहीं बल्कि देश भर के मतदाता सूची की जांच कर यह देखेंगे के संबंधित व्यक्ति का नाम कहीं और तो नहीं है। यदि किसी अन्य सूची में नाम पाया गया तब भी उन्हें मतदाता माना जाएगा। राज्यों में पिछले एसआईआर की मतदाता सूची मूल मानी जाएगी, उसी के आधार पर नए मतदाताओं के नाम काटे या जोड़े जाएंगे। ठीक उसी तरह, जैसे बिहार में 2003 की मतदाता सूची का उपयोग गहन पुनरीक्षण के लिए किया था। ज्यादातर राज्यों में अंतिम एसआईआर 2002 व 2004 के बीच हुआ था। इन राज्यों ने पिछले एसआईआर के अनुसार वर्तमान मतदाताओं का आकलन पूरा कर लिया है। गौरतलब है कि विपक्ष पहले से ही मतदान के अलग-अलग आंकड़े पेश कर सवाल उठा रहा था। ऐसे माहौल में जहां वोट चोरी के मुद्दे पर चुनाव आयोग को निशाना बनाया जा रहा था, चुनाव आयोग ने मानदंड और प्रक्रिया पर अंतिम निर्णय के अभाव में जल्दबाजी में जांच की घोषणा की, और दिशानिर्देश के अभाव में, विपक्ष ने आयोग को एक ट्रान्स में ले लिया। यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया, आयोग को सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को स्वीकार करना पड़ा। क्या चुनाव आयोग के पास किसी व्यक्ति की नागरिकता को स्वीकार या अस्वीकार करने की शक्ति हो सकती है? अपने माता-पिता के दस्तावेजों के आधार पर अपने उत्तराधिकारियों के रिकॉर्ड को प्रमाणित करने का मुद्दा अंततः अदालत तक पहुंच गया। बिहार में अनाथालयों में पले-बढ़े कई बच्चों ने आयोग के प्रावधानों को चुनौती दी, जिसमें मांग की गई कि रिकॉर्ड को आधिकारिक या अनधिकृत रिकॉर्ड की सूची में शामिल किया जाए। दूसरे चरण की शुरुआत से पहले, आयोग को अपनी वेबसाइट पर पहले चरण में उठाए गए सभी प्रश्नों और उन पर आयोग द्वारा उठाए गए रुख को स्पष्ट रूप से बताना चाहिए; कहा जा रहा है कि किसी को भी दोबारा नए सवाल उठाने का मौका नहीं मिलेगा। ये संतोष का विषय है कि आयोग ने इस चरण के लिए खुद को पर्याप्त समय दिया है। दूसरे चरण में जो केंद्र शासित प्रदेश और राज्य हैं, उनमें राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं, जो विपक्षी सरकारें वाले राज्य हैं, सत्ता पक्ष और उसके नेता यानी मुख्यमंत्री इतने आक्रामक हैं। इस बात से पूरा देश वाकिफ है। बिहार की जांच के दौरान विपक्ष ने आरोप लगाया था कि कुछ मतदाताओं के नाम थोक में सूची से बाहर रखे जा रहे हैं, लेकिन जांच और चुनाव घोषित होने के बाद भी किसी ने भी शिकायत दोहराई नहीं है।

किटी पार्टी: फैशन नहीं, विचारों की उड़ान का मंच

कृति आरके जैन

किटी पार्टी अब सिर्फ चाय और गपशप का बहाना नहीं—यह महिलाओं की छिपी ताकत का खुला अड्डा बन चुकी है, जहां हंसी-मजाक के बीच समाज की दिशा बदल रही है। पहले लोग इसे हल्की मौज समझते थे, लेकिन सच यह है कि यहीं महिलाएं एकजुट होकर अपनी आवाज मजबूत करती हैं और समाज को नई राह दिखाती हैं। हमारे देश में, जहां औरतों को अक्सर घर की चारदीवारी में बांध दिया जाता है, किटी पार्टी एक आजादी का दरवाजा खोलती है। यहां वे फैशन या मस्ती से आगे बढ़कर पैसे की ताकत सीखती हैं, सामाजिक मुद्दों पर बोलना शुरू करती हैं और नेतृत्व की कमान संभालती हैं। यह बदलाव कोई संयोग नहीं—यह महिलाओं का सोचा-समझा, एकजुट कदम है, जो उन्हें समाज की असली ताकत बना रहा है।

किटी पार्टी की जड़ें आर्थिक सहयोग में हैं। मूल रूप से यह चिट फंड जैसी प्रथा से प्रेरित थी, जहां गृहिणियां मासिक योगदान देकर एक-दूसरे की मदद करती थीं। लेकिन समय के साथ यह विकसित हुई। आज, नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस-5) के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में 70 प्रतिशत से अधिक महिलाएं घरेलू निर्णयों में भागीदार हैं, और किटी पार्टी जैसे अनौपचारिक समूह इस भागीदारी को मजबूत करते हैं। ये बैठकें महिलाओं को बजट प्रबंधन सिखाती हैं—हर सदस्य योगदान देती है, बारी-बारी से धन प्राप्त करती है, और इससे निवेश की समझ विकसित होती है। कई किटी ग्रुप्स ने सामूहिक रूप से माइक्रो-इन्वेस्टमेंट शुरू किए, जिससे सदस्यों ने छोटे व्यवसाय स्थापित किए। यह आर्थिक सशक्तिकरण का जीवंत प्रमाण है, जहां महिलाएं न केवल खर्च करती हैं, बल्कि कमाती भी हैं। इस मंच की सबसे मजबूत विशेषता है संवाद की स्वतंत्रता। समाज में महिलाओं की राय अक्सर दबी रहती है, लेकिन किटी पार्टी में वे खुलकर बोलती हैं। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से, यह थेरेपी जैसा कार्य करती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट्स बताती हैं कि महिलाओं में अवसाद की दर पुरुषों से दोगुनी है, मुख्यतः सामाजिक अलगाव के कारण। किटी पार्टी यह अलगाव तोड़ती है—महिलाएं अपनी समस्याएं साझा करती हैं, समाधान ढूंढती हैं, और भावनात्मक सहारा पाती हैं। सामाजिक परिवर्तन में किटी पार्टी की भूमिका अब एक क्रांतिकारी शक्ति बन चुकी है, जो महिलाओं को संगठित होकर ज्वलंत मुद्दों पर निर्णायक हस्तक्षेप करने की ताकत देती है। ये समूह एनजीओ-स्तरीय प्रभावी अभियान चलाते हैं, जहां शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में ठोस परिणाम सामने आते हैं। बेटी बचाओ जैसे अभियानों के तहत स्कूलों में गहन जागरूकता सत्र आयोजित कर सैकड़ों लड़कियों को शिक्षा से जोड़ा जाता है, जबकि प्लास्टिक मुक्त मुहिम और बड़े पौधारोपण ड्राइव से पर्यावरण को नई सांस मिलती है। घरेलू हिंसा पर खुली बहस और कानूनी विशेषज्ञों की सलाह से सदस्याएं अपने अधिकारों से सशक्त होती हैं, जो घर लौटकर पूरे परिवार और समुदाय में सकारात्मक लहर पैदा करती हैं—यह बदलाव समाज की जड़ों तक पहुंचकर पीढ़ियों को प्रभावित करता है।नेतृत्व विकास का यह मंच महिलाओं को घर की चारदीवारी से निकालकर सामुदायिक अगुआ बनाता है। हर बैठक में बदलती जिम्मेदारियां—थीम चयन, बजट नियंत्रण, कार्यक्रम संचालन—एक जीवंत मैनेजमेंट लैब की तरह काम करती हैं, जहां निर्णय लेने की क्षमता निखरती है। संकटकाल में मास्क वितरण, वैक्सीन कैंप और राहत सामग्री पहुंचाने जैसे प्रयास उनकी सामूहिक संगठन शक्ति का जीता-जागता प्रमाण हैं। यहां गलतियां सुधार का माध्यम बनती हैं, एक-दूसरे से सीखकर महिलाएं न केवल खुद मजबूत होती हैं, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा की मशाल जलाती हैं। आर्थिक सशक्तिकरण का यह सफर सबसे प्रेरणादायक है, जहां किटी की प्रेरणा से हजारों महिलाएं उद्यमिता की ऊंचाइयां छू रही हैं। मुद्रा योजना जैसे सरकारी सहयोग से बुटीक, बेकरी और डिजिटल स्टोर शुरू कर वे न केवल आय सृजित करती हैं, बल्कि परिवार की निर्णय प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि महिला उद्यमियों में 30 प्रतिशत वृद्धि का बड़ा श्रेय इन अनौपचारिक नेटवर्क्स को है। अब उनकी राय घर की दीवारों तक सीमित नहीं रहती—वे आर्थिक स्तंभ बनकर लैंगिक असमानता की दीवारें ढहा रही हैं, और समाज को समावेशी भविष्य की ओर ले जा रही हैं। आलोचक किटी पार्टी को महज समय की बर्बादी मानते हैं, किंतु यह आलोचना अत्यंत सतही और संकीर्ण दृष्टि की उपज है। वास्तव में, यह एक बहुआयामी निवेश है—समय का, भावनात्मक ऊर्जा का, और अमूल्य सामाजिक पूंजी का। जहां पुरुष क्लबों या जिम में नेटवर्किंग कर करियर और संबंधों को मजबूत करते हैं, वहीं महिलाओं का यह मंच पूर्णतः समानांतर और सशक्त है। फेमिनिस्ट सिद्धांत इसे 'सुरक्षित आश्रय' का दर्जा देता है, जहां महिलाएं बिना किसी भय या दबाव के अपनी क्षमताओं को निखारती हैं, बौद्धिक रूप से उन्नत होती हैं। साहित्यिक चर्चाओं से लेकर सामाजिक मुद्दों पर गहन डिबेट तक, यह मंच महिलाओं को बौद्धिक जागृति प्रदान करता है, जो उन्हें समाज की मुख्यधारा में स्थापित करने का सशक्त माध्यम बनता है—यह केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि परिवर्तन की प्रयोगशाला है। किटी पार्टी का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल और विस्तारित है, जहां डिजिटल क्रांति इसे नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है। वर्चुअल किटी पार्टियां अब दूरस्थ क्षेत्रों की महिलाओं को जोड़ रही हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर नेटवर्क का जाल बिछ रहा है। हालांकि चुनौतियां बरकरार हैं—सामाजिक-आर्थिक असमानताओं के कारण ग्रामीण और वंचित महिलाएं इससे अभी भी दूर हैं। इसे सच्चे अर्थों में समावेशी बनाने के लिए सरकारी हस्तक्षेप अनिवार्य है, जैसे आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों में इन समूहों को सक्रिय रूप से शामिल करना, ताकि हर वर्ग की महिला इस सशक्तिकरण से लाभान्वित हो। किटी पार्टी हंसी-ठहाकों से आरंभ होकर क्रांतिकारी परिवर्तन तक की यात्रा तय करती है। यह महिलाओं की उस अदम्य शक्ति का जीवंत प्रतीक है, जो चुपचाप लेकिन अटूट दृढ़ता से समाज को नया आकार दे रही है। जब ये महिलाएं मजाक और मस्ती के बीच रणनीतियां गढ़ती हैं, तो वे न केवल स्वयं को सशक्त करती हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए मजबूत नींव रखती हैं। यह मंच स्पष्ट रूप से साबित करता है कि नारी शक्ति कोई खोखला नारा नहीं, बल्कि जीवंत, सांस लेती वास्तविकता है। समाज को अब इसे गंभीरता से पहचानना

मास्टरजी और हाज़िरी का जिन्न

डॉ. सुरेश कुमार

हाज़िरीपुर नाम के गाँव में सुबह का सूरज पहले ब्लैकबोर्ड पर नहीं, मोबाइल स्क्रीन पर उगता है-अटेंडेंस-ऐप की खिड़की जितनी देर खुली रहे, शिक्षा की खिड़की उतनी देर खुली मानी जाती है। मास्टरजी अब चॉक से कम, पावर बैंक से ज़्यादा पढ़ाते हैं; कंधे पर हाजिरी-थैला, जेब में आँसू-पोंछ रुमाल, और होठों पर वही पहाड़ी भजन-"हे नेटदेव! आज कृपा करना।" स्कूल के गेट पर बच्चे टिटिहरी की तरह गर्दन तिरछी करके सेल्फी की मुद्रा सीख रहे हैं-"सर, रौशनी चेहरे पर ऐसे रखिए, जैसे ज्ञान पड़ता हो।" मास्टरजी कैमरे को देखकर मुस्कुराते हैं, ऐप कहता है-"फेस नॉट क्लियर, आत्मा लोकेशन से बाहर।" उधर ब्लैकबोर्ड रूठी दुल्हन की तरह देख रहा-"मेरा कोई फोटो नहीं खींचता।" कक्षा में पहला सवाल आजकल यही होता है-"लॉगिन हो गया?" और पहला उत्तर-"सर, नेटवर्क ने आज संस्कृत ले ली है।" पढ़ाई इंतज़ार में है; इंतज़ार के भी दाँत निकल आए हैं।गाँव की सोनम बिटिया के घर में स्मार्टफोन है, मगर मालिक डेटा साहब हैं-अर्थात पिता जी। छात्रवृत्ति का ओटीपी मामा के नंबर पर जाता है, जो परसों बारात में गये थे और आज भी नाच रहे हैं। सोनम चप्पल के पट्टे से फोन का कवर बाँधकर सीएससी सेंटर पहुँची-काउंटर पर साहब ने मुहाँसा तोड़ा और बोले-"बिटिया, सर्वर नाराज़ है, एक समोसा खिला दो, शायद मना जाए।" बिटिया ने आँखों से समोसा तल दिया; साहब ने कीबोर्ड पर नमक छिड़का और बोले-"अब देखो जादू।" स्क्रीन ने गर्दन घुमाई, टिकट बना, अंकुर नहीं फूटा। सोनम बोली-"सर, पढ़ना चाहती हूँ।" स्क्रीन ने उत्तर में सीटी बजाई-"कृपया पुनः प्रयास करें।" गाँव का कुआँ भी इतना रूखा नहीं होता, जितना ये हेल्पडेस्क हैं-बकेट डुबो दे, तो कम-से-कम रसीद-सा पानी आ ही जाता है। निरीक्षण-दिवस का अपना सिंगार होता है। सुबह-सुबह स्कूल में चूना ऐसे फेंटते हैं जैसे गरीबी की दीवार पर सफेद झूठ लिख रहे हों। दीवार पर "पढ़ो भारत, बढ़ो भारत" नया-नया चमकता है और शौचालय के भीतर मेंढक तालसेना की परेड करते हैं। कलेक्टर साहब का काफिला दूर से दिखते ही प्रधानजी ने डैशबोर्ड महाराज की आरती उतारी-स्क्रीन की ब्राइटनेस 100, दिल की धड़कन 40। अधीनस्थ ने फुसफुसाया-"साहब, लाल आ रहा।" ऊपर से आदेश-"गाँव हरा कर दो।" लड़का फट से टॉर्च जलाता है, स्क्रीन पर रोशनी पड़ते ही आँकड़े हरे हो जाते हैं, जैसे सर्दी में भीरु सूरज से हरी मटर पक गई हो। कलेक्टर साहब मुस्कुरा दिए-"बहुत प्रगति।" मास्टरजी ने मन-ही-मन सोचा-"हरे-भरे आँकड़े, फटी-पुरानी कॉपियाँ; उधर रिपोर्ट का पेट तृप्त, इधर बच्चों का पेट पूछता है-आज मिड-डे में क्या है?" रंग बदलने की यह अलकेमी इतनी सहज है कि नीति के प्रवचन भी शर्म से ब्लश कर लेते हैं। वेंडर बाबू नई इत्र की कमीज़ में आए, गले में 'अपटाइम' की माला, माथे पर 'नवाचार' का टीका। बोले-"हमारा सर्वर 99.99%।"

गाँव की बिजली ने दाँत निपोरे और हवा ने खिड़की पटक दी। मास्टरजी ने पूछा-"जुर्माना?" वेंडर बाबू मुस्कुराए-"जुर्माना तो हमसे प्यार करता है, पर मिलने कम आता है।" उधर वेतन से अनुपस्थिति कटे जैसे बचत से भरोसा कटता हो; इधर अनुबंध से जिम्मेदारी ऐसे गायब, जैसे डेडलाइन से ईमान। नियमों का शेर वही है जो कक्षा के बाहर दहाड़ता है-अंदर आते ही बिल्ली बन जाता है। वेंडर बाबू बोले-"अपडेट कीजिए।" मास्टरजी ने मुस्कुरा कर कहा-"बच्चों की किताबें भी अपडेट हो जाएँ तो?" जवाब आया-"वो अगली तिमाही।" इस देश में 'अगली तिमाही' टालमटोल का नाम-रूपी गटर है, जिसमें नीति अपने पाँव धोकर प्रशस्ति गाती है।

ग्रेटर बांग्लादेश भारत के खिलाफ बड़ी साजिश

राजेश कुमार पासी

जब से बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार का तख्ता पलट करके मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश के सर्वेसर्वा बने हैं, तब से बांग्लादेश भारत के साथ शत्रुतापूर्ण व्यवहार कर रहा है। शेख हसीना की सरकार को हटाने का श्रेय छात्रों को दिया जा रहा था लेकिन बांग्लादेश जिस तरफ जा रहा है, उससे लगता है कि तख्ता पलट छात्रों की आड़ में कट्टरवादी तत्वों द्वारा किया गया है। मोहम्मद यूनुस एक नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री हैं लेकिन उनकी हरकतें बता रही हैं कि उनके मासूम चेहरे के पीछे एक बेहद खतरनाक कट्टरपंथी छुपा हुआ है। जब से बांग्लादेश में मोहम्मद युनुस की सरकार आई है, तब से कट्टरपंथी समूहों द्वारा ग्रेटर बांग्लादेश बनाने की बात कही जा रही है और इसमें सरकार का समर्थन दिखाई दे रहा है । बांग्लादेश को एक कट्टर इस्लामिक देश सल्तनत-ए-बांग्ला बनाने की मांग की जा रही है ।

पाकिस्तान मानता है कि भारत ने उसके देश के दो टुकड़े किये हैं इसलिए वो बदले की आग में जल रहा है। अपना बदला लेने के लिए पाकिस्तान कोई भी कीमत चुकाने को तत्पर दिखाई दे रहा है। पाकिस्तान बदला लेने के चक्कर में अपने देश को ही बर्बादी की ओर ले जा रहा है । वो अच्छी से देख रहा है कि भारत से बदला लेने के चक्कर में खुद भी बर्बाद हो रहा है लेकिन वो पीछे हटने को तैयार नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना की जबरदस्त मार के बावजूद पाकिस्तान आतंकवादियों को भारत पर नए हमले के लिए तैयार कर रहा है । वो जानता है कि भारतीय सेना इस बार पहले से भी बड़ा हमला कर सकती है । भारत सरकार ने भी पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि ऑपरेशन सिंदूर जारी है. अगर भारत पर बड़ा आतंकवादी हमला होता है तो पाकिस्तान को इसकी बड़ी कीमत चुकानी होगी । पाकिस्तान इसके बावजूद दूसरे हमले की तैयारी कर रहा है । पाकिस्तान को अब भारत के खिलाफ साजिश करने के लिए बांग्लादेश का भी साथ मिल गया है । मोहम्मद यूनुस पाकिस्तान से नजदीकी संबंध बना रहा है ताकि भारत के खिलाफ वो पाकिस्तान के साथ मिलकर नए षड्यंत्र बना सके । इतिहास से सीख मिलती है कि देश की सुरक्षा हमेशा सर्वोपरि होनी चाहिए और हर उस खतरे पर नजर रखनी चाहिए जो हमारे लिए घातक साबित हो सकता है। बांग्लादेश बेशक एक छोटा देश हो लेकिन उसको हरकतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता । इतिहास गवाह है कि कई बार छोटी समस्याएं भी बड़ा असर डालती हैं । बांग्लादेश भी दूसरा पाकिस्तान बनने जा रहा है जो हर कीमत पर भारत को बर्बाद करना चाहता है। जैसे पाकिस्तान भारत को बर्बाद करने के लिए कोई भी कीमत चुकाने को तैयार है, वैसा ही बांग्लादेश करने की कोशिश करता नजर आ रहा है। सोशल मीडिया में बांग्लादेश की हरकतों का मजाक बनाया जा रहा है कि वो इतना कमजोर होने के बावजूद भारत को धमकियां दे रहा है । ये विचार का विषय है कि बांग्लादेश इतनी छोटी शक्ति होते हुए भी भारत जैसे देश को धमकी देने पर उतर आया है ।

1971 के बाद से बांग्लादेश का पाकिस्तान के साथ संबंध टूटा हुआ रहा है क्योंकि बांग्लादेश पाकिस्तानी सेना के अत्याचार को भूल नहीं पाया है । जब से मोहम्मद यूनुस सत्ता में आया है, वो पाकिस्तान से संबंधों को बढ़ा रहा है । पहली बार पाकिस्तान के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी जनरल साहिर शमशाद मिर्जा बांग्लादेश की यात्रा कर रहे हैं । उनकी यात्रा के दौरान मोहम्मद यूनुस ने एक विवादित किताब 'आर्ट ऑफ ट्रायम्फ' भेंट की है । इस किताब के कवर पर ग्रेटर बांग्लादेश का नक्शा बनाया गया है जिसमें भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के साथ-साथ बंगाल, उड़ीसा, बिहार और झारखंड के हिस्से भी शामिल किए गए हैं । ऐसा बांग्लादेश की सरकार ने पहली बार नहीं किया है बल्कि कई राष्ट्राध्यक्षों और महत्वपूर्ण विदेशी नेताओं को यह किताब भेंट की गई है । भारत बांग्लादेश की इस हरकत पर कई बार नराजगी दिखा चुका है लेकिन बांग्लादेश पर कोई असर नहीं हो रहा है । भारत सरकार को लगता है कि ग्रेटर बांग्लादेश के विवादास्पद मानचित्र में पूर्वोत्तर भारत को शामिल करने के पीछे कोई बड़ी साजिश हो सकती है । इस साजिश के तार पाकिस्तान, तुर्की और चीन से जुड़े हो सकते है । भारतीय खुफिया एजेंसियों के अनुसार बांग्लादेश भारत के खिलाफ साजिश में शामिल होकर पूर्वोत्तर भारत को एशिया में पड़ोसी देशों का प्रवेश द्वार बनाना चाहता है । इस मानचित्र की आड़ में बांग्लादेश भारत में अलगाववादी भावनाओं को भड़काना चाहता है । 26/11 के मुंबई हमले के साजिशकर्ता हाफिज सईद का करीबी सहयोगी इब्तिसाम इलाही जहीर इन दिनों बांग्लादेश में बहुत सक्रिय है । वह भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों में घूम-घूम कर भड़काऊ भाषण दे रहा है । वो बांग्लादेश में मौजूद कट्टरपंथी समूहों से संपर्क स्थापित कर रहा है। यह उसकी बांग्लादेश में दूसरी यात्रा है, जिससे साबित होता है कि बांग्लादेश पाकिस्तानी आतंकवादी संगठनों से सम्पर्क कर रहा है । उसने अपने भाषण में कहा है कि इस्लाम के लिए खुद को और अपने बच्चों को कुर्बान करने के लिए तैयार रहो ।

कार्तिक पूर्णिमा पर जलाएं 365 बाती का दीपक

पूरे साल की पूजा का एक साथ मिलेगा शुभ फल

आपने भी अपने घर के बड़े-बुजुर्गों या आस-पड़ोस के लोगों को कार्तिक पूर्णिमा के दिन एक विशेष पूजा करते देखा होगा जिसमें 365 बाती का दीपक जलाया जाता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा कि ऐसा क्यों किया जाता है या इस दिन इस दीपक को जलाने से क्या लाभ मिलता है। तो आपको बता दें इस पूर्णिमा पर ये खास दीपक जलाने से पूरे साल की पूजा का फल एक साथ प्राप्त हो जाता है। इस दीपक को आप अपने घर के मंदिर, तुलसी के पौधे, पीपल के पेड़ या फिर अपने घर के पास किसी भी मंदिर में जला सकते हैं। चलिए जानते हैं इस साल 365 बाती का दीपक कब जलाया जाएगा।

365 बाती का दीपक कब जलाएं

365 बाती का दीया 5 नवंबर 2025 को जलाया जाएगा। इस दिन कार्तिक पूर्णिमा है। कुछ लोग इस दीपक को एक दिन पहले यानी बैकुंठ चतुर्दशी पर जलाते हैं। इस साल ये तिथि 4 नवंबर को है। ये दीपक शाम के समय में जलाया जाता है।

365 बाती का दीपक सामग्री लिस्ट (365 कच्चा सूत या कलावा

रोली, खील, जल, हल्दी, सूखा नारियल (गोला)

365 बाती का दीया कैसे जलाएं?

इस दीपक को सूखे नारियल में जलाया जाता है। इसे जलाने के लिए एक कलावा या कच्चा सूत लेना है। उससे 365 बाती तैयार कर लेनी है। जैसे अगर आप 5 धागे वाले कलावे या सूत को लेते हैं तो उसे अपने हाथ पर 73 बार लपेटें और बचे हुए धागे को काट दें। इस तरह से आपकी 365 बाती तैयार हो जाएंगी। अब एक सूखा नारियल लें और उसके दो हिस्से कर लें। नारियल के एक हिस्से में देसी घी भरें और इसमें 365 बाती डालें। इस दीपक को घर के मंदिर में या तुलसी के पौधे के समक्ष जला लें।

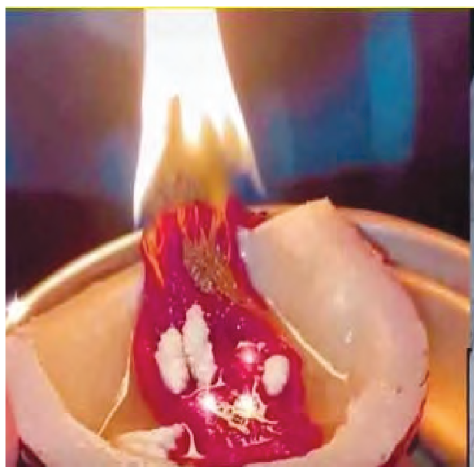

दीपक के नीचे अक्षत के कुछ दाने जरूर डालें। साथ ही दीये पर हल्दी और रोली का तिलक लगाएं। इसके बाद दीपक में खील डालें। इसके बाद दीपक के ऊपर से तीन बार जल घुमाएं। इस विधि से 365 बाती का दीपक जलाकर आप पूरे साल की पूजा का फल पा सकते हैं।

365 बाती का दीपक कहां जलाना चाहिए

इस दीपक को वैसे ज्यादातर लोग तुलसी के पौधे के समक्ष जलाते हैं और दीपक जलाने के बाद तुलसी के पौधे की 108 बार परिक्रमा भी करते हैं। वहीं कुछ लोग इसे घर के मंदिर में तो कुछ पीपल, केले या आंवले के पेड़ के नीचे भी जलाते हैं। आपके यहां जैसी परंपरा हो आप वैसा ही करें।

भीष्म पंचक कब से शुरू है

पुराणों में भीष्म पंचक को सभी पापों का नाश करने वाला माना गया है। जैसा कि नाम से ही पता चलता है कि ये पंचक भीष्म पितामह को समर्पित है। कहते हैं महाभारत युद्ध के बाद जब श्रीकृष्ण पांडवों को भीष्म पितामह के पास लेकर गए तो मृत्यु शैया पर लेटे भीष्म पितामह ने उन्हें पांच दिनों तक राजधर्म, मोक्षधर्म और वर्णधर्म पर उपदेश दिया। जिसके बाद भगवान कृष्ण ने कहा कि 'ये पांच दिन सभी के लिए अत्यंत मंगलकारी होंगे और आने वाले समय में इन्हें भीष्म पंचक के नाम से जाना जाएगा। जानिए 2025 में भीष्म पंचक कब से लग रहा है।

भीष्म पंचक कब से शुरू है 2025

इस साल भीष्म पंचक की शुरुआत 1 नवंबर 2025 से होगी और इसका समापन 5 नवंबर 2025 को होगा। बता दें भीष्म पंचक का व्रत सभी पापों का नाश करने वाला और अक्षय फल देने वाला माना जाता है।

भीष्म पंचक का महत्व

कहते हैं भीष्म पंचक का व्रत रखने से सभी पापों का नाश हो जाता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। माना जाता है कि ये पांच दिन भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय हैं इसलिए इसे विष्णु पंचक के नाम से भी जाना जाता है।

भीष्म पंचक के 5 दिनों में व्रत, स्नान, दान और पूजा का विशेष महत्व माना गया है।

भीष्म पंचक की पूजा विधि

भीष्म पंचक का व्रत रखने वाले लोगों को प्रातःकाल स्नान कर पीले या सफेद वस्त्र धारण करने चाहिए। इसके बाद भगवान विष्णु या श्रीकृष्ण की प्रतिमा के सामने दीप जलाना चाहिए। भगवान को तुलसी दल, फूल और मिष्ठान अर्पित करें। साथ में "ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः" मंत्र का कम से कम 11 बार जाप करें। भगवान का पंचामृत से अभिषेक करें। दिनभर सात्विक आहार ग्रहण करें। इस दौरान विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ जरूर करें।

भीष्म पंचक पूजा मंत्र

ॐ भीष्माय नमः।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः।

ॐ नारायणाय विद्महे वासुदेवाय धीमहि तन्नो विष्णुः प्रचोदयात।

बुद्ध से व्यक्ति ने कहा- मैं ध्यान नहीं कर पाता

बुद्ध की सीख- विचार मन का भोजन हैं, जब तक हम बहुत ज्यादा सोच-विचार करेंगे, ध्यान नहीं कर पाएंगे

शांत वातावरण में गौतम बुद्ध का एक सत्संग चल रहा था। प्रवचन सुन रहे लोगों के चेहरे पर जिज्ञासा थी। तभी एक युवक आगे आया और बोला- तथागत, जब मैं ध्यान करने बैठता हूं तो मन नहीं लगता है।

बुद्ध बोले - फिर से कहो।

युवक ने वही बात दोहराई — ध्यान करने बैठो तो मन नहीं लगता है।

बुद्ध ने कहा - एक बार और कहो।

युवक ने तीसरी बार भी यही बात कही।

अब बुद्ध बोले- मन का भोजन विचार हैं। यदि तुम मन को उसका भोजन देना बंद कर दो, तो मन निष्क्रिय हो जाएगा और तभी सच्चा ध्यान घटेगा।

बुद्ध ने भी उस व्यक्ति को ये बात तीन बार कही।

सत्संग में बैठे सभी लोग ये बातें सुन रहे थे और सभी सोच रहे थे कि बुद्ध ने तीन बार प्रश्न क्यों पूछा और फिर उत्तर भी तीन बार क्यों दिया। ये बात एक व्यक्ति ने बुद्ध से पूछी।

बुद्ध बोले - मेरा अनुभव है कि अधिकांश लोग प्रश्न केवल बोलने के लिए पूछते हैं, समझने के लिए नहीं। वे या तो अपनी बुद्धिमत्ता दिखाना चाहते हैं या सिर्फ जिज्ञासा शांत करना चाहते हैं। मैं प्रश्न तीन बार इसलिए सुनता हूं कि ये परख सकूं कि क्या व्यक्ति सचमुच अपने प्रश्न को जी रहा है या सिर्फ ऐसे ही कह रहा है। इसके बाद मैं उत्तर तीन बार इसलिए देता हूं, ताकि मेरी बात उसके मन में गहराई तक उतर जाए। जब कोई बात बार-बार सुनाई देती है, तब वह मन में स्थायी रूप से बस जाती है।

बुद्ध की सीख

बुद्ध ने कहा कि मन का भोजन विचार हैं। हमारा मन निरंतर विचारों से भरा रहता है, ये विचार बुरी भावनाएं, भविष्य, रिश्ते, असफलता, और सफलता से जुड़े होते हैं। ये सब मिलकर हमारे मन को शांत नहीं होने देते हैं। अगर हम हर दिन कुछ समय विचारों का प्रवाह रोक दें, तो मन स्वयं शांत होने लगता है और हम ध्यान कर सकते हैं।

जो व्यक्ति अपने विचारों पर नियंत्रण पा लेता है, वही अपने जीवन की दिशा को नियंत्रित कर सकता है।

समस्या को ठीक समझें

जब बुद्ध युवक से बार-बार प्रश्न दोहरवाते हैं, तो वह युवक अपने ही प्रश्न के साथ जुड़ने लगता है। पहली बार उसने प्रश्न पूछा, दूसरी बार में उसने उसे महसूस किया और तीसरी बार में वह प्रश्न उसके भीतर उतर गया। वह समस्या को ठीक से समझ गया। इसके बाद बुद्ध ने उसे तीन बार उत्तर दिया, जिससे उस व्यक्ति को अपनी समस्या का समाधान भी अच्छी तरह समझ आ गया। समस्या को समझेंगे तो समाधान भी आसानी से मिल जाएगा।

घर में शांति और खुशहाली चाहते हैं तो अपनाएं ये उपाय

हर इंसान चाहता है कि उसके जीवन में खुशियां-समृद्धि और मानसिक शांति बनी रहे। लेकिन आज की भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में यह आसान नहीं है। ऐसे में फेंगशुई यानी पॉजिटिव एनर्जी का विज्ञान आपके घर में शांति और संतुलन लाने में मदद कर सकता है। अगर आप घर में सकारात्मकता, सौभाग्य और आर्थिक समृद्धि चाहते हैं, तो फेंगशुई के कुछ आसान उपाय आपके जीवन में बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

प्रवेश द्वार से आती है खुशहाली की ऊर्जा

फेंगशुई के अनुसार घर का प्रवेश द्वार सिर्फ अंदर-बाहर जाने का रास्ता नहीं होता, बल्कि यह समृद्धि का प्रवेश द्वार होता है। अगर दरवाजा चरमराता है या ठीक से बंद नहीं होता तो यह नकारात्मक ऊर्जा को जन्म देता है। इसलिए मुख्य दरवाजे की सफाई और रखरखाव जरूरी है। दरवाजे के कब्जों में तेल डालें, ताकि कोई आवाज न आए और दरवाजे के सामने अनावश्यक चीजें न रखें। दरवाजे के आस-पास रोशनी रखें और स्वागत का प्रतीक जैसे वेलकम मैट या सकारात्मक संदेश वाला बोर्ड लगाएं। इससे शुभ ऊर्जा का घर में प्रवेश बढ़ता है।

घर को हमेशा रखें साफ-सुथरा और व्यवस्थित

अव्यवस्था न केवल आपके मूड को प्रभावित करती है, बल्कि यह घर की सकारात्मक ऊर्जा को भी रोक देती है। फेंगशुई मानता है कि बिखरा हुआ घर नकारात्मकता फैलाता है और तरक्की की राह में बाधा डालता है। हर हफ्ते कुछ समय निकालकर उन वस्तुओं को अलग करें जिनका आप उपयोग नहीं करते। घर के कोनों, दरवाजों और खिड़कियों की सफाई पर ध्यान दें। जब घर व्यवस्थित और साफ होता है तो परिवार के सदस्यों के बीच सामंजस्य और मानसिक शांति भी बढ़ती है।

बेडरूम का सही सेटअप रखेगा रिश्तों में मधुरता

फेंगशुई के अनुसार बेडरूम का सही डिजाइन आपके रिश्तों, स्वास्थ्य और नींद की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। बिस्तर को हमेशा ऐसी जगह रखें कि लेटे हुए आप दरवाजे को देख सकें, लेकिन दरवाजे के बिल्कुल सामने न हों। बिस्तर का सिरहाना मजबूत दीवार से सटा होना चाहिए। यह स्थिरता और सुरक्षा का प्रतीक है। बेड के नीचे सामान न रखें और कमरे में हल्के और सुकून देने वाले रंगों का इस्तेमाल करें। इससे प्रेम-शांति और सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

बाथरूम की दिशा से भी जुड़ी है ऊर्जा का प्रवाह

फेंगशुई में बाथरूम को बहुत संवेदनशील स्थान माना गया है। दक्षिण-पूर्व और उत्तर-पश्चिम दिशा में बाथरूम बनाना अशुभ माना जाता है, क्योंकि यह धन और खुशियों की ऊर्जा को कम करता है। अगर आपका बाथरूम इन दिशाओं में है तो उसे हमेशा साफ रखें। टॉयलेट का ढक्कन बंद रखें और दरवाजा हमेशा बंद रखें। इससे नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह रुकता है और घर में सौभाग्य बना रहता है।

क्या होता है राजयोग, कुंडली में कैसे बनता है?

कुंडली में ग्रहों की कुछ विशेष स्थितियों में राजयोग का निर्माण होता है। नाम से ही पता चलता है कि राजयोग के बनने से व्यक्ति को लाभ की प्राप्ति होती है। इसलिए हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी कुडंली में कोई-न-कोई राजयोग बने। हालांकि, राजयोग को लेकर कुछ लोगों का यह सवाल भी होता है कि उनकी कुंडली में राजयोग तो है लेकिन इसका कोई फल उन्हें नहीं मिल रहा। इसी तरह के सभी सवालों का जवाब आज हम आपको अपने इस लेख में देंगे।

राजयोग क्या है?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, राजयोग कुंडली में मौजूद एक या एक से अधिक ग्रहों की वह स्थिति है जिसके प्रभाव से व्यक्ति को जीवन में शुभ फल प्राप्त होते हैं। राजयोग के बनने से धन-धान्य, पद-प्रतिष्ठा, सम्मान व्यक्ति को प्राप्त होता है। ज्योतिष में विभिन्न प्रकार के राजयोगों के बारे में बताया गया है। इन राजयोगों में पंच महापुरुष राजयोग, बुधादित्य राजयोग, राज-लक्ष्मी राजयोग, गजकेसरी राजयोग, लक्ष्मी योग, परिजात योग आदि प्रमुख हैं। हालांकि इनके अलावा भी कई राजयोग ज्योतिष में मौजूद हैं।

पंच महापुरुष राजयोग

इस राजयोग का निर्माण चब होता है जब बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि और मंगल में से कोई भी ग्रह अपनी उच्च राशि या फिर अपनी स्वराशि में केंद्र के घरों में विराजमान हो। पहले, चौथे, सातवें, और दसवें भाव को कुंडली में केंद्र का भाव कहा जाता है।

बुध अगर केंद्र भाव में अपनी राशियों में हो तो भद्र योग का निर्माण होता है जो व्यक्ति को तार्किक बनाता है और व्यवसाय में लाभ दिलाता है। गुरु अगर केंद्र भाव में अपनी राशियों या उच्च राशि में हो तो हंस योग का निर्माण होता है जो सुख-समृद्धि प्रदान करता है। शुक्र अगर केंद्र भाव में अपनी राशियों में हो या उच्च राशि हो तो मालव्य योग बनता है जो व्यक्ति को जीवन में लाभ देता है और ऐसे लोग रचनात्मक कार्यों में भी लाभ पाते हैं। मंगल अगर केंद्र भाव में अपनी राशियों या उच्च राशि में हो तो रूचक योग का निर्माण होता है जो व्यक्ति को साहसी और अच्छा लीडर बनाता है। शनि अगर केंद्र भाव में अपनी राशियों या उच्च राशि में हो तो शश योग का निर्माण होता है ऐसा व्यक्ति सरकारी क्षेत्रों में लाभ पाता है और बड़े घर में रहता है।

बुधादित्य राजयोग

जब कुंडली के किसी भाव में सूर्य और बुध एक साथ विराजमान होते हैं तो बुधादित्य राजयोग का निर्माण होता है। इस योग के बनने से करियर के क्षेत्र में व्यक्ति को लाभ होता है और ऐसे लोग बुद्धिमान भी मान जाते है। यह योग बनने से व्यक्ति उच्च पदों तक पहुंच सकता है।

गजकेसरी राजयोग

जब कुंडली के किसी भाव में बृहस्पति और चंद्रमा एक साथ होते हैं, या फिर दोनों एक दूसरे से सप्तम भाव में होते हैं तो गजकेसरी योग बनता है। यह योग तब सबसे प्रभावी माना जाता है जब यह दोनों ग्रह केंद्र भाव में अपनी राशियों या फिर अपनी उच्च राशि में हों। इस योग के बनने से आर्थिक समृद्धि और शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है। ऐसे लोग समाज में भी सम्मानित होते हैं।

राज-लक्ष्मी राजयोग

इस राजयोग का निर्माम कुंडली में तब होता है जब पहले भाव और नवम भाव के बीच में शुभ संबंध हो। दोनों एक दूसरे के साथ शुभ स्थानों में विराजमान हों या दोनों ग्रह मित्र हों और दृष्टि, युति या किसी भी तरह से एक दूसरे से संबंध रखते हों। इस योग के बनने से व्यक्ति जीवन में अपार धन कमाता है और उसके पास सुख-सुविधा की हर वस्तु होती है।

परिजात योग

इस राजयोग का निर्माण तब होता है जब लग्न का स्वामी उच्च स्थान में हो और शुभ ग्रहों से संबंध रखता हो। इस योग के बनने से व्यक्ति को उच्च पदों की प्राप्ति होती है और ऐसा व्यक्ति समाज के गणमान्य लोगों में शामिल हो सकता है।

लक्ष्मी योग

लक्ष्मी योग कुंडली में तब बनता है जब भाग्य भाव यानि की 9वें भाव का स्वामी पहले, पांचवें या दसवें घर में शुभ ग्रहों के साथ विराजमान रहता है। इस योग के बनने से धन-धान्य की प्राप्ति तो होती ही है साथ ही व्यक्ति पारिवारिक जीवन में भी सुख मिलता है।

राशि परिवर्तन राजयोग

यह योग तब बनता है जब दो ग्रह एक दूसरे की राशि में विराजमान होते हैं। उदाहरण के लिए- बुध अगर मंगल की राशि (मेष-वृश्चिक) में हो और मंगल, बुध की राशि (मिथुन-कन्या) में हो तो यह राजयोग बनता है। इस योग के बनने से दोनों ग्रह एक दूसरे को बल देते हैं। ऐसी स्थिति में अचानक से व्यक्ति को जीवन में सफलता प्राप्त हो सकती है।

विपरीत राज

यह योग तब बनता है जब अशुभ ग्रह आपस में संबंध बनाते हैं। कुंडली के 6, 8 और 12 भाव के स्वामी को अशुभ ग्रह माना जाता है। इस योग के बनने से शुरुआती जीवन में व्यक्ति को संघर्ष करना पड़ सकता है लेकिन उसके बाद जबरदस्त सफलता ऐसे लोगों को मिलती है।

राजयोग क्या हमेशा लाभदायक होता है, जानें कब होता है प्रभावशाली?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, कुंडली में राजयोग होने के साथ ही इसका सक्रिय यानि एक्टिव होना भी जरूरी होता है। राजयोग बनने के साथ ही ग्रहों की दशा, अंतर्दशा भी अगर अनुकूल हो तभी राजयोग फलित होता है।

वहीं राजयोग कुंडली में बना हो लेकिन इस पर बुरे ग्रहों की दृष्टि हो तब भी यह अपना अच्छा परिणाम प्रदान नहीं कर पाता। इसके साथ ही राजयोग में स्थित ग्रह यदि कुंडली में कारक न हो तब भी राजयोग का असर नहीं होता।

ऐसे में भले ही राजयोग अच्छे परिणाम न दे लेकिन इससे आपके जीवन पर कोई बुरा प्रभाव भी देखने को नहीं मिलता। कुल मिलाकर कुंडली में राजयोग होने के साथ ही अन्य स्थितियों को भी ध्यान में रखना चाहिए, इसके लिए आप योग्य ज्योतिषाचार्य से सलाह ले सकते हैं।

तलाक की अफवाहों पर माही विज ने तोड़ी चुप्पी, कहा- 'मैं लीगल एक्शन लूंगी'

माही विज और जय भानुशाली अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। कथित तौर पर दोनों का रिश्ता टूट गया है और कपल का तलाक होने वाला है। यह खबर सामने आने के बाद जय और माही के फैंस आहत हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर दोनों के तलाक को लेकर तरह-तरह के दावे करते हुए पोस्ट वायरल हो रहे हैं। एक पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए माही विज ने गुस्सा जाहिर किया है।

अभिनेत्री के हवाले से किया गया कमेंट

जय भानुशाली के साथ तलाक की अफवाहों पर माही विज ने चुप्पी तोड़ी है। दरअसल, इंस्टाग्राम पर Thought Ful नाम के पेज से एक पोस्ट साझा किया गया। इसमें माही विज के हवाले से एक कमेंट लिखा गया, जिसमें कहा गया है, 'आधिकारिक रूप से पांच मिनट पहले मेरा तलाक हुआ है। मुझे पता है कि कुछ लोग इस पर बधाई देंगे, लेकिन मेरे लिए ऐसे परिदृश्य मायने नहीं रखते। तलाक होना हमेशा दुखद ही होगा'। इस पोस्ट पर माही विज ने कमेंट किया है।

माही ने कही लीगल एक्शन लेने की बात

इस पोस्ट पर माही विज ने गुस्सा जाहिर करते हुए हिदायत दी है। माही विज ने कमेंट लिखा है, 'झूठी बातें पोस्ट मत करिए। मैं इसके खिलाफ लीगल एक्शन लूंगी'। अभिनेत्री ने शायद तलाक को लेकर उनकी तरफ से की गई कथित टिप्पणी पर आपत्ति जताई है। फिलहाल माही के इस कमेंट से उनके फैंस ने राहत की सांस ली है कि शायद तलाक की बात झूठी हो। हालांकि, माही के कमेंट में यह जिक्र नहीं है कि तलाक होगा या नहीं, उन्होंने गलत नैरेटिव फैलाने को लेकर एतराज जताया है।

2011 में हुई थी शादी

माही विज और जय भानुशाली की शादी साल 2011 में हुई थी। साल 2017 में इस कपल ने दो बच्चों- खुशी और राजवीर को गोद लिया। अगस्त 2019 में कपल के घर बेटी तारा का जन्म हुआ। कथित तौर पर शादी के 14 साल बाद यह खूबसूरत जोड़ी अलग हो रही है। हालांकि, आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

क्रिस्टल डिसूजा का ब्रेकअप! बॉयफ्रेंड गुलाम संग एक महीने पहले टूट गया रिश्ता?

टीवी की फेमस एक्ट्रेस क्रिस्टल डिसूजा का ब्रेकअप होने की खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि वो गुलाम गौस दीवानी को डेट कर रही थीं, पर अब दोनों ने अपने रिश्ते को खत्म कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है।

क्रिस्टल का बॉयफ्रेंड से हुआ ब्रेकअप!

टीवी सीरियल 'एक हजारों में मेरी बहना है' की एक्ट्रेस क्रिस्टल डिसूजा पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार वो पिछले कुछ साल से रेस्टोरेंट मालिक गुलाम गौस दीवानी को डेट कर रही थीं। पर अब उनका ब्रेकअप हो गया है। दोनों एक महीने पहले अलग हो गए। उन्होंने इंस्टाग्राम पर भी एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है।

रिपोर्ट के अनुसार, क्रिस्टल डिसूजा और गुलाम गौस दीवानी अब साथ नहीं हैं। इन्होंने अपने रिश्ते को खत्म कर दिया है। हालांकि, दोनों ने ही ना तो अपने रिलेशनशिप का और ना ही इसके खत्म होने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है।

अलग हो गए हैं क्रिस्टल और गुलाम

सूत्र ने बताया, 'वे अलग हो गए हैं। उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ को हमेशा प्राइवेट रखा है और करीब एक महीने पहले हुए अपने ब्रेकअप पर बात नहीं करना चाहती हैं।' जब उनसे संपर्क किया गया तो उन्होंने 'नो कॉमेंट्स' कहकर जवाब दिया।

सोशल मीडिया पर किया अनफॉलो

क्रिस्टल और गुलाम ने सोशल मीडिया पर भी एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है। हालांकि, गुलाम ने क्रिस्टल के साथ पोस्ट को डिलीट नहीं किया है। पर 1 मार्च 2025 के बाद से ही उन्होंने क्रिस्टल के साथ एक भी पोस्ट शेयर नहीं किया है।

'लाफ्टर शेफ्स' में नजर आई थीं क्रिस्टल

क्रिस्टल के बारे में बता दें कि उन्होंने साल 2007 में एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। पर 'एक हजारों में मेरी बहना है' में जीविका सिंह बनकर घर-घर में पहचान बनाई थी। उन्हें पिछली बार 2024 में 'लाफ्टर शेफ्स' में देखा गया था। वो अपनी दोस्त निया शर्मा का सपोर्ट करने के लिए मेहमान बनकर आई थीं। इसके अलावा वो वेब सीरीज 'फितरत' और 'फर्स्ट कॉपी' में नजर आ चुकी हैं। उनके पास फिल्म 'जागीर' भी है।

'अंगूरी' भाभी के रोल में लौट सकती हैं शिल्पा शिंदे

टीवी शो 'भाभी जी घर पर हैं' में शुभांगी अत्रे को कर सकती हैं रिप्लेस

टीवी एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे जल्द ही शो 'भाभी जी घर पर हैं' में वापसी कर सकती हैं। शिल्पा ने इस शो की शुरुआत में अंगूरी का रोल निभाया था, लेकिन एक साल बाद उन्होंने शो छोड़ दिया था। अब चर्चा है कि वह शुभांगी अत्रे को रिप्लेस कर फिर से इस रोल में नजर आ सकती हैं।

मेकर्स शिल्पा को दोबारा शो में लाने की तैयारी में हैं। शो से जुड़े एक सूत्र ने कहा, "हां, अंगूरी भाभी के रोल में शिल्पा के लौटने की बात चल रही है। सभी उम्मीद कर रहे हैं कि ये डील जल्द फाइनल हो जाए। ये फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि टीम को लगता है कि शो को फिर से नया रूप देने की जरूरत है। दस साल तक सफल चलने के बाद चैनल चाहता है कि शो में कुछ नए किरदार और नए एलिमेंट्स जोड़े जाएं ताकि शो 'भाभी जी घर पर हैं' को फ्रेश फील मिल सके।"

सूत्र ने आगे बताया, "शो के लिए नया सेट बनाया जा रहा है और दर्शकों को कहानी में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। मेकर्स की योजना है कि 'भाभी जी घर पर हैं 2.0' की शूटिंग दिसंबर के मिड तक शुरू की जाए।"

हालांकि शिल्पा और मेकर्स, दोनों ने इस पर अब तक कुछ नहीं कहा है।

साल 2015 में जब 'भाभी जी घर पर हैं' की शुरुआत हुई थी, तो इसमें शिल्पा शिंदे का अंगूरी भाभी वाला किरदार लोगों को बहुत पसंद आया था, लेकिन मार्च 2016 में उन्होंने शो छोड़ दिया। उन्होंने मेकर्स पर परेशान करने और मानसिक तौर पर दबाव डालने का आरोप लगाया था। वहीं दूसरी तरफ, मेकर्स ने उन पर गैर-पेशेवर व्यवहार का आरोप लगाया था। उनका कहना था कि शिल्पा ने ज्यादा फीस मांगी थी और शो में अपने पर्सनल डिजाइनर रखना चाहती थीं। शिल्पा शिंदे के शो से जाने के बाद उनकी जगह शुभांगी अत्रे को कास्ट किया गया था।

'भाभी जी घर पर हैं' के अलावा शिल्पा शिंदे ने अपने टीवी करियर में 'भाभी', 'संजीवनी', 'आम्रपाली', 'मिस इंडिया', 'हरी मिर्ची लाल मिर्ची' और 'चिड़िया घर' जैसे शो में काम किया है।

वह 'बिग बॉस 11' में नजर आईं और 2018 में शो की विजेता बनीं। 2022 में वह 'झलक दिखला जा 10' में भी दिखीं। शिल्पा आखिरी बार 2024 में रोहित शेट्टी के रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 14' में नजर आई थीं।

पीएम मोदी से सतीश शाह को पद्मश्री देने की अपील

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने दिवंगत एक्टर को मरणोपरांत सम्मान देने के लिए लिखा पत्र

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर भारतीय सिनेमा और टीवी में उनके योगदान के लिए दिवंगत एक्टर सतीश शाह को मरणोपरांत पद्मश्री सम्मान देने की अपील की है। फेडरेशन ऑफ

वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने कहा कि सतीश शाह जैसे कलाकार को सम्मान देना पूरी इंडस्ट्री के लिए गर्व की बात होगी।

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने अपने पत्र में लिखा, "हम हाथ जोड़कर और पूरे सम्मान के साथ प्रधानमंत्री से अनुरोध करते हैं कि दिवंगत सतीश शाह को पद्मश्री सम्मान दिया जाए। वह देश के सबसे पसंद किए जाने वाले और प्रतिभाशाली कलाकारों में से एक थे।"

संगठन ने आगे लिखा, "सतीश शाह एक ऐसे कलाकार थे जिन्होंने अपनी एक्टिंग से करोड़ों लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाई। उनके शो 'ये जो है जिंदगी', 'साराभाई वर्सेस साराभाई', फिल्में 'जाने भी दो यारों', 'मैं हूं ना' और कई दूसरे प्रोजेक्ट्स लोगों के दिलों में आज भी जिंदा हैं।"

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने कहा कि पद्मश्री देना उनके काम और जीवन को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। लैटर में यह भी लिखा गया, "उनके जाने से सबके दिलों में एक खालीपन सा महसूस हो रहा है, जो उन्हें जानते थे या उनके काम से जुड़े थे। उन्हें पद्मश्री से सम्मानित करना सिर्फ एक कलाकार को नहीं, बल्कि उस इंसान को सम्मान देना होगा जिसने चार दशकों तक भारत को हंसाया और कई नए कलाकारों को प्रेरित किया।"

बता दें कि 74 साल के सतीश शाह का 25 अक्टूबर को निधन हुआ। वह पिछले कुछ समय से किडनी से जुड़ी बीमारी से जूझ रहे थे। उनका अंतिम संस्कार 26 अक्टूबर को मुंबई में किया गया। वहीं, सोमवार को उनके परिवार और दोस्तों ने प्रेयर मीट में शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

सतीश शाह ने अपने लंबे करियर में कई यादगार किरदार निभाए। टीवी शो 'साराभाई वर्सेज साराभाई' से उन्हें घर-घर में पहचान मिली थी। इसके अलावा उन्होंने 'जाने भी दो यारो' 'मैं हूं ना', और 'फना' जैसी कई फिल्मों में भी काम किया था।

'मेरे ख्याल से वे गलत दिशा में जा रहे हैं', मेगा बजट और पैन इंडिया फिल्मों पर राम गोपाल वर्मा ने उठाए सवाल

फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा की तमिल डेब्यू फिल्म 'शिवा' अगले महीने री-रिलीज होगी। इस बीच उन्होंने पैन इंडिया और मेगा बजट फिल्मों को लेकर बात की। उन्होंने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि बहुत सारी पैन-इंडियन फिल्मों में जबर्दस्त कहानी के बजाय विजुअल शानदार बनाने पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है।

फिल्म 'शिवा' का दिया उदाहरण

राम गोपाल वर्मा ने कहा कि साल 1989 में आई उनकी पहली फिल्म, जिसमें नागार्जुन एक कॉलेज फ्रेशर के रोल में दिखे, जो लोकल गुंडों, नेताओं और एक करप्ट स्टूडेंट लीडर के जाल में फंस जाता है। यह फिल्म समय की कसौटी पर खरी उतरी, क्योंकि इसमें हीरो को एक आम इंसान की तरह दिखाया गया था।

पैन इंडिया फिल्म पर कही ये बात

उन्होंने आगे कहा, 'तथाकथित बड़े बजट और पैन-इंडिया फिल्मों के साथ मेरी समस्या यह है कि वे कहानी को असरदार बनाने के लिए माहौल में सच्चाई लाने की बजाय, पूरा ध्यान प्रोडक्शन वैल्यू दिखाने पर लगाते हैं। मुझे लगता है कि वे गलत दिशा में जा रहे हैं। वे आपको लोकेशन, सेट और हर तरह के स्टंट से प्रभावित करना चाहते हैं'। फिल्म 'शिवा' के एक पॉपुलर सीन का उदाहरण देते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा कि लोगों को आज भी वह पल याद है जब नागार्जुन का किरदार सड़क पर गुंडों से लड़ने के लिए साइकिल की चेन तोड़ता है।

बोले 'शिवा' की कहानी रहेगी प्रासंगिक

उनके अनुसार, हीरो सिर्फ एक आम आदमी था, जो असाधारण हालात में फंसा। अगर आप मास मसाला फिल्में देखें, तो हीरो जबर्दस्त बैकग्राउंड म्यूजिक, स्लो मोशन, एलिवेशन शॉट्स और इन सब के साथ आता है, वह पहले ही फ्रेम से हीरो होता है। तो फिर उसकी कहानी का क्या मतलब है? आपको पहले से ही पता होता है कि वह सौ लोगों को पीटेगा, वह कोई कमजोर आदमी नहीं है'। वर्मा ने कहा कि 'शिवा' एक ऐसी कहानी है, जिससे लोग रिलेट कर सकते हैं और इसे किसी भी कॉन्फ्लिक्ट वाली सिचुएशन में सेट किया जा सकता है और यह फिर भी प्रासंगिक रहेगी।

कब री-रिलीज होगी 'शिवा'

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे नहीं लगता कि टाइम पीरियड जरूरी है, आप चीजें बदल सकते हैं, जैसे कॉलेज की जगह आप इसे अंडरवर्ल्ड में या यूनियनों में या जहां भी अशांति या किसी तरह की धमकी चल रही हो, वहां रख सकते हैं, जिस पल आप शिव का कैरेक्टर डालेंगे, सब कुछ बदल जाएगा'। उन्होंने बताया कि यह फिल्म कॉलेज में उनके अनुभवों से बनी है। बता दें कि फिल्म 'शिवा' 14 नवंबर को री-रिलीज होगी।

आखिर 'जटाधरा' के किन पहलुओं ने सोनाक्षी सिन्हा को किया आकर्षित?

साउथ अभिनेता सुधीर बाबू अभिनीत आगामी फिल्म 'जटाधरा' में सोनाक्षी सिन्हा अहम भूमिका में नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री की यह पहली साउथ फिल्म होने वाली है, जिसमें उन्हें खौफनाक अंदाज में देखा जाएगा। इस फिल्म की कहानी और अपने किरदार के बारे में सोनाक्षी ने बात की है। चलिए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

इस फिल्म में होगा सोनाक्षी का सबसे अलग किरदार

अभनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने अपनी आगामी फिल्म 'जटाधरा' पर बात की। अभिनेत्री को जब ये फिल्म ऑफर हुई थी, तो उस दौरान के अनुभव को एक्ट्रेस ने साझा किया है। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म में मेरी एक अलग भूमिका है, इसकी कहानी बहुत ही अलग है। यह सुपरनैचुरल और माइथोलॉजिकल फिल्म है, इसमें मिट्टी से जुड़ी कहानी है। आपने मुझे पहले कभी इस रोल में नहीं देखा होगा। यह मेरी पहली तेलुगु फिल्म है, इन्हीं सब कारणों की वजह से मैंने यह फिल्म चुनी।'

कब रिलीज होगी फिल्म?

यह फिल्म 7 नवंबर 2025 को हिंदी और तेलुगु में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इसमें दिव्या खोसला, सोनाक्षी सिन्हा, सुधीर बाबू और शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी और रोहित पाठक जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माणा जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा ने मिलकर किया है। इस फिल्म का निर्देशन वेंकट कल्याण और अभिषेक जायसवाल ने मिलकर किया है।

आंखों की तारीफ करते हुए पुलकित सम्राट ने पत्नी कृति खरबंदा को दी जन्मदिन की बधाई

पुलकित सम्राट ने अपनी पत्नी कृति खरबंदा के 35वें जन्मदिन को समुद्र तट पर खास तरीके से मनाया। पुलकित ने सोशल मीडिया हैंडल पर कई रोमांटिक तस्वीरें भी शेयर कीं। इसके साथ ही पुलकित ने पत्नी ने लिए एक रोमांटिक नोट भी लिखा।

पुलकित सम्राट का पोस्ट

पुलकित ने इंस्टाग्राम पर दोनों की रोमांटिक तस्वीरें शेयर कीं। तस्वीरों में वे रेत पर लेटे हुए एक-दूसरे की आंखों में खोए नजर आए। कृति लाल स्विमसूट में बहुत सुंदर लग रही हैं और पुलकित उन्हें प्यार से देख रहे हैं। इस पोस्ट के साथ पुलकित ने कैप्शन में लिखा, 'समुद्र का नमक हमारी त्वचा पर और डूबता सूरज तुम्हारी आंखों में... मुझे मेरा हमेशा का साथ मिल गया। जन्मदिन मुबारक, मेरा सबसे पसंदीदा नजारा @kriti.kharbanda'। पुलकित की इस पोस्ट पर सोफी चौधरी ने कृति को जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, 'हैप्पी बर्थ डे कृति- बहुत सारा प्यार।'

पुलकित सम्राट का वर्कफ्रंट

पुलकित सम्राट ने अपने करियर की शुरुआत टीवी शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से की थी। पुलकित की आने वाली वेब सीरीज का नाम 'ग्लोरी' है, जिसमें वह एक शक्तिशाली बॉक्सर की भूमिका निभाएंगे। इसके अलावा पुलकित फिल्म 'राहु केतु' में नजर आएंगे। फिल्म की आधिकारिक घोषणा की जा चुकी है। इस फिल्म में पुलकित और वरुण शर्मा की जोड़ी साथ में नजर आएगी। इन दोनों के अलावा इस फिल्म में शालिनी पांडे नजर आएंगी।

परेश रावल की 'द ताज स्टोरी' के खिलाफ दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई से दिल्ली हाईकोर्ट का इनकार

परेश रावल की फिल्म 'द ताज स्टोरी' के खिलाफ याचिका पर त्वरित सुनवाई से दिल्ली हाईकोर्ट ने इनकार कर दिया है। याचिका में फिल्म की रिलीज पर रोक की मांग की गई है। इस मामले में परेश रावल को हाईकोर्ट से राहत मिली है। आज बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि इसकी जरूरत नहीं है।

याचिका में क्या आरोप लगाए गए हैं?

दिल्ली हाई कोर्ट में 'द ताज स्टोरी' फिल्म की रिलीज को चुनौती देते हुए एक याचिका दायर की गई है। इसमें परेश रावल लीड रोल अदा कर रहे हैं। फिल्म के खिलाफ दायर याचिका में चिंता जताई गई है कि यह फिल्म ताजमहल के बारे में गलत थ्योरी फैलाती है और सांप्रदायिक सद्भाव के लिए खतरा पैदा कर सकती है। हालांकि, दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को फिल्म की रिलीज और सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) द्वारा इसे सर्टिफिकेट दिए जाने के खिलाफ दायर एक याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से मना कर दिया।

ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप

याचिका को लेकर बेंच ने कहा कि तुरंत सुनवाई की कोई जरूरत नहीं है और इसलिए मामले को जल्दी सुनवाई के लिए लिस्ट करने से मना कर दिया। याचिकाकर्ता, वकील शकील अब्बास ने कोर्ट से फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने और उसे दिए गए CBFC सर्टिफिकेट को रद्द करने की गुजारिश की थी। अपनी याचिका में, अब्बास ने दलील दी कि यह फिल्म ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करती है और इससे सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ सकता है। याचिका के अनुसार, यह फिल्म एक ऐसी थ्योरी को फिर से जिंदा कर रही है, जिसमें कथित तौर पर कहा गया है कि ताजमहल असल में एक हिंदू मंदिर था, इस दावे को कई जाने-माने इतिहासकारों और विद्वानों ने खारिज कर दिया है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

याचिका में आरोप लगाया गया है कि यह फिल्म ताजमहल के बारे में गलत और गुमराह करने वाली जानकारी देती है और राजनीतिक मकसद वाले एजेंडे को बढ़ावा देती है। याचिकाकर्ता ने चेतावनी दी है कि फिल्म में इस तरह के चित्रण के कथित तौर पर दूरगामी नतीजे हो सकते हैं, जिसमें सांप्रदायिक अशांति भड़कने का खतरा और ताजमहल की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना शामिल है, जो एक UNESCO वर्ल्ड हेरिटेज साइट है। याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि CBFC फिल्म की दोबारा जांच करे, एक डिस्क्लेमर जोड़े और कुछ आपत्तिजनक माने जाने वाले दृश्यों को हटाए। यह फिल्म 31 अक्तूबर को रिलीज होगी। तुषार अमरीश गोयल द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म को सुरेश झा ने प्रोड्यूस किया है। इसमें परेश रावल के अलावा जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, नमित दास और स्नेहा वाघ जैसे सितारे नजर आएंगे।

घर पर हेयर स्पा करके बचाएं पार्लर के पैसे, क्या है इसका सही तरीका

आजकल तेज जिंदगी और बढ़ती व्यस्तताओं के कारण लोगों के पास पार्लर जाकर हेयर स्पा कराने का समय कम ही होता है। वहीं महंगे सलून के खर्चों को देखते हुए भी बहुत से लोग पार्लर जाने से बचते है। ऐसे में अगर आप भी घर पर ही अपने बालों की देखभाल करना चाहते हैं और उन्हें स्वस्थ, मुलायम और चमकदार बनाना चाहते हैं, तो ये लेख आपके लिए बेहद उपयोगी है।

घर पर ही हेयर स्पा करना न केवल आपके समय और पैसे की बचत करता है, बल्कि ये बालों को किसी भी नुकसान से बचाने का सुरक्षित तरीका भी है। इस लेख में हम आपको बताएंगे घर पर हेयर स्पा करने का सबसे आसान तरीका, जिसके लिए आपको केवल घरेलू सामग्री और थोड़ी सी मेहनत की जरूरत होगी।

हेयर स्पा करने के लिए जरूरी चीजें

- नारियल तेल
- ऑलिव ऑयल
- अंडा
- हनी
- दही

पहले हेयर मास्क तैयार करें

घर पर ही हेयर स्पा करने के लिए सबसे पहले तो आपको हेयर मास्क तैयार करना है। इसके लिए एक कटोरी में सबसे पहले थोड़ा सा नारियल का तेल और ऑलिव ऑयल लेकर उसे अच्छी तरह से मिक्स करें।

अब इसमें अंडे का सफेद भाग, शहद भी डालकर चम्मच से मिक्स करें। इसके बाद इसमें थोड़ा सा दही मिलाने के बाद हेयर मास्क को तैयार करें। अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद ये हेयर मास्क तैयार है।

इस्तेमाल की विधि

हेयर मास्क तैयार करने के बाद इसका सही तरह से इस्तेमाल करना जरूरी है। इसके लिए सबसे पहले तो अपने बालों को अच्छी तरह से धो लें। बालो को धोने के बाद इनका पानी सुखा लें। पानी इतना सुखा लें कि बाल हल्के गीले रहें। क्योंकि अगर बाल हल्के गीले रहेंगे, तभी ये हेयर मास्क बालों पर असर करेगा।

अब हल्के गीले बालों पर तैयार हेयर मास्क को अप्लाई करें। इस मास्क को स्कैल्प से लेकर बालों के छोर तक लगाएं। इसे अप्लाई करने के बाद कम से कम 30–45 मिनट के लिए टॉवल या शॉवर कैप से ढकें। इसके बाद हल्के शैंपू से अपने बाल धो लें।

बरतें ये सावधानियां

अब आपके लिए जानना जरूरी है कि घर पर हेयर स्पा करते समय क्या-क्या सावधानी बरतें। इसके लिए ध्यान रखें कि बस 15 दिन में एक बार हेयर स्पा करना जरूरी है। हेयर मास्क बनाने से पहले एक बार सभी चीजों का पैच टेस्ट कर लें, ताकि अगर किसी सामग्री से एलर्जी हो तो पहले ही पता लग जाए। हेयक स्पा के बाद बालों को गर्म पानी से धोने से बचें।

खानपान के अलावा दिनचर्या की ये गलतियां बढ़ा देती हैं किडनी डैमेज का खतरा

किडनी हमारे शरीर के सबसे महत्त्वपूर्ण अंगों में से एक है। इसका काम शरीर में खून की सफाई करना है और शरीर को अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालना है। हमारे देश में बहुत से लोग किडनी की समस्याओं से परेशान हैं, कुछ लोगों को किडनी स्टोन है तो कुछ के दोनों किडनी ही डैमेज हो चुके हैं। इसके पीछे का एक बड़ा कारण है खराब जीवनशैली और खानपान।

खराब खानपान से किडनी डैमेज का खतरा बढ़ता है इसके बारे में लोगों को खूब मालूम है, लेकिन इसके अलावा हमारे जीवनशैली की और भी कई गलतियां होती हैं जो हमारे किडनी को प्रभावित करती हैं, जिसके बारे में सभी लोगों को जानना चाहिए। किडनी का काम खून से टॉक्सिन्स और अतिरिक्त पानी को निकालकर शरीर का संतुलन बनाए रखना है।

अक्सर जो लोग दफ्तरों में काम करते हैं वो सेडेंटरी लाइफस्टाइल जी रहे होते हैं। जब कोई व्यक्ति सेडेंटरी लाइफस्टाइल जीता है तो किडनी पर लगातार दबाव बढ़ता

रहता है, जिससे उसकी कार्यक्षमता धीरे-धीरे कम होती जाती है और अंत में किडनी फेलियर का जोखिम बढ़ जाता है। खास बात यह है कि हाई बीपी और डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियों के अलावा, कुछ रोजमर्रा की आदतें होती हैं जो किडनी डैमेज के जोखिम को बढ़ा देती हैं।

पेशाब रोकना है बड़ा खतरा

किडनी को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाने वाली आदतों में पेशाब को देर तक रोके रखना शामिल है। ऐसा करने से मूत्राशय और किडनी दोनों पर अनावश्यक दबाव बढ़ता है। इस दबाव के कारण आपको मूत्र मार्ग में संक्रमण और किडनी स्टोन बनने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसलिए जब भी आपको पेशाब महसूस हो, उसे रोकें नहीं और इस आदत को तुरंत छोड़ दें।

सुबह की चाय या पानी?

सुबह की शुरुआत चाय या कॉफी से करना आपके किडनी के लिए जोखिम भरा हो सकता है। रातभर शरीर में पानी की कमी रहती है। सुबह कैफीन लेने से किडनी पर और जोर पड़ता है। इसके बजाय सुबह उठते ही एक गिलास पानी पीना शुरू करें। यह पानी किडनी को फिल्टर करने में मदद करता है और रात भर जमा हुए टॉक्सिन्स को आसानी से बाहर निकाल देता है।

दर्द निवारक दवाओं से बचें

बिना डॉक्टर की सलाह के दर्द निवारक दवाएं लेना किडनी के लिए बहुत नुकसानदायक हो सकता है। इन दवाओं का लंबे समय तक अनियमित सेवन किडनी को स्थायी रूप से क्षति पहुंचा सकता है। इसलिए किसी भी तरह के दर्द के लिए अपनी मर्जी से दवाएं न लें, और हमेशा डॉक्टर से सलाह लेकर ही सीमित मात्रा में इनका उपयोग करें।

बचाव के लिए जीवनशैली

अगर आप भी उपर बताए गए गलतियां करते हैं तो उसे जल्द सुधार लें। साथ ही किडनी को लंबे समय तक स्वस्थ रखने के लिए आपको कुछ और आदतें बदलनी होंगी। नमक और चीनी का सेवन कम करें, और धूम्रपान व शराब से पूरी तरह बचें। रोजाना नियमित व्यायाम करें। अगर आपको पहले से डायबिटीज या हाई बीपी है, तो दवाएं समय पर लें और पर्याप्त पानी पीएं।

फटी एड़ियों को सही करने के लिए ट्राई करें ये नुस्खे

सर्दियों का मौसम आते ही एक आम समस्या लोगों के सामने आ खड़ी होती है। ये समस्या है एड़ियों के फटने की। दरअसल, ठंडी हवा और कम नमी के कारण पैरों की त्वचा रूखी और खुरदरी हो जाती है, जिससे एड़ियां फटने लगती हैं और चलने-फिरने में तकलीफ होती है। कई बार तो ये दिक्कत इतनी बढ़ जाती है कि डॉक्टर के पास तक जाना पड़ जाता है।

इसके लिए वैसे तो बाजार में तमाम तरह की

क्रीम मिलती हैं, लेकिन इनका असर भी कुछ समय तक ही रहता है। ऐसे में हम आपको बताएंगे कुछ घरेलू नुस्खों के बारे में, जो आपकी एड़ियों को नर्म और सॉफ्ट बना सकते हैं। इन उपायों में प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल किया जाता है, जो स्किन को मॉइस्चराइज करते हैं और फटने से रोकते हैं।

पहला नुस्खा

इस नुस्खे को ट्राई करने के लिए नारियल तेल और शुगर की जरूरत पड़ेगी। दोनों को एक साथ मिक्स करके अपने पैरों पर अप्लाई करें। इसके बाद हल्के साथ से पैरों में मसाज करें। हफ्ते में 2–3 बार शुगर स्क्रब से एक्सफोलिएट करें। इससे आपको जरूर फर्क दखेगा। इसके इस्तेमाल के समय ध्यान रखें कि चीनी पिसी हुई होनी चाहिए।

दूसरा नुस्खा

इस नुस्खे को ट्राई करने के लिए आपको गुलाब जल और शीया बटर की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए सबसे पहले तो गुलाब जल और शीया बटर मिलाकर पैक बनाएं। अब इस पैक को अपनी एड़ियों पर अप्लाई करें। 15 मिनट लगाने के बाद पैरों को गर्म पानी से धो लें।

तीसरा नुस्खा

आखिर में इस तीसरे नुस्खे को अगर ट्राई करना चाहते हैं तो उसके लिए आपको सिर्फ हल्दी और दूध की जरूरत पड़ेगी। तो बस एक कटोरी मे दो चम्मच दूध लेकर उसमें हल्दी मिक्स करें।फटी एड़ियों पर हल्दी और दूध का पेस्ट लगाएं। 10 मिनट बाद इसे पानी से साफ करें। कुछ ही दिन में आपको इसका असर दिखेगा।

बरतें ये सावधानियां

रोजाना दिन में दो बार पैरों को धोकर एड़ियों को मॉइस्चराइज करें।

जब ठंड ज्यादा बढ़ जाए तो मोजे पहनकर रखें और सर्दियों में एड़ियों को ढके रहें।

भोजन के कितनी देर बाद तक नहीं पीना चाहिए चाय

हमारे देश में बहुत से लोग ऐसे हैं जो चाय को खूब पसंद करते हैं। कुछ तो ऐसे भी हैं जो अगर दिनभर में 2-3 चाय न पीएं तो उनका दिन ही नहीं पूरा होता है। चाय पीने के समय और तरीकों को लेकर बहुत से लोगों के मन में कई सवाल होते हैं। एक सवाल ये भी होता है कि क्या भोजन के तुरंत बाद चाय पीना

चाहिए या नहीं।

विशेषज्ञों का स्पष्ट सुझाव है कि भोजन और चाय के सेवन के बीच कम से कम एक से दो घंटे (90 से 120 मिनट) का अंतर रखना ही बुद्धिमानी है। इसके पीछे एक पुख्ता वैज्ञानिक कारण है, जिसके बारे में आपको भी जानना चाहिए। चाय में टेनिन नामक एक तत्व पाया जाता है। जब आप पौष्टिक खाना खाने के तुरंत बाद चाय पीते हैं, तो यह टेनिन भोजन में मौजूद आवश्यक तत्वों, खासकर आयरन (लोहा) और प्रोटीन, के साथ चिपक जाता है।

इस कारण आपका शरीर पोषक तत्वों को पूरी तरह से सोख नहीं पाता है। इसका सीधा असर यह होता है कि आप कितना भी अच्छा खाना क्यों न खा लें, आपका शरीर उसके पोषण नहीं सोख पाएगा। लंबे समय तक इस आदत से आयरन की कमी (एनीमिया) हो सकती है, जिससे थकान और बालों के झड़ने जैसी समस्याएं पैदा होती हैं।

एसिडिटी और पाचन पर असर

खाने के तुरंत बाद चाय पीने से पेट में एसीड बहुत बढ़ जाती है। चाय खुद एसीडिक होता है, और यह पाचन के लिए बनने वाले जरूरी गैसट्रिक एसिड के साथ मिलकर समस्या पैदा करती है। इसके कारण आपको सीने में तेज जलन, अपच और गैस जैसी परेशानियां हो सकती हैं। यह आदत आपके पूरे पाचन तंत्र को प्रभावित करती है।

पाचन क्रिया में रुकावट

चाय में मौजूद कैफीन और टेनिन आपके पाचन तंत्र को धीमा कर देते हैं। भोजन करने के बाद, पाचन क्रिया पहले से ही धीमी गति से शुरू होती है। अगर आप तुरंत चाय पी लेते हैं, तो यह उस प्रक्रिया को और भी बाधित कर देती है। यही वजह है कि आपका भोजन पूरी तरह से पच नहीं पाता है और पेट में ही पड़ा रहता है, जिससे आपको पेट से जुड़ी अन्य समस्याएं (कब्ज) होने लगती हैं।

चाय का बेहतर विकल्प

अगर आपको भोजन के बाद कुछ पीने की बहुत इच्छा होती है, तो चाय के बजाय स्वस्थ विकल्प चुनें। आप गुनगुना पानी या सादा नींबू पानी पी सकते हैं। गुनगुना पानी आपके पाचन को सुचारु रूप से आगे बढ़ाने में मदद करता है। वहीं नींबू पानी आपको विटामिन-सी देता है। ये दोनों ही विकल्प चाय की तरह पोषण के अवशोषण को रोकते नहीं हैं, बल्कि पाचन क्रिया में सहायता करते हैं।

क्या करें?

अपनी सेहत को प्राथमिकता देते हुए, इस नियम को अपनाना जरूरी है, भोजन से सभी पोषक तत्वों का पूरा लाभ लेने के लिए, नाश्ते या दोपहर के खाने के बाद कम से कम एक घंटे तक चाय पीने से बचें। यह एक घंटे का अंतर आपके शरीर को आयरन और प्रोटीन सोखने का पूरा समय देता है। यह एक छोटी-सी आदत में बदलाव आपके स्वास्थ्य में बहुत बड़ा सुधार ला सकता है।

कमर से लेकर पैर तक होता है दर्द कहीं ये साइटिका का संकेत तो नहीं

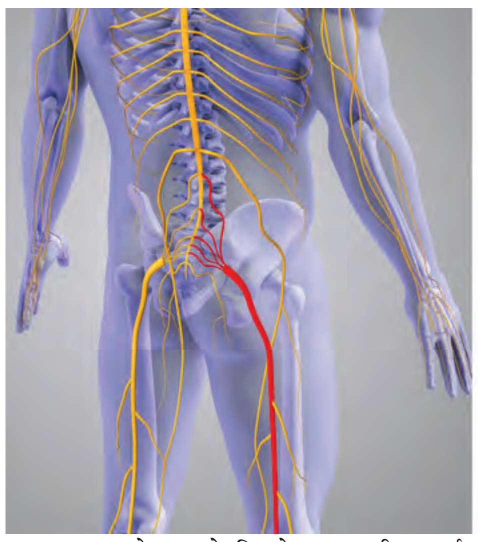

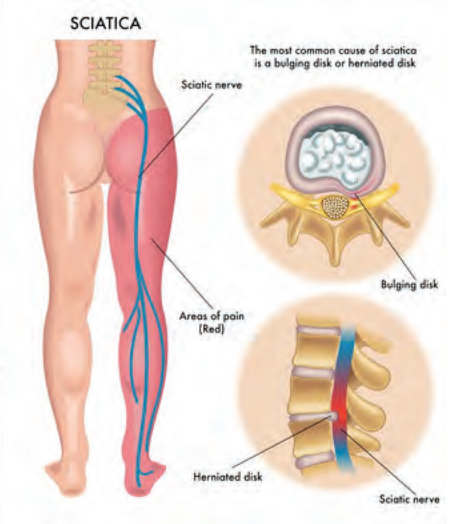

अगर आपको कमर के निचले हिस्से से शुरू होकर कूल्हों से होते हुए पैर के पिछले हिस्से तक तीव्र दर्द महसूस होता है, तो यह सामान्य कमर दर्द नहीं, बल्कि साइटिका का संकेत हो सकता है। साइटिका शरीर की सबसे लंबी नस (साइटिक नर्व) के दब जाने या उसमें सूजन आ जाने के कारण होता है।

यह नस रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से से शुरू होकर दोनों पैरों के पिछले हिस्से से गुजरती हुई पैर के अंगूठे तक जाती है। जब इस नस पर किसी वजह से दबाव पड़ता है (जैसे स्लिप डिस्क या हड्डी का बढ़ना), तो पूरे तंत्रिका मार्ग में असहनीय दर्द, जलन और सुन्नपन महसूस होता है।

50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में या उन लोगों में यह समस्या आम है जो लंबे समय तक एक ही जगह पर बैठकर काम करते हैं। इस दर्द की तीव्रता हल्के से लेकर असहनीय तक हो सकती है, जो बैठने, खड़े होने या कभी-कभी छींकने पर भी बढ़ जाती है। आइए इसके शुरूआती लक्षणों के बारे में जानते हैं।

साइटिका के मुख्य लक्षण

इस दर्द की सबसे बड़ी पहचान है इसका फैलना। दर्द पीठ के निचले हिस्से से शुरू होकर नितंबों से होता हुआ एक या दोनों पैरों के पिछले हिस्से में जाता है, और कई बार यह पिंडली तक या पैर के अंगूठे तक पहुंच जाता है। इसका कई बार बहुत असहनीय भी हो सकता है।

असामान्य लक्षण

दर्द के साथ-साथ प्रभावित पैर में सुन्नपन, झुनझुनी या 'पिन और सुई' चुभने जैसा अनुभव होना भी साइटिका के स्पष्ट लक्षण हैं। इस वजह से रोगी को चलने-फिरने या पैर पर पूरा वजन डालने में कठिनाई होती है।

दर्द की प्रकृति

साइटिका का दर्द बैठने या आगे की ओर झुकने पर अक्सर बढ़ जाता है, जबकि लेटने पर इसमें कुछ राहत मिल सकती है। तीव्र दर्द के कारण व्यक्ति को लंबे समय तक खड़े रहना भी मुश्किल हो जाता है, और कभी-कभी ऐसा लगता है जैसे पैर ने काम करना बंद कर दिया है।

क्या करें?

यदि दर्द एक सप्ताह से अधिक समय तक बना रहे, या यदि आपको प्रभावित पैर में कमजोरी, सुन्नपन या मूत्राशय पर नियंत्रण खोने (असंयम) का अनुभव होता है तो आपको बिना देरी किए तुरंत न्यूरोलॉजिस्ट या स्पाइन विशेषज्ञ से संपर्क करना चाहिए। अगर समय रहते इसका अच्छा इलाज हो जाए, तो ये बीमारी ठीक हो सकती है।

स्टेबलाइजर के ऊपर भूलकर भी नहीं रखनी चाहिए ये चीजें

आजकल किसी के घर में भी टीवी, फ्रिज जैसी चीजें होना आम बात है। दरअसल, ये आज की जरूरतें भी हैं जिसके कारण लोग इन चीजों को रखते हैं। वहीं, आपने ये भी देखा होगा कि एसी, टीवी और फ्रिज जैसी चीजों के साथ लोग स्टेबलाइजर लगाते हैं। दरअसल, जब लाइट की वोल्टेज अधिक आती है तो स्टेबलाइजर इसे नियंत्रित करता है और वोल्टेज कम होने पर इसे बढ़ाने का काम भी करता है।

इससे टीवी, फ्रिज और एसी जैसी चीजें खराब होने से बचती हैं। इसलिए लोग साथ में स्टेबलाइजर लगवाते हैं। वहीं, कई लोग स्टेबलाइजर के ऊपर कई सामान रख देते हैं। कोई सजावट के लिए कुछ रख देता है, तो कोई कुछ और रख देता है। पर आपके लिए ये जानना जरूरी हो जाता है कि स्टेबलाइजर के ऊपर आपको क्या नहीं रखना चाहिए। वरना बड़ा नुकसान हो सकता है। तो चलिए जानते हैं स्टेबलाइजर

के ऊपर कौन सी चीजें नहीं रखनी चाहिए। आगे आप इस बारे में जान सकते हैं...

स्टेबलाइजर के ऊपर इन चीजों को न रखें:-

नंबर 1

स्टेबलाइजर के ऊपर पानी का जग, गिलास आदि कभी नहीं रखना चाहिए। स्टेबलाइजर एक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है और अगर इसके अंदर पानी गिर जाए तो आपको करंट लग सकता है या शॉर्ट सर्किट भी हो सकता है। इसलिए कभी भी स्टेबलाइजर के ऊपर पानी रखने से बचना चाहिए।

नंबर 2

स्टेबलाइजर के अंदर हीट बनती है जिसकी वजह से ये गरम हो जाता है। ऐसे में अगर इसके आसपास कोई दूसरा या इसके ऊपर कोई अन्य इलेक्ट्रॉनिक आइटम रखा है, तो ऐसा न करें। जैसे, कई लोग अपना मोबाइल चार्ज करने के लिए स्टेबलाइजर के ऊपर रख सकते हैं या रखते हैं, तो ऐसा बिल्कुल न करें।

नंबर 3

अगर आपके घर में भी स्टेबलाइजर है तो गलती से भी आपको इसके ऊपर तेल या परफ्यूम नहीं रखना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि ये दोनों ही आग को सपोर्ट करते हैं। ऐसे में अगर कोई शॉर्ट सर्किट होता है तो इनसे आग लगने की संभावना काफी बढ़ सकती है। इसलिए ऐसा न करें।

नंबर 4

स्टेबलाइजर के ऊपर कभी भी कोई पेपर या कपड़ा रखने से बचें। कई लोग कपड़े से स्टेबलाइजर को ढक देते हैं। पर आपको समझना होगा कि स्टेबलाइजर में हीट होती है और कपड़ा या पेपर आग पकड़ सकता है। इसलिए कभी स्टेबलाइजर को किसी कपड़े से न ढकें और न ही पेपर रखें।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की जीडीपी दर 7% तक पहुंचने की उम्मीद : सीईए अनंत नागेश्वरन

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।भारत ने वैश्विक चुनौतियों का बेहतरीन तरीके से सामना किया है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने यह टिप्पणी की। उन्होंने विश्वास जताया कि वित्त वर्ष 2026 में जीडीपी ग्रोथ रेट सात प्रतिशत तक पहुंच सकती है। इंडिया मैरीटाइम वीक में बोलते हुए नागेश्वरन ने कहा कि तीन वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने हाल ही में भारत की रेटिंग बढ़ाई है। अगर देश इसी राह पर चलता रहा तो भारत जल्द ही 'ए' रेटिंग श्रेणी में आ सकता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था सकारात्मक स्थिति में है

उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने लचीलापन दिखाया है। सरकार और आरबीआई की ओर से उठाए गए कदमों के कारण यह सकारात्मक स्थिति देखने को मिली। अनंत ने कहा कि इस वर्ष भारतीय अर्थव्यवस्था ने वैश्विक अनिश्चितताओं व टैरिफ संबंधी घटनाक्रमों पर जिस प्रकार प्रतिक्रिया दी है, उससे हमें काफी संतुष्ट होना चाहिए।उन्होंने कहा कि आयकर में राहत और हाल ही में जीएसटी सुधार सहित नीतिगत उपायों ने वित्त वर्ष 2026 के लिए वास्तविक रूप से इस वर्ष की आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं को बेहतर बनाकर लगभग सात प्रतिशत तक पहुंचा दिया है।

नागेश्वरन ने की थी जीडीपी वृद्धि में कटौती

फरवरी में, नागेश्वरन ने अनुमान लगाया था कि वित्त वर्ष 2026 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत तक गिर सकती है। अमेरिका के टैरिफ कदमों के कारण उन्हें अपनी उम्मीद को और घटाकर छह प्रतिशत करना पड़ा था।

बैंक ऋण वृद्धि पर क्या बोले नागेश्वरन

बैंक ऋण वृद्धि में सुस्ती की आलोचना का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए हमें अर्थव्यवस्था में कुल संसाधन जुटाने पर गौर करना चाहिए। इसमें गैर-बैंक ऋणदाताओं, वाणिज्यिक पत्र, जमा प्रमाणपत्र, इक्विटी बाजार आदि के माध्यम से जुटाई गई धनराशि भी शामिल है। आरबीआई के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले छह वर्षों में अर्थव्यवस्था में कुल संसाधन जुटाने में 28.5 प्रतिशत प्रति वर्ष की वृद्धि हुई है। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब निजी पूंजीगत व्यय में सुस्त वृद्धि को लेकर व्यापक चिंता जताई जा रही है। नागेश्वरन ने जोर देकर कहा कि आरबीआई ने ब्याज दरों में कटौती की है और अर्थव्यवस्था में पर्याप्त धन उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए तरलता उपाय किए हैं।

बिना कर्ज का बोझ बढ़ाए प्रति व्यक्ति आय में हुई वृद्धि

नागेश्वरन ने कहा कि सरकार वित्तीय अनुशासन, स्थिरता, कम मुद्रास्फीति और उद्योगों के लिए कम उधारी लागत को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत ने बिना कर्ज के बोझ को बढ़ाए अपनी प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हासिल की है।

भारतीय समुद्री के सामने कई चुनौतियां

उनके अनुसार, भारतीय समुद्री उद्योग भी वही चुनौतियां झेल रहा है जो व्यापक अर्थव्यवस्था के सामने हैं, कच्चे माल की उपलब्धता, अधोसंरचना अंतराल, प्रतिभा की कमी, प्रौद्योगिकी अंतर और लागत संबंधी दिक्कतें। उन्होंने इन्हें दूर करने के लिए नीतिगत सुधार, उदारीकरण और सरकारी वित्तीय सहयोग को जरूरी बताया।

अडानी ग्रुप के शेयरों में तेजी, 48,550 करोड़ बढ़ गया मार्केट कैप, आखर कहां से मिली गुड न्यूज?

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के तीसरे बड़े औद्योगिक घराने अडानी ग्रुप के शेयरों में बुधवार को भारी तेजी आई। इस तेजी से एक ही दिन में ग्रुप की कंपनियों का मार्केट कैप 48,550 करोड़ बढ़ गया। निवेशकों को ग्रुप की मुख्य कंपनियों अडानी ग्रीन एनर्जी और अडानी टोटल गैस के शानदार तिमाही नतीजे पसंद आए। इन नतीजों ने पूरे अडानी ग्रुप के कारोबार में एक नई जान फूंक दी है। इन नतीजों ने ग्रुप की सभी 10 लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में उछाल ला दिया। अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में सबसे ज्यादा उछाल देखा गया। इसके मार्केट कैप में 14,464 करोड़ का इजाफा हुआ। कंपनी के शेयर बीएसई पर 14% चढ़कर 1,145 के इंट्राडे हाई पर पहुंच गए। कंपनी ने सितंबर तिमाही में पिछले साल की तुलना में अपने नेट प्रॉफिट में 111% की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की। यह बढ़कर 583 करोड़ हो गया। हालांकि कंपनी की टोटल इनकम पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 4% घटकर 3,249 करोड़ रही।

किसमें कितनी तेजी

अडानी टोटल गैस के शेयर 8.7% चढ़कर 675 के इंट्राडे हाई पर पहुंच गए। इससे

कंपनी का मार्केट कैप में 3,558 करोड़ की बढ़ोतरी हुई। अडानी एंटरप्राइजेज का मार्केट कैप 3.14% बढ़कर 7,877 करोड़ हो गया। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन के शेयर 2.83% चढ़े और कंपनी का मार्केट कैप 7,517 करोड़ बढ़ गया।

अडानी पावर के शेयर 2.51% चढ़े। इससे कंपनी का मार्केट कैप 6,460 करोड़ बढ़ गया। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयरों में 5.22% और मार्केट कैप में 5,988 करोड़ की बढ़ोतरी हुई। अंबुजा सीमेंट्स का मार्केट कैप 2,175 करोड़ और एसीसी लिमिटेड का 161 करोड़ बढ़ा। अडानी विल्मर के एग्री बिजनेस में 305 करोड़, एनडीटीवी में 32 करोड़ और संगही इंडस्ट्रीज में 11 करोड़ का इजाफा हुआ। सभी शेयरों में तेजी से अडानी ग्रुप का मार्केट कैप 48,550 करोड़ बढ़ गया।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 369 चढ़ा, निफ्टी 25000 के पार

मुंबई, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और ताजा विदेशी पूंजी प्रवाह के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी देखने को मिली। इस बीच भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बुधवार को सकारात्मक दायरे में बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 368.97 अंक या 0.44 प्रतिशत उछलकर 84,997.13 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 477.67 अंक या 0.56 प्रतिशत बढ़कर 85,105.83 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 117.70 अंक या 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,053.90 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में अडानी पोर्ट्स, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, एचसीएल टेक, टाटा स्टील, सन फार्मा, ट्रेंट और एशियन पेंट्स प्रमुख लाभ में रहे। वहीं भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, इटर्नल, महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति पिछड़ने वालों में शामिल रहे।एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजार ज्यादातर बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। मंगलवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि एशियाई बाजारों से सकारात्मक संकेतों और वैश्विक व्यापार गतिशीलता पर बेहतर स्पष्टता के समर्थन से घरेलू बाजार मजबूत रुख के साथ बंद हुआ। भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में संभावित प्रगति को लेकर आशावाद ने धारणा को और मजबूत किया। उन्होंने कहा कि आगामी फेड निर्णय वैश्विक बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण घटना है। हालांकि 25 आधार अंकों की दर में कटौती की व्यापक रूप से उम्मीद है, निवेशक आगे की दर कटौती के लिए इसकी टिप्पणी पर बारीकी से नजर रखेंगे, जो भविष्य के बाजार प्रक्षेपवक्र को निर्देशित करेगा।

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 64.55 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.23 प्रतिशत बढ़कर 64.55 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 10,339.80 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। मंगलवार को सेंसेक्स 150.68 अंक या 0.18 प्रतिशत गिरकर 84,628.16 पर बंद हुआ। निफ्टी 29.85 अंक या 0.11 प्रतिशत गिरकर 25,936.20 पर बंद हुआ।

खामोशी से बड़ा काम कर गए रतन टाटा के छोटे भाई

कॉर्पोरेट दुनिया से हमेशा रहते हैं दूर

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। टाटा ट्रस्ट्स में एक खामोशी बहुत कुछ कहती है। दिवंगत रतन टाटा के छोटे भाई जिमी नवल टाटा ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। 85 साल के जिमी टाटा सर रतन टाटा ट्रस्ट (एसआरटीटी) के ट्रस्टी हैं। यह वोटिंग मेहली मिस्त्री को आजीवन ट्रस्टी के तौर पर फिर से नियुक्त करने के बारे में थी। जिमी टाटा ने वोटिंग से दूरी बनाए रखी लेकिन उनकी यह खामोशी बहुत मायने रखती है। वह हमेशा कॉर्पोरेट दुनिया से दूर रहते हैं और उन्हें आखिरी बार पिछले साल 10 अक्टूबर को मुंबई में रतन टाटा के अंतिम संस्कार में सार्वजनिक रूप से देखा गया था। एसआरटीटी में वोटिंग का एक अनोखा तरीका है। यहां किसी भी प्रस्ताव को पास होने के लिए सभी ट्रस्टियों की सर्वसम्मति जरूरी होती है। ऐसे में जिमी का वोट न देना काफी अहम था। उनका एक वोट एसआरटीटी और टाटा ट्रस्ट्स के बड़े फैसलों को प्रभावित कर सकता है। हालांकि वह आमतौर पर बोर्ड की चर्चाओं और फैसलों से दूर ही रहते हैं। एसआरटीटी में अगर एक भी ट्रस्टी किसी प्रस्ताव के खिलाफ वोट कर दे, तो वह प्रस्ताव फेल हो जाता है। वहीं, सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट (एसडीटीटी) में प्रस्तावों को पास होने के लिए सिर्फ बहुमत की जरूरत होती है।

कॉर्पोरेट दुनिया से दूरी

जब टी ओआई ने जिमी टाटा से टाटा ट्रस्ट्स में चल रही घटनाओं के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा, मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा। एसआरटीटी और एसडीटीटी की संयुक्त बैठकों के रिकॉर्ड बताते हैं कि जिमी 17 अक्टूबर 2024 को हुई उस बैठक में शामिल नहीं हुए थे। इसी बैठक में किसी ट्रस्टी को आजीवन नियुक्त करने जैसी महत्वपूर्ण बातें तय हुई थीं। जिमी टाटा फिलहाल पुणे में रहते हैं। वह टाटा ग्रुप खासकर टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस के अंदरूनी मामलों से अच्छी तरह वाकिफ रहते हैं। अपनी वसीयत में रतन टाटा ने अपनी जुहू वाली प्रॉपर्टी में अपना हिस्सा, गहने और चांदी की चीजें जिमी को सौंपी थीं। जिमी टाटा संस के 3,262 शेयर के मालिक भी हैं, जिनकी कीमत करोड़ों रुपये है। उन्हें यह ट्रस्टीशिप अपने पिता नवल टाटा की वसीयत से मिली थी।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 06-13
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त. 17-46
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - कार्तिक शुक्ल पक्ष गुरुवार 30 October
तिथि - अष्टमी 10-06 तक नवमीं
नक्षत्र - श्रवण 18-33 तक धनिष्ठा
योग - शूल 07-20 तक वृद्धि
करण - बव 10-06 तक उप बालव
व्रत गोपाष्टमी
त्योहार अक्षय आंवला नवमी

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य -	तुला	मे	तुला----	05-23 बजे
चंद्र -	मकर	मे	वृश्चिक...	07-36 बजे
मंगल-	वृश्चिक	मे	धनु......	09-46 बजे
बुध -	वृश्चिक	मे	मकर...	11-53 बजे
गुरु	कर्क	मे	कुंभ....	13-43 बजे
शुक्र -	कन्या	मे	मीन....	15-21 बजे
शनि	मीन	मे	मेष.....	16-47 बजे
राहु	कुंभ	मे	वृष....	18-40 बजे
केतु	सिंह	मे	मिथुन..	20-42 बजे
			कर्क...	22-55 बजे
			सिंह---	01-06 बजे
			कन्या--	03-13 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-26 से 14-52 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06-13 - 07-41	शुभ	अमृत	17-48 - 19-18	शुभ
रोग	07-41 - 09-07	अशुभ	चंचल	19-18 - 20-52	शुभ
उत्पात	09-07 - 10-33	अशुभ	रोग	20-52 - 22-26	अशुभ
चंचल	10-33 - 11-59	शुभ	काल	22-26 - 23-59	अशुभ
लाभ	11-59 - 13-26	शुभ	लाभ	23-59 - 01-34	शुभ
अमृत	13-26 - 14-52	शुभ	उत्पात	01-34 - 03-08	अशुभ
काल	14-52 - 16-18	अशुभ	शुभ.	03-08 - 04-41	शुभ
शुभ	16-18 - 17-46	शुभ	अमृत	04-41 - 06-13	शुभ

भारत की जीडीपी पर भारी अमेरिका की एनवीडिया

मार्केट कैप 5 ट्रिलियन के पार

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। एआई चिप बनाने वाली अमेरिका की कंपनी एनवीडिया ने इतिहास रच दिया है। मंगलवार को कारोबार के दौरान कंपनी का मार्केट कैप 5 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया। एनवीडिया यह मुकाम हासिल करने वाली दुनिया की पहली कंपनी है। कंपनी का मार्केट कैप भारत की जीडीपी (4.19 ट्रिलियन डॉलर) से ज्यादा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान से एनवीडिया के शेयरों में 5% से अधिक तेजी आई और इसका मार्केट कैप 300 अरब डॉलर बढ़ गया। ट्रंप का कहना है कि वह चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ इस हफ्ते होने वाली मीटिंग में एनवीडिया के ब्लैकवेल चिप के बारे में बात करेंगे। उन्होंने कहा कि एनवीडिया के सीईओ और फाउंडर जेंसन हुआंग ने ओवल ऑफिस में उन्हें ब्लैकवेल चिप भेंट की थी। इससे कंपनी के शेयरों में काफी तेजी आई और पहली बार इसकी कीमत 200 डॉलर के पार पहुंच गई। एसएंडपी 500 भी इतिहास में पहली बार 6,900 अंक के पार पहुंच गया। अप्रैल 2025 के निचले स्तर से इसका मार्केट कैप 18 ट्रिलियन डॉलर बढ़ चुका है।

कौन-कौन हैं टॉप 10 में

एनवीडिया फिलहाल 4.894 ट्रिलियन डॉलर के साथ दुनिया की सबसे वैल्यूबल कंपनी है। माइक्रोसॉफ्ट 4.029 ट्रिलियन डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर है। मंगलवार को कंपनी के शेयरों में करीब दो फीसदी तेजी आई। इस लिस्ट में आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐपल 3.992 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ तीसरे नंबर पर है।

गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट 3.239 ट्रिलियन डॉलर के साथ चौथे, ऐमजॉन ($2.444 ट्रिलियन) पांचवें, मेटा प्लेटफॉर्म्स ($1.887 ट्रिलियन) छठे, ब्रॉडकॉम ($1.761 ट्रिलियन) सातवें, सऊदी अरामको ($1.669 ट्रिलियन) आठवें, टीएसएमसी ($1.563 ट्रिलियन) नौवें और टेस्ला ($1.531 ट्रिलियन) दसवें नंबर पर है।

सैलरी नहीं ये 4 'गंदी आदतें' मिडिल क्लास को बना रहीं कंगाल

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। काफी मिडिल क्लास लोगों की समस्या होती है कि उनकी सैलरी ज्यादा नहीं है। इसलिए वे वैसे बचा नहीं पाते हैं। लेकिन एक एक्सपर्ट में मिडिल क्लास की आदतों पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि भारत का मिडिल क्लास कम कमाई की वजह से नहीं, बल्कि पैसों की गलत आदतों की वजह से फंसा हुआ है। डाइम की फाउंडर चंद्रलेखा एमआर ने यह बात लिंक्डइन पर कही है। उन्होंने अपनी पोस्ट ऐसी चार ऐसी आदतों के बारे में बताया है जो चुपके से भारतीय मिडिल क्लास को ना सिर्फ गुजारा करने के चक्र में फंसाए रखती हैं, बल्कि आर्थिक तरक्की के रास्ते पर ले जाने से भी रोकती है। उन्होंने लिखा है कि भारत का मिडिल क्लास कड़ी मेहनत करता है, ठीक-ठाक कमाता है, और फिर भी पैसे बनाने के लिए संघर्ष करता है। यह कमाई की कमी की वजह से नहीं, बल्कि वित्तीय ढांचे की कमी की वजह से है। आम तौर पर क्या होता है? सैलरी आती है, बिल और ईएमआई में चली जाती है। और अगर कुछ बचता है तो उसे बचा लिया जाता है। उन्होंने कहा कि यह वित्तीय योजना नहीं है। यह वित्तीय अस्तित्व है। चंद्रलेखा का तर्क है कि पैसों की ज्यादातर समस्याएं गणित की नहीं, बल्कि व्यवहार की होती हैं। चंद्रलेखा ने अपनी पोस्ट में अमीर लोगों के प्लान का जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि अमीर लोग एक ढांचे का पालन करके ज्यादा कमाते हैं। वह पहले वित्तीय सुरक्षा को महत्व देते हैं। इसके बाद वे स्थिरता और फिर आजादी चाहते हैं।

आ गया सोना खरीदने का सही समय!

पीक से 13,000 रुपये नीचे आ चुकी है कीमत

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोने की कीमत में हाल में काफी गिरावट आई है। सोना अपने पीक लेवल से लगभग 12,700 रुपये नीचे आ चुका है। इस गिरावट ने उन निवेशकों को चिंता में डाल दिया है जो कुछ हफ्ते पहले तक सोने की बढ़ती कीमतों का फायदा उठा रहे थे। सोने का भाव अपने ऑल-टाइम हाई यानी 1,32,294 रुपये प्रति 10 ग्राम से गिरकर अब लगभग 1,19,351 रुपये पर आ गया है। यह लगभग 9.7% की गिरावट है। एमसीएक्स पर 5 दिसंबर की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,19,646 रुपये पर बंद हुआ था और आज सपाट 1,19,647 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 120230.00 रुपये तक हाई और 119351.00 रुपये तक लो गया। 12.10 बजे यह 541 रुपये की तेजी के साथ 1,20,187 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। चांदी 1,633 रुपये की तेजी के साथ 1,45,975 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गया।

क्यों आ रही है गिरावट?

फिलहाल सोने के भाव में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। बड़े वैश्विक घटनाक्रमों के कारण बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमतें 4,000 डॉलर प्रति औंस और चांदी 47 डॉलर से नीचे गिर गई हैं। जानकारों का कहना है कि अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव कम होने के संकेत मिले हैं, जिससे सोने जैसी सुरक्षित निवेश की मांग थोड़ी कम हुई है। साथ ही बाजार इस हफ्ते फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों पर फैसले का इंतजार कर रहा है। यह गिरावट सिर्फ अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक ही सीमित नहीं है। भारत में भी सोने के वायदा कारोबार पर दबाव देखा गया।

मंगलवार को एमसीएक्स पर दिसंबर महीने के सोने का अनुबंध 10 ग्राम के लिए 1,19,646 रुपये पर बंद हुआ, जो 1.08% की गिरावट थी। कारोबार के दौरान सोना एक बार 1,18,450 रुपये तक गिर गया था, लेकिन बाद में थोड़ी रिकवरी दिखाई।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आप सच्चे और ईमानदार लोगों से मिलना पसंद करते हैं । लेकिन आज आपकी मुलाक़ात उनसे होगी जो मुखौटे लगाये रखते हैं । उन्हें पहचानने की कोशिश करें । आपसे जल्दी फैसले लेना समय की मांग रहेगी । किसी भी फैसले को अंतिम रूप देने से पहले अच्छी तरह सोच लें और फैसले लेने तक कोई भी अन्य काम न करें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
अगर आप आज रसोईघर में बनने वाले खाने के बारे में सोच रहे हैं तो बिलकुल सही सोच रहे हैं। आज आपको कोई विशेष पकवान खाने को मिल सकता है ।अपनी सेहत का ध्यान रखें और साफ़ सफाई बनाये रखें ।आपके मित्र के को हुई ग़लतफ़हमी आज दूर हो सकती है । अप्रत्याशित श्रोतों से आय होने की भी संभावना है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा । लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे । यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपको आज खुद का ही चिंतन करना है । आपके जीवन में इस समय सब कुछ सही चल रहा है ,फिर भी आपको एक प्रकार की बेचैनी महसूस हो रही है जिसे आप व्यक्त नही कर पा रहे । इसका एकमात्र समाधान यह है कि आप खुद के बारे में शांत दिमाग से सोचें जिससे आपको अपनी स्थितियों को बेहतर तरीके से देखने में मदद मिलेगी और आप सही समाधान खोज पायेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज सावधान रहें । आपके प्रतिद्वंदी आपके खिलाफ योजनाये बनाकर आपको नुक्सान पहुंचाने की कोशिश करेंगे लेकिन आप आसानी से उनपर जीत हासिल कर पायेंगे,मजेदार तो यह है कि खुद उन्हें भी आपकी उपलब्धि के लिए आपकी तारीफ करनी होगी । इस गंभीर स्थिति को थोडा हल्का-फुल्का बनाने के लिए दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपकी सोच आज अद्भुत रूप से साफ़ और स्पष्ट है और आज आप अपने कार्यों के आने वाले समय में लाभ का बिलकुल ठीक अंदाजा लगा पायेंगे । इसीलिए आज का दिन आपके रास्ते में आने वाले अवसरों और निवेश का मुलांकन करके किसी सही निर्णय पर पहुंचने के लिए बिलकुल ठीक है । आप आज अपने आसपास के लोगों में से भी अपने शुभचिंतकों को पहचान पायेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज का दिन कुछ अनिश्चित सा है ,आपको संवेदनशील लोगो से बात करते हुए अधिक सावधान रहना होगा । यह समय सामना करने और फैसले लेने के लिए भी उपयुक्त है । आप जिन अवांछित स्थितियों से बचना चाहते थे ,आपको उनमें खींचा जाएगा । कुछ कठोर निर्णय लेने होंगें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपका दिमाग आज बहुत सक्रिय है ,आप उर्जा और प्रेरणा से भरे हैं । आपके दिमाग में नयी योजनायें आती रहेंगी जिन्हें आप आसानी से कार्यान्वित भी कर पायेंगे । आपकी समस्या आज यही रहेगी की आपके दिमाग में आज लगातार नए विचारों की बाढ़ सी आती रहेगी । आप अपने आसपास के सभी लोगों को भी अधिक प्रेरित कर पायेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपको अपनी स्थिति ,विशेषकर वित्तीय स्थिति पर अच्छी तरह विचार करने की आवशयकता है । बहुत खर्च करने में आनंद आ सकता है लेकिन इससे आपके परिवार की वित्तीय स्थिति पर भी बुरा असर पड़ सकता है ,आपको यह जानना होगा । जहां तक वित्तीय स्थिति का सवाल है,आपको ठंडे दिमाग से काम लेते हुए और परिजनों की बात भी सुननी चाहिए ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप थोड़े से अभिमान में रहेंगे और उसी के प्रभाव में रहकर सोचेंगे और काम करेंगे । इसी के कारण आप किसी बड़े अधिकारी से बात करते हुए आँखें नही मिला पायेंगे । यह अच्छा होगा या बुरा,यह आज आपको सोचना है ,हमारी सलाह यह है की आज अपने दिमाग की सुनें । व्यवहार कुशलता का परिचय दें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा । विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खीचेंगी । अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें । इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा । भले ही आपको इस समय यह सही ना लग रहा हो ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपके पास पिछले कामों की भरमार रहेगी,आप पिछले कुछ समय से अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाह रहें हैं,आज का दिन आपके उन सब कामों के लिए बहुत अच्छा है । आपको अपने कामो को पूरा करने के लिए इच्छाशक्ति,अनुशासन और एकाग्रता से काम लेना होगा । जिस काम की आप अच्छी खासी योजना बनाये हुए हैं,उसे सफलता में बदलने के लिए अपनी पूरी उर्जा को उसमें लगा दें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

संभावित औषधीय जड़ी-बूटियों की आधुनिक कृषि-प्रौद्योगिकी विकसित करना आज की आवश्यकता : स्वामी रामदेव

जैव विविधता ही कृषि प्रणाली की सफलता की कुंजी : श्रद्धेय आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय, पतंजलि ऑर्गेनिक रिसर्च इंस्टिट्यूट, आरसीएससीएनआर-1 के तत्वावधान में और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के सहयोग से, भरुवा एग्री साइंस के संयुक्त प्रयास में 'स्वस्थ धरा' योजना के अंतर्गत 'मृदा स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्रबंधन द्वारा गुणवत्तापूर्ण जड़ी-बूटियों की सतत खेती' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 28 अक्टूबर को पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन एवं पतंजलि विश्वविद्यालय के सहयोग से विश्वविद्यालय सभागार में संपन्न हुई। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वस्थ पृथ्वी, स्थायी कृषि, दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देना और इसे वैश्विक स्तर पर मजबूत करना था। इसमें राष्ट्रीय और क्षेत्रीय किसान, शोधकर्ता, कृषि विशेषज्ञ और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ शामिल हुए, जिन्होंने मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने के तकनीकी उपायों पर चर्चा की। कार्यक्रम में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति परम श्रद्धेय

आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने मुख्य अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र और स्मृति चिह्न भेंट करके किया। शुभारम्भ दीप प्रज्वलन, स्वस्थ धरा और श्री चंद्रमोहन की टीम के समूहगान से हुआ। स्वागत उद्बोधन डॉ. ए.के. मेहता, निदेशक तकनीकी, उद्यानिकी, पतंजलि ऑर्गेनिक रिसर्च इंस्टिट्यूट ने दिया। आचार्य श्री ने अपने प्रेरक संबोधन में योग, ऋषि और हरित क्रांति का संदेश देते हुए कहा कि रसायनों के अत्यधिक प्रयोग से मूक धरती पीड़ा झेल रही है, जिसका दुष्प्रभाव आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य पर पड़ेगा। उन्होंने कृत्रिम खेती के स्थान पर जैविक खेती अपनाने का आग्रह किया। स्वामी जी के अनुसार देश में कुल फूड प्रोसेसिंग का 10% कार्य होता है, जिसमें पतंजलि की भागीदारी 8% है। आंवला, एलोवेरा, अनाज और तिलहन उत्पादन में पतंजलि अग्रणी है। संस्था प्रकृति, पर्यावरण और धरती के संरक्षण हेतु समर्पित है तथा बायो कंपोस्ट और आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों पर निरंतर अनुसंधान कर रही है। भारत सरकार के सहयोग से पतंजलि ने 80,000 से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया है।

प्रौद्योगिकी के साथ मृदा प्रबंधन में क्रांतिकारी बदलावों की बात करते हुए कहा कि फसल उत्पादकता को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों में मृदा प्रबंधन एक बुनियादी प्रक्रिया है जो भूमि स्वास्थ्य और कृषि स्थिरता को प्रभावित करती है। आज खेती में प्रौद्योगिकी की बढ़ती केंद्रीय भूमिका से मृदा प्रबंधन में क्रांतिकारी बदलाव आ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से हमारे किसान मृदा परीक्षण, मिट्टी प्रबंधन, फसल नियोजन, सिंचाई और कीट नियंत्रण में सुधार कर सकते हैं। उन्होंने तकनीकी एकीकरण से टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने और संबंधित चुनौतियों के समाधान पर भी विशेष बल दिया।

छत्तीसगढ़ में कारोबारियों के घर एसीबी-ईओडब्ल्यू की रेड

रायपुर, दुर्ग, धमतरी, राजनांदगांव में छापा, 10 गाड़ियों में पहुंची टीम, डीएमएफ घोटाले में कार्रवाई

रायपुर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में एसीबी और ईओडब्ल्यू की संयुक्त टीमों ने बुधवार सुबह छापेमारी की है। रायपुर, राजनांदगांव, दुर्ग और धमतरी में कार्रवाई की है। रायपुर में पचपेड़ी नाका स्थित वॉलफोर्ट इन्क्लेव में अशोक और अमित कोठारी के घर टीम ने रेड की है। इनका कारोबार कृषि कच्चा माल, खाद्य पदार्थ से जुड़ा है।

राजनांदगांव में तीन कारोबारियों के ठिकानों पर छापा मारा गया है। राधाकृष्ण अग्रवाल के यहां दबिश दी गई है। इनका कोल माइंस का कारोबार है। वहीं ललित भंसाली, जो टेंट कारोबार से जुड़े हैं, सरकारी स्कूलों के सामान का सप्लायर है। यश नाहटा भी सप्लायर हैं और कंप्यूटर, टीवी सहित अन्य सामान की सप्लाई करते हैं।

दुर्ग में महावीर नगर स्थित कारोबारी नीलेश पारख के यहां जांच की गई, जबकि धमतरी के सिर्री में 5 घंटे की कार्रवाई के बाद टीम लौट गई है। यहां ईओडब्ल्यू की टीम सुबह 7 बजे ठेकेदार अभिषेक त्रिपाठी के घर दबिश

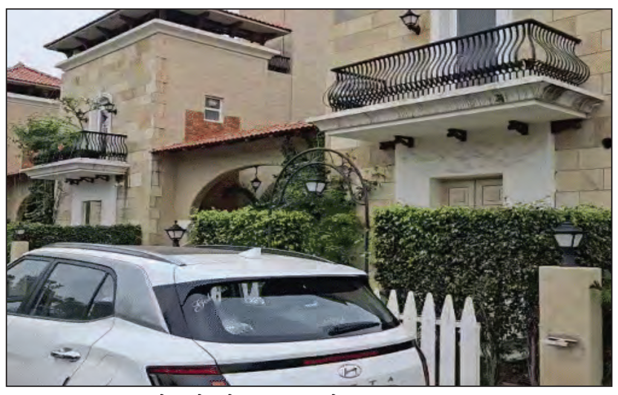

थी। डीएमएफ घोटाले से जुड़ी जांच के तहत कार्रवाई की गई।

यह जांच डीएमएफ फंड के तहत सरकारी सप्लाई में अनियमितताओं और कमीशन लेनदेन को लेकर की जा रही है। टीमें फिलहाल शासकीय सप्लाई से जुड़े दस्तावेजों और वित्तीय रिकॉर्ड की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि ईओडब्ल्यू घोटाले में पहले भी कई बड़े अधिकारी जेल जा चुके हैं। हालांकि, अब तक अधिकारियों की ओर से किसी भी कार्रवाई को लेकर आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से जारी की गई जानकारी के मुताबिक ईडी की रिपोर्ट के आधार पर ईओडब्ल्यू ने धारा 120 बी 420 के तहत केस दर्ज किया है। इस केस में यह तथ्य निकल कर सामने आया है कि डिसट्रिक्ट माइनिंग फंड कोरबा के फंड से अलग-अलग टेंडर आवंटन में बड़े पैमाने पर आर्थिक अनियमितताएं की गईं है।

टेंडर भरने वालों को अवैध लाभ पहुंचाया गया। ईडी के तथ्यों के मुताबिक टेंडर करने वाले संजय शिंदे, अशोक कुमार अग्रवाल, मुकेश कुमार अग्रवाल, ऋषभ सोनी और बिचौलिए मनोज कुमार द्विवेदी, रवि शर्मा, पियूष सोनी, पियूष साहू, अब्दुल और शेखर नाम के लोगों के साथ मिलकर पैसे कमाए गए। डिसट्रिक मिनरल फंड (डीएमएफ) घोटाला मामले में कलेक्टर को 40%, सीईओ 5%, एसडीओ 3% और सब इंजीनियर को 2% कमीशन मिला। डीएमएफ के वर्क प्रोजेक्ट में करप्शन के लिए फंड खर्च के नियमों को बदला गया था।

फंड खर्च के नए प्रावधानों में मटेरियल सप्लाई, ट्रेनिंग, कृषि उपकरण, खेल सामग्री और मेडिकल उपकरणों की कैटेगरी को जोड़ा गया था, ताकि संशोधित नियमों के सहारे डीएमएफ के तहत जरूरी डेवलपमेंट वर्क को दरकिनार कर अधिकतम कमीशन वाले प्रोजेक्ट को अप्रूव किया जा सके।

दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

दो की हालत गंभीर, ट्रेलर की चपेट में आने से हुआ हादसा

भाटापारा, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाटापारा में एक भीषण सड़क हादसे ने इलाके में सनसनी फैला दी। ग्राम खोलवा स्थित लक्ष्मी अपार्टमेंट के सामने बुधवार को चार लोगों से सवार एक बाइक ट्रेलर की चपेट में आ गई। हादसा इतना भयावह था कि दो व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को तत्काल समुचित इलाज के लिए अस्पताल रवाना किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही भाटापारा ग्रामीण थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसा तेज रफ्तार और ओवरटेक करने के दौरान बताया जा रहा है। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा ट्रेलर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

राहुल सिंह गिरोह के चार अपराधी गिरफ्तार

एनटीपीसी टंडवा फायरिंग कांड का खुलासा, हथियार और पर्चे बरामद

चतरा, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। चतरा पुलिस ने राहुल सिंह गिरोह के चार हथियारबंद अपराधियों को गिरफ्तार कर एनटीपीसी टंडवा फायरिंग कांड का खुलासा किया है। टंडवा एसडीपीओ सह एएसपी प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने पिपरवार थाना क्षेत्र के कारो मैदान से इन अपराधियों को पकड़ा।

पुलिस कप्तान सुमित कुमार अग्रवाल को गुप्त सूचना मिली थी कि ये अपराधी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया। टीम ने कारो मैदान के पास छापेमारी कर चारों सदस्यों को धर दबोचा।

चार हस्तलिखित पर्चे बरामद

गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने 7.65 एमएम के दो पिस्टल, 7.65 एमएम की 10 जिंदा गोलियां, तीन एंड्रॉयड फोन और गिरोह के नाम से लिखे 'राहुल सिंह आज़ाद सरकार' के चार हस्तलिखित पर्चे बरामद किए

हैं। एसडीपीओ बरवार ने बताया कि इन गिरफ्तारियों से खलारी कोयलांचल और एनटीपीसी टंडवा क्षेत्र में हुई दो प्रमुख आपराधिक वारदातों का खुलासा हुआ है। इनमें राजधर रेलवे साइडिंग और टंडवा में फ्लाई ऐश की गाड़ियों पर की गई फायरिंग की घटनाएं शामिल हैं।

गिरोह का मुख्य उद्देश्य रंगदारी वसूलना

पुलिस के अनुसार, राहुल सिंह गिरोह कोयलांचल क्षेत्र में अपना आतंक कायम करना चाहता था। गिरोह का मुख्य उद्देश्य कोयला कारोबार से जुड़े लोगों, ट्रांसपोर्टरों और व्यापारियों के बीच दहशत फैलाकर मोटी रंगदारी वसूलना था।

इस कार्रवाई से क्षेत्र के कारोबारियों ने राहत महसूस की है।

गिरफ्तार किए गए अपराधियों की पहचान असजद रजा, शाहजहां अंसारी, महफुज आलम और गुलजार अंसारी के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पत्नी से अवैध संबंध का शक, युवक को मार डाला

दोनों को साथ घूमता देख पति ने हत्या कर दी, ससुर ने भी दो बार चाकू मारा

धमतरी, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के धमतरी में मातर मड़ई की रात हुई एक युवक की हत्या मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी रिश्ते में दामाद और ससुर हैं। पति को शक था कि उसकी पत्नी का युवक के साथ अवैध संबंध है। इसी शक में उसने अपने ससुर के साथ मिलकर युवक की हत्या कर दी। यह मामला केरेगांव थाना क्षेत्र का है। घटना 25 अक्टूबर की रात ग्राम माकरदोना बेहड़ापारा में एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। उसका खून से लथपथ शव मातर मड़ई के कार्यक्रम स्थल से करीब 200 मीटर दूर मिला।

गांव में 24 अक्टूबर को मातर मड़ई का कार्यक्रम था। इसी रात हमलावरों ने चाकू से 5 से ज्यादा वार कर युवक की हत्या कर दी। मृतक की पहचान ग्राम झूरातराई निवासी भानु प्रताप मांडवी (24) के रूप में हुई। मौके पर पहुंची पुलिस और एफएसएल टीम ने जांच की। डॉक्टरों द्वारा की गई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला कि युवक की हत्या हुई है। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि किसी धारदार हथियार से हमला कर युवक की हत्या की गई थी।

भानु प्रताप मांडवी रामदयाल का बेटा था और धमतरी में आटा चक्की में काम करता था। भानु प्रताप 23 अक्टूबर को काम पर जाने की बात कहकर घर से निकला था और 24 अक्टूबर को मातर मड़ई के लिए अपने चाचा पुनूराम मांडवी के घर माकरदोना आया हुआ था।

मृतक के भाई राकेश मांडवी ने बताया कि भानु प्रताप के शरीर पर चाकू से 5 से ज्यादा वार के निशान थे, जिसमें दो वार दिल के पास थे। पुलिस की पूछताछ में पता चला कि मुकेश विश्वकर्मा ने मातर मड़ई के कार्यक्रम में पत्नी को भानु प्रताप के साथ घूमते देख लिया था। इसे लेकर दोनों के बीच विवाद भी हुआ था। इस दौरान मुकेश ने पत्नी को थप्पड़ भी मारा था। दरअसल, मुकेश को पहले से अपनी पत्नी और भानूप्रताप के बीच अवैध संबंध शक था। इसी के चलते उसी रात आरोपी ने गुस्से में आकर भानु प्रताप मंडावी की चाकू से हमलाकर हत्या कर दी। इस वारदात में उसके ससुर दुर्जन विश्वकर्मा ने भी साथ दिया। इस संदेह पर पुलिस ने आरोपी दामाद मुकेश विश्वकर्मा और उसके ससुर दुर्जन विश्वकर्मा को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में दोनों आरोपियों हत्या के जुर्म को स्वीकार कर लिया। आरोपी मुकेश विश्वकर्मा ने बताया कि उसने पारिवारिक विवाद और अपनी पत्नी से अवैध संबंध के चलते भानु प्रताप पर चाकू से वार किया।

ब्राउन शुगर के साथ एक गिरफ्तार

स्कूटी पर बेचने की फिराक में था आरोपी, 12 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त

गुमला, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुमला पुलिस ने ब्राउन शुगर की खरीद-फरोख्त करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुमन तिर्की (40) के रूप में हुई है, जिसके पास से कुल 12 ग्राम ब्राउन शुगर और एक स्कूटी जब्त की गई है। उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गुमला थाना क्षेत्र के बरिसा रानी बगीचा स्थित आम बगान के पास एक स्कूटी सवार लड़का ब्राउन शुगर बेच रहा है। सूचना मिलते ही गुमला एसपी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक छापामारी दल का गठन किया।

स्कूटी सवार ने भागने का किया प्रयास

छापामारी दल सूचना का सत्यापन करने और आवश्यक कार्रवाई के लिए बरिसा रानी बगीचा पहुंचा। पुलिस को देखते ही स्कूटी सवार आरोपी भागने की

कोशिश करने लगा, जिसे सशस्त्र बल ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम सुमन तिर्की, पिता सोमरा उरांव, पता लक्ष्मण नगर, गुमला बताया। उसकी तलाशी लेने पर पैंट से 2 ग्राम ब्राउन शुगर की एक पुड़िया मिली। इसके अतिरिक्त, स्कूटी की डिक्की से प्लास्टिक की पुड़िया में 10 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई, जिससे कुल 12 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की गई।

सुमन तिर्की ने पूछताछ में बताया कि वह ब्राउन शुगर गढ़वा से खरीद कर लाया था और उसे बेचने के लिए रुका हुआ था। इसके बाद, सुमन तिर्की को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया। बरामद सभी सामानों की विधिवत जब्ती सूची बनाकर उन्हें जब्त कर लिया गया।

किशोरी का शव डोभा से मिला

दो दिन पहले घर से हुई थी लापता, वन विभाग की नर्सरी से लाश बरामद, हत्या की आशंका

धनबाद, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। धनबाद जिले के टुंडी थाना क्षेत्र में बुधवार को एक 17 वर्षीय किशोरी का शव बरामद किया गया। यह शव बरमसिया पासाटांड़ स्थित वन विभाग की नर्सरी परिसर में बने पानी भरे डोभा से मिला। मृतका की पहचान खुशबू कुमारी के रूप में हुई, जिसके पिता सुरेश दास ने शव की शिनाख्त की।

जानकारी के अनुसार, खुशबू दो दिन पहले अपने घर से लापता हो गई थी। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की शिकायत टुंडी थाना में दर्ज कराई थी।

बुधवार की सुबह ग्रामीणों ने डोभा में एक शव उपलाते हुए देखा, जिसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई।

मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को डोभा से बाहर निकलवाया। पहचान होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

ट्रक ने 4 को कुचला, 2 भाइयों की मौत

बलौदाबाजार, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में ट्रक ने बाइक सवार 4 लोगों को कुचल दिया। हादसे में 2 भाइयों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं नाबालिग लड़की समेत 2 गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक 28 अक्टूबर की सुबह ग्राम खोपरा में एक बाइक पर 4 लोग सवार होकर घूमने निकले थे, तभी उनकी बाइक सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। मामला भाटापारा थाना क्षेत्र का है। यह घटना मेन रोड पर लक्ष्मण अपार्टमेंट के पास हुई। इस हादसे का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है।

झारखंड में चक्रवाती तूफान मोंथा का असर

रांची, कोडरमा, हजारीबाग सहित कई जिलों में बारिश, आज 10 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

रांची, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। चक्रवाती तूफान मोंथा ने झारखंड में दस्तक दे दी है। मंगलवार शाम से राजधानी रांची समेत कई जिलों में बारिश शुरू हो गई। दिनभर आसमान में बादल छाए रहे। शाम होते ही रिमझिम फुहारें पड़नी शुरू हो गईं। बारिश का यह सिलसिला देर रात तक जारी रहीं। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात के प्रभाव से राज्य में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है।

अगले दो दिनों तक राज्य के कई जिलों में बारिश होने की संभावना जताई गई है। रांची मौसम केंद्र के प्रभारी अभिषेक आनंद ने बताया कि 30 और 31 अक्टूबर को रांची, हजारीबाग, रामगढ़, बोकारो, चतरा, गिरिडीह, खूंटी, गुमला,

लोहरदगा, लातेहार, साहिबगंज, गोड्डा और दुमका में बारिश हो सकती है। वहीं 30 अक्टूबर को 10 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राजधानी रांची में मंगलवार शाम 5.30 बजे तक 12 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि जमशेदपुर में 30 मिमी तक बारिश हुई। राज्य का अधिकतम तापमान 29 और न्यूनतम 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पिछले 24 घंटे में रांची का तापमान 25-26 डिग्री के आसपास रहा। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों तक तेज हवा के साथ बारिश हो सकती है। निचले इलाकों में जल जमाव की संभावना है। इसका असर उत्तर दिशा की ओर बढ़ रहा है। मौसम केंद्र ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। रांची जिला प्रशासन ने तूफान से किसानों को संभावित नुकसान को देखते हुए एडवाइजरी जारी की है। प्रशासन ने कहा है कि जिन खेतों में धान, मक्का या अन्य फसलें कटाई के लिए तैयार हैं, उन्हें तुरंत न काटें। कटी फसल को खेतों से हटाकर सुरक्षित स्थान पर रखें और प्लास्टिक शीट या तिरपाल से ढक दें। यदि हवा या बारिश से फसल को नुकसान होता है, तो किसान इसकी सूचना टोल फ्री नंबर 14447 पर दें या मोबाइल नंबर 9431427940 पर फसल की तस्वीर भेजें।

घर में पकड़ाया 12 फीट का अजगर

रात भर पेड़ पर करता रहा अटखेलियां, नहीं पहुंची वन विभाग की टीम, सर्पमित्र ने किया रेस्क्यू

रांची, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। रांची जिले के टाटीसिलवे थाना क्षेत्र के मिश्रा टोला में मंगलवार की शाम उस वक्त हड़कंप मच गया जब श्रीकांत मिश्रा के घर में करीब 10 से 12 फीट लंबा अजगर निकल आया।

घर के आंगन में अचानक विशाल सांप को देखकर परिजनों के साथ-साथ आस-पड़ोस के लोग भी डर के मारे चीख पड़े। कुछ ही देर में आसपास के लोग वहां जुट गए।

मोबाइल से वीडियो बनाने लगे। अजगर के विशाल आकार को देखकर लोगों में दहशत का माहौल बन गया।

घटना की मिली जानकारी के अनुसार, अजगर रेंगते हुए पहले घर के दरवाजे के पास पहुंचा, फिर धीरे-धीरे आंगन की ओर बढ़

गया। वहां मौजूद लोगों ने उसे भगाने की कोशिश की, लेकिन वह आंगन में स्थित आम के पेड़ पर चढ़ गया।

देखते ही देखते वह करीब 25 फीट की ऊंचाई तक जा पहुंचा और शाखाओं पर लिपटकर हिलने-डुलने लगा। ग्रामीणों ने बताया कि पेड़ की डालियों पर वह ऐसे फड़फड़ा रहा था मानो "डांस" कर रहा हो। इस दृश्य को देखने के लिए मोहल्ले के कई लोग जमा हो गए। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक पेड़ के नीचे तमाशबीन बने रहे।

स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना तुरंत वन विभाग को दी। बताया गया कि टाटीसिलवे रेंज कार्यालय में फोन कर रेस्क्यू टीम भेजने की गुहार लगाई गई, लेकिन देर रात तक कोई टीम मौके पर नहीं पहुंची थी।

अजगर रातभर पेड़ पर लिपटा रहा और समय-समय पर अपनी स्थिति बदलता रहा। ग्रामीणों ने बताया कि विभाग की टीम की देरी के कारण लोगों में काफी नाराजगी है।

इसके बाद आज वन विभाग से संबद्ध सर्पमित्र आ कर उसे पेड़ से उतारा और लेकर गए। यह घटना पूरे मोहल्ले में चर्चा का विषय बना रहा। कुछ लोग इसे अद्भुत दृश्य बता रहे थे।

नौ महीने कोख में पाला पैदा होते ही फेंक दिया

रोने की आवाज से पसीजा लोगों का दिल

जगदलपुर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। मां की ममता को झकझोर देने वाली एक दिल दहला देने वाली घटना ने जगदलपुर को भावुक कर दिया। एक मां ने मेडिकल कॉलेज डिमरापाल के पास स्थित माता रुक्मिणी आश्रम के पीछे झाड़ियों में एक नवजात बच्ची को फेंक दिया गया था। रोने की मासूम आवाज सुनकर ग्रामीणों के कदम रुक गए और उसी आवाज ने एक नन्हीं जान को मौत के मुंह से खींच निकाला।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार की सुबह कुछ ग्रामीण मवेशी चराने के लिए आश्रम के पीछे जंगल की ओर गए थे। तभी उन्हें झाड़ियों के बीच से किसी बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। ग्रामीण जब पास पहुंचे तो उन्होंने एक नवजात बच्ची को देखा। ग्रामीणों ने तुरंत उसे उठाकर कपड़े में लपेटा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तुरंत बच्ची को मेकाज अस्पताल (मेडिकल कॉलेज जगदलपुर) में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि बच्ची का वजन लगभग 600 ग्राम है।

फिलहाल डॉक्टरों की टीम उसकी देखभाल में जुटी हुई है। पुलिस ने बताया कि बच्ची को झाड़ियों में छोड़ने वाली मां या परिजनों की तलाश शुरू कर दी गई है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आसपास के इलाकों में पूछताछ की जा रही है।

सीजीपीएससी घोटाला: 4 आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट से बेल

इनमें पूर्व चेयरमैन टामन के बेटे-भतीजे, कारोबारी श्रवण के बेटे-बहू शामिल, सोनवानी ने कॉपी कराया था पेपर

रायपुर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) घोटाला केस में सुप्रीम कोर्ट ने 4 आरोपियों को जमानत दे दी है। रायपुर जेल में बंद पीएससी के पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी के बेटे नितेश सोनवानी, भतीजे साहिल सोनवानी, कारोबारी श्रवण गोयल के बेटे शशांक गोयल और बहू भूमिका कटियार को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। यह सभी आरोपी पिछले कुछ महीनों से न्यायिक हिरासत में थे। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए जमानत मंजूर की है। इन पर सीजीपीएससी परीक्षा घोटाले के चयन प्रक्रिया में गड़बड़ी और गलत तरीके से पहुंचाने के आरोप लगाए गए हैं। मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) कर रही है।

30 सितंबर को 2000 पन्नों का पहला पूरक चालान हुआ था पेश छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) घोटाला मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) ने 30 सितंबर को स्पेशल कोर्ट में 2000 पन्नों का पहला पूरक चालान पेश हुआ था। इस चालान में घोटाले से जुड़े कई अहम खुलासे किए गए। एजेंसी ने सीजीपीएससी के पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी को घोटाले का मास्टरमाइंड बताया है।

इसके अलावा आरती वासनिक, जीवन किशोर ध्रुव, निशा कोसले और दीपा आडिल को भी आरोपी बनाया गया है। सभी आरोपियों की भूमिका का विस्तार से जिक्र करते हुए सीबीआइ ने सबूतों और गवाहों के आधार पर कोर्ट को जानकारी दी है। फिलहाल, सभी आरोपी सीबीआइ की न्यायिक रिमांड में जेल में बंद हैं। मामले में अब तक 12 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

सीबीआइ के मुताबिक, टामन ने परीक्षा का पर्चा लीक कर घर पर साहिल, नीतेश, उसकी पत्नी निशा कोसले और दीपा आदिल को दिया। परीक्षा में दीपा जिला आबकारी अधिकारी, निशा डिप्टी कलेक्टर, साहिल डीएसपी और नीतेश डिप्टी कलेक्टर बने।

ललित गणवीर ने पर्चा बजरंग पावर एंड इस्पात के डायरेक्टर श्रवण गोयल को दिया। उनके बेटे शशांक, बहू भूमिका ने उससे तैयारी की। दोनों डिप्टी कलेक्टर पद पर चुने गए।

सीजीपीएससी 2021 की परीक्षा में प्री और मेन्स दोनों के सभी सेट लीक हुए थे। ये लीक तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक ने चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी, उप परीक्षा नियंत्रक ललित गणवीर और सचिव जीवन किशोर ध्रुव ने मिलकर किया।

पर्चे छापने का ठेका कोलकाता के अरुण द्विवेदी की प्रिंटिंग प्रेस मेसर्स एकेडी प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया था। कंपनी ने प्रिलिम्स के 2 पर्चे तैयार किए थे। इसमें सामान्य अध्ययन और छत्तीसगढ़ से संबंधित 100 प्रश्नों का प्रश्न पत्र था।

बालोद जिले के किसानों पर फसल बर्बादी का कहर

बालोद, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। बालोद जिले के गुण्डरदेही विधानसभा क्षेत्र के किसान इन दिनों एक विकट आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। ग्राम परसाडीह में लगभग एक हजार एकड़ में बोई गई धान की फसल में से करीब 500 एकड़ फसल माहू नामक बीमारी के प्रकोप से पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। छोटे-बड़े सभी किसान इस अनपेक्षित आपदा से हताश हैं और अपनी तबाह हुई फसलों को देखकर फूट-फूट कर रो रहे हैं।

ग्राम परसाडीह के किसान गोपाल साहू ने अपनी कर्ज और बर्बाद हुई फसल की व्यथा सुनाते हुए कहा कि वह छोटे किसान हैं और कर्ज लेकर खेती करते हैं। इस बार माहू बीमारी ने उनकी सारी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी कमाई का एकमात्र जरिया ही तबाह हो गया है। अपनी बर्बाद फसल के कारण वे सरकार से मदद की गुहार लगा रहे हैं।

एक अन्य किसान, सामंत साहू, जिन्होंने 25 एकड़ में खेती की थी, बताया कि उनकी केवल 10 एकड़ फसल ही सुरक्षित बची है, जबकि 15 एकड़ पूरी तरह से नष्ट हो गई है। उन्होंने अपनी फसलों पर लगभग 1,00,000 की दवाइयों का छिड़काव भी किया, लेकिन उसका कोई असर नहीं हुआ।

माहू के प्रकोप से खेत अब पूरी तरह बंजर हो गए हैं और किसानों की उम्मीदें टूट चुकी हैं। इस विपदा से प्रभावित किसानों ने जिला प्रशासन के पास मुआवजे की मांग को लेकर आवेदन जमा किए हैं।

इजराइल ने गाजा पर सीजफायर तोड़कर हमला किया

104 की मौत, इनमें 46 बच्चे, ट्रम्प ने हमले का समर्थन किया

तेल अवीव, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजा में सीजफायर लागू होने के बीच इजराइल ने एक बार फिर हवाई हमले किए। इनमें कम से कम 104 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई, जिनमें 46 बच्चे हैं। जबकि 253 लोग घायल हैं।

9 अक्टूबर को इजराइल-हमास के बीच सीजफायर लागू होने के बाद यह सबसे बड़ा हमला है। हालांकि बाद में इजराइली सेना ने कहा कि गाजा में युद्धविराम फिर से बहाल हो गया है।

पहले इजराइल ने दावा किया था कि हमास ने सीजफायर का उल्लंघन कर गाजा में तैनात उसके सैनिकों पर हमला किया। इसके जवाब में यह कार्रवाई की गई। हालांकि हमास ने आरोपों से इनकार किया और कहा है कि वह सीजफायर का पालन कर रहा है।

इजराइल की ओर से किए गए हवाई हमलों में गाजा सिटी, खान यूनिस, बेत लहिया और अल-बुरैज जैसे घनी आबादी वाले इलाकों को निशाना बनाया गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइली हमले का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि अपने सैनिक की हत्या के बाद इजराइल ने जवाबी कार्रवाई की है। उन्होंने यह भी दावा किया कि इस हमले से युद्धविराम को खतरा नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हमास को संयम बरतना होगा।

हमास ने सोमवार रात एक इजराइली बंधक का शव का टुकड़ा ताबूत में लौटाया। बाद में जांच से पता चला कि ये ओफिर त्जारफाती के शव का हिस्सा था, जिसे इजराइली सेना दिसंबर 2023 में ही ढूंढ चुकी थी।

इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हमास के लोग त्जारफाती के अवशेषों को एक इमारत से निकालकर खोदे हुए बड़े गड्ढे में डालते हैं। फिर वो बॉडी बैग को मिट्टी से ढक देते हैं।

इसके बाद रेड क्रॉस के सामने वो नाटक करते हैं कि उन्होंने इसे पहली बार अभी-अभी खोजा है। पूरी घटना को इजराइली ड्रोन ने कैमरे में कैद कर लिया।

इससे इजराइली लोगों का गुस्सा बढ़ गया। उन्हें लगा कि हमास जानबूझकर झूठ बोल रहा है और इजराइल का मजाक उड़ा रहा है। इसके बाद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस पर चर्चा करने के लिए एक इमरजेंसी बैठक बुलाई और हमले का आदेश दिया।

इजराइली रक्षामंत्री बोले- हमास ने 'रेड लाइन' क्रॉस की

इजराइल और हमास के बीच तनाव एक बार फिर तेज हो गया है। इजराइली रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने आरोप लगाया कि हमास ने गाजा में मौजूद इजराइली सैनिकों पर हमला किया और मृत बंधकों के शव लौटाने के समझौते का उल्लंघन किया।

उन्होंने कहा कि हमास ने रेड लाइन क्रॉस की है और अब उसकी इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उधर, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार रात बयान जारी कर हमास के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के आदेश दे दिए हैं।

नेतन्याहू ने हमास पर यह भी आरोप लगाया है कि युद्धविराम समझौते के तहत जो शव लौटाए गए वह इजराइल के नहीं हैं।

ताजिकिस्तान का अयनी एयरबेस भारत के हाथों से निकला

दोस्त रूस बना रहा था प्रेशर, पाकिस्तान के खिलाफ खो दिया ट्रंप कार्ड?

दुशांबे/नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत अब ताजिकिस्तान में रणनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण, अयनी एयरबेस का संचालन नहीं करता है। भारत ने साल 2002 से इस एयरबेस के डेवलपमेंट और ऑपरेशन में मदद की थी। हालांकि इसके बंद होने की खबरें मंगलवार को आईं हैं, लेकिन पता चला है कि असल में ये एयरबेस साल 2022 में ही भारत के हाथ से निकल गया था। दिप्रिंट ने सूत्रों के हवाले से बताया है, कि भारत ताजिकिस्तान के साथ मिलकर लीज के तहत इस एयरबेस को ऑपरेट कर रहा था। जिसके बाद साल 2021 में, ताजिकिस्तान ने भारत को सूचित किया था कि लीज अवधि आगे नहीं बढ़ाई जाएगी और इसलिए, नई दिल्ली को वहां तैनात अपने सैनिकों और उपकरणों को वापस बुलाना होगा।

अयनी एयरबेस से भारत का हटना दक्षिण एशिया के रणनीतिक संतुलन में बहुत बड़ा बदलाव माना जा रहा है। अयनी एयरबेस की खासियत इसकी लोकेशन थी। यह एयरबेस अफगानिस्तान, पाकिस्तान और चीन के करीब होने के वजह से भारत को जियो-पॉलिटिकल बढ़त देता था। भारत ने साल 2002 में अमेरिका के वॉर ऑन टेरर शुरू होने के दौरान इस जर्जर सोवियत-कालीन बेस को आधुनिक रूप देने में करीब 100 मिलियन डॉलर खर्च किए थे।

दिप्रिंट ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि भारत की वापसी की प्रक्रिया 2022 में ही पूरी हो गई थी, लेकिन अब तक इसे गुप्त रखा गया था। ऐसा माना जा रहा है कि ताजिकिस्तान, लीज अवधि नहीं बढ़ाना चाहता था क्योंकि रूस और चीन उस एयरबेस पर गैर-क्षेत्रीय सैन्य कर्मियों को लेकर दबाव बना रहे थे। हालांकि भारत के पास वहां कोई स्थायी हवाई संपत्ति नहीं थी, फिर भी दो-तीन भारतीय सैन्य हेलीकॉप्टर, जो ताजिकिस्तान को उपहार में दिए गए थे, भारत उसे ऑपरेट करता था। कुछ समय के लिए वहां पर Su-30MKI फाइटर जेट भी वहां तैनात किया गया था। आपको बता दें कि भारत ने 2001 में अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद अपने नागरिकों को निकालने के लिए इस एयरबेस का काफी इस्तेमाल किया था।

ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे से करीब 15 किलोमीटर पश्चिम स्थित यह एयरबेस कभी खंडहर था, लेकिन भारत ने इसे 3200 मीटर लंबी रनवे, आधुनिक ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम, हैंगर और ईंधन भंडारण सुविधाओं के साथ पूर्ण विकसित सैन्य ठिकाने में बदल दिया था। यह इतना शानदार एयरबेस बन गया था कि यहां से IL-76 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और सुखोई-30MKI जैसे भारी विमानों का ऑपरेशन भी हो रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक, इस बेस पर लगभग 150 भारतीय कर्मी, जिनमें बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (BRO) के सदस्य भी शामिल थे, वो तैनात थे। भारत और ताजिकिस्तान इसे संयुक्त रूप से संचालित करते थे, लेकिन 2021 में ताजिकिस्तान ने संकेत दे दिया था कि वह लीज बढ़ाने के पक्ष में नहीं है। इसके बाद भारत ने 2022 में चुपचाप अपने कर्मियों और उपकरणों को वापस बुला लिया।

ट्रम्प को मलाल-तीसरी बार राष्ट्रपति नहीं बन सकेंगे

अमेरिकी संविधान में तीसरे टर्म की सख्त मनाही, राष्ट्रपति बोले- यह सबसे बुरी बात

सियोल, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रम्प ने तीसरी बार अमेरिका का राष्ट्रपति न बन पाने को लेकर अपनी निराशा जताई है। ट्रम्प ने कहा कि कानून की वजह से वे ऐसा नहीं कर सकते। पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा, अगर आप कानून पढ़ें, तो यह बिल्कुल साफ है, मुझे तीसरी बार चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं है, यह बहुत बुरा है। इससे पहले मंगलवार को ट्रम्प से 2028 के चुनावों में उपराष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने के बारे में पूछा गया था। इस पर ट्रम्प ने कहा था कि उन्हें इसकी परमिशन है, लेकिन वे ऐसा नहीं करेंगे। ट्रम्प ने कहा कि अगर वे ऐसा करते हैं तो यह लोगों को पसंद नहीं आएगा। ट्रम्प आज साउथ कोरिया के दौरे पर पहुंचे हैं। उन्होंने साउथ कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग से मुलाकात की। साउथ कोरिया ने राष्ट्रपति ट्रम्प को अपने सर्वोच्च सम्मान 'ग्रैंड ऑर्डर ऑफ मुगुंगह्वा' से नवाजा है। इसके साथ ही राष्ट्रपति म्यूंग ने ट्रम्प को एक सोने का मुकुट भी गिफ्ट किया। ट्रम्प साउथ कोरिया में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग के कारोबारी नेताओं के साथ लंच कार्यक्रम शामिल हुए।

इस दौरान उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'सबसे अच्छा दिखने वाला इंसान' बताया है। ट्रम्प ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी एक शानदार दिखने वाले व्यक्ति हैं। लेकिन वह एक किलर हैं, बहुत सख्त हैं। इसके अलावा ट्रम्प ने एक बार फिर यह दावा किया कि उन्होंने इस साल की शुरुआत में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष को खत्म कराने में भूमिका निभाई थी।

ब्राजील में ड्रग माफिया पर हेलिकॉप्टर से रेड

जवाब में ड्रोन से बमबारी, 4 पुलिस अफसरों समेत 64 की मौत

रियो डी जेनिरो, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्राजील के रियो डि जेनेरियो में पुलिस ने ड्रग संगठन 'रेड कमांड' के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन चलाया है। राजधानी रियो डि जनेरियो में मंगलवार सुबह 2500 पुलिसकर्मियों ने हेलिकॉप्टर से अपराधियों के इलाकों पर छापा मारा।

जैसे ही पुलिस की टीमें आगे बढ़ीं, रेड कमांड गैंग के सदस्यों ने फायरिंग शुरू कर दी। अधिकारियों के मुताबिक, गैंग ने सड़कों पर जलते हुए बैरिकेड्स लगाए और ड्रोन से बम गिराए, ताकि पुलिस को रोका जा सके। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भारी हथियारों का इस्तेमाल किया।

इस भिड़ंत में कम से कम 64 लोग मारे गए, जिनमें 4 पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस इस हमले के लिए 1 साल से प्लानिंग कर रही थी। पुलिस ने दिनभर चली मुठभेड़ में 80 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया।

कार्रवाई से आसपास रहने वाले करीब तीन लाख लोगों में दहशत फैल गई। लोग इसे 'वॉर जोन' जैसा माहौल बता रहे हैं। कई आम नागरिक भी गोलीबारी में घायल हुए, जबकि कई सड़कें अभी भी बंद हैं। इलाके में रहने वालों ने बताया कि गोलियों और धमाकों की आवाजें पूरे दिन गूंजती रहीं और लोग घरों से बाहर नहीं निकल पाए।

ब्राजील सरकार के मुताबिक, इस इलाके को रेड कमांड का मुख्य ठिकाना माना जाता है। यह गिरोह लंबे समय से ड्रग तस्करी, हथियारों की सप्लाई और तटीय रूट्स पर कब्जे के लिए जाना जाता है। पुलिस ने बताया कि इस ऑपरेशन में 200 किलो से ज्यादा ड्रग्स, कई राइफलें और दूसरे हथियार बरामद किए गए हैं।

कमांडो वर्मेल्हो ब्राजील का सबसे पुराना और सबसे ताकतवर अपराधी संगठन है। यह ड्रग और हथियार तस्करी को अंजाम देता है। अंग्रेजी में इसे रेड कमांड कहा जाता है। इसकी स्थापना 1970 के दशक में हुई थी। ब्राजील में सरकार ने वामपंथी विचारधारा वाले नेताओं को जेल भेज दिया था।

जेल में इन कैदियों ने आम अपराधियों के साथ मिलकर पुलिस के अत्याचार से खुद बचाने के लिए गठबंधन किया। बाद में यह संगठन जेल से बाहर फैला और अपराध की दुनिया में उतर गया।

रेड कमांड का मुख्य गढ़ रियो डी जनेरियो है लेकिन यह पड़ोसी देशों तक फैला हुआ है। इस संगठन को कोई एक नेता नहीं है। हर इलाके में कमांडेंट नाम का बॉस होता है, जो अपने इलाके के व्यापार पर कंट्रोल रखता है।

जमैका से टकराया सदी का सबसे खतरनाक तूफान

ला सकता है भारी तबाही, 300 किमी की गति से हवाएं चल रहीं

किंगस्टन, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। कैरेबियाई देश जमैका से कैटेगरी-5 का तूफान मेलिसा टकराया है। मेलिसा को इस सदी का सबसे खतरनाक तूफान बताया जा रहा है। तूफान के चलते जमैका में 300 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। सरकार ने छह लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया है। तूफान के असर से जमैका में तीन, पड़ोसी देश हैती में तीन और डोमिनिकन रिपब्लिक में एक व्यक्ति की मौत हुई है। यह तूफान इतना ताकतवर है कि पूरे देश को तबाह कर सकता है।

कैटेगरी-5 का तूफान सबसे खतरनाक श्रेणी का माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र ने मेलिसा तूफान को सदी का सबसे ताकतवर तूफान बताया है। पहले ये तूफान हैती और डोमिनिकन रिपब्लिकन से टकराया और अब जमैका तक पहुंचने में ये और खतरनाक हो गया है। जिस वक्त तूफान जमैका से टकराया, उस वक्त 300 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल रहीं हैं और भारी बारिश हो रही है। हवा की ये गति इतनी तेज है कि यह बड़ी-बड़ी इमारतों को ध्वस्त कर सकता है। इससे बिजली और कम्युनिकेशन सिस्टम भी तबाह हो सकता है।

मेलिसा तूफान के चलते जमैका में बाढ़ और भूस्खलन का खतरा है। जमैका सरकार ने प्रभावित इलाकों से लाखों लोगों को सुरक्षित जगहों पर स्थानांतरित कर दिया है। जमैका में बीते कई दिनों से बारिश का दौर जारी है। ऐसे में जमीन में नमी होने के चलते भूस्खलन का खतरा लोगों को डरा रहा है।

भारतीय मूल के बड़े उद्योगपति दर्शन सिंह की कनाडा में हत्या

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी

ओटावा, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। कनाडा में भारतीय मूल के एक बड़े उद्योगपति की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली है। कनाडा के मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, भारतीय मूल के उद्योगपति दर्शन सिंह साहसी की कनाडा के एबट्सफोर्ड इलाके में उस वक्त हत्या कर दी गई, जब वे कार में सवार होकर कहीं जा रहे थे।

दर्शन सिंह साहसी की हत्या का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें दर्शन सिंह अपनी कार में सवार होते दिख रहे हैं, तभी एक हमलावर उनके पास आता है और दर्शन सिंह पर गोलियां चला देता है। हमलावर अकेला था और मौके से एक टोयोटा कोरोला कार में सवार होकर फरार हो गया।

गोलीबारी की सूचना के बाद जब पुलिस मौके पर पहुंची तो दर्शन सिंह गंभीर हालत में घायल थे। इसके बाद पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। कनाडा पुलिस ने बताया कि अभी जांच शुरुआती चरण में है और जल्द ही इसके बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। वहीं कनाडा स्थित गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर दर्शन सिंह साहसी की हत्या की जिम्मेदारी ली है। गोल्डी ढिल्लन, लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा हुआ है। गोल्डी ढिल्लन ने पोस्ट में दावा किया कि पीड़ित ड्रग तस्करी में शामिल थे और गैंग द्वारा पैसे की डिमांड को नजरअंदाज किया जा रहा था।

तुर्किये में भरभराकर गिरी सात मंजिला इमारत

मलबे में दबे कई लोग बचाव अभियान जारी

इस्तांबुल, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर-पश्चिमी तुर्किये में सात मंजिला इमारत ढहने से बड़ा हादसा हो गया। बुधवार सुबह गेब्ज शहर में एक सात मंजिला अपार्टमेंट अचानक ढह गया, जिसके मलबे में पांच लोग दब गए। लोगों को बचाने के लिए बचाव अभियान जारी है।

गेब्ज के गवर्नर इल्हामी अक्तास ने मीडिया को बताया कि इस बात की पुष्टि हो गई है कि मलबे में दबे लोग एक ही परिवार के सदस्य हैं। फिलहाल अभी किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं की गई है। आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन निदेशालय की टीमें मौके पर बचाव अभियान चला रही हैं। सरकारी अनादोलु एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार इमारत ढहने का कारण फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

कब्र से सीधे जन्नत, मसूद अजहर का नया ऑडियो

बनाई महिला जिहाद ब्रिगेड, हिंदू महिलाओं के खिलाफ जहर उगला

इस्लामाबाद, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर का एक नया ऑडियो वायरल हो रहा है। 21 मिनट के इस ऑडियो में उसे जैश के महिला जिहाद ब्रिगेड के बारे में बात करते सुना जा सकता है। जैश-ए-मोहम्मद के इस महिला जिहाद विंग का नाम जमात-उल-मोमिनात है। अपने ऑडियो में मसूद अजहर ने जमात-उल-मोमिनात के कामकाज का खाका पेश किया है। दिलचस्प बात यह है कि जैश-ए-मोहम्मद द्वारा जारी पोस्टर में संचार के माध्यम के रूप में चीनी ऐप जूम का जिक्र है। बताया जा रहा है कि यह ऑडियो बहावलपुर के मरकज़ उस्मान-ओ-अली का है। अपने भाषण में, अजहर ने वादा किया है कि जो भी महिला इसमें शामिल होगी, वह मरने के बाद अपनी कब्र से सीधे जन्नत जाएगी। उसका कहना है कि यह पूरी तरह से महिला ब्रिगेड, सेना और मीडिया में महिलाओं के दुश्मन द्वारा किए जा रहे इस्तेमाल का जवाब होगी। रिकॉर्डिंग में, मसूद अजहर ने जैश-ए-मोहम्मद के बढ़ते वैश्विक जिहाद अभियान के तहत महिलाओं की भर्ती, उन्हें प्रशिक्षित करने और तैनात करने की एक व्यापक योजना पेश की है। यह आतंकी समूह लंबे समय से पुरुषों को आतंकवादी के रूप में भर्ती करता रहा है।

ऑडियो में मसूद अजहर ने कहा, जैश के दुश्मनों ने हिंदू महिलाओं को सेना में भर्ती किया है और महिला पत्रकारों को हमारे खिलाफ खड़ा किया है। उसने आगे कहा, हम अपनी महिलाओं को उनके खिलाफ लड़ने और मुकाबला करने के लिए संगठित करने की कसम खाते हैं। उसने यह भी कहा कि पाकिस्तान के हर जिले में जमात-उल-मोमिनात की शाखाएं स्थापित की जाएंगी, जिनमें से प्रत्येक का नेतृत्व एक जिला मुंतजिमा करेगा जिसे भर्ती का काम सौंपा जाएगा। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, इस कार्यक्रम में आतंकी कमांडरों की पत्नियों, आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं और मारे गए आतंकवादियों के रिश्तेदारों को भर्ती अभियान का नेतृत्व करने के लिए शामिल किया जाएगा।

इस अभियान को भारत के प्रति प्रतिक्रिया के रूप में पेश किया जा रहा है, लेकिन इसका असली उद्देश्य जैश की पहुंच का विस्तार करना और अपनी संख्या बढ़ाने के लिए सामाजिक कमजोरियों का फायदा उठाना है।

नाइजीरिया के नोबेल विजेता लेखक वोले सोयिंका का यूएस वीजा रद्द

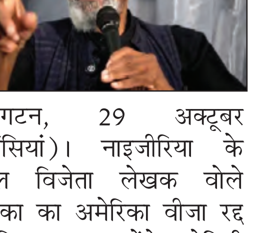

वाशिंगटन, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। नाइजीरिया के नोबेल विजेता लेखक वोले सोयिंका का अमेरिका वीजा रद्द कर दिया गया। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तुलना युगांडा के तानाशाह ईदी अमीन से की थी, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। सोयिंका ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि व इस फैसले से बहुत खुश हैं। उन्होंने अमेरिकी दूतावास को धन्यवाद दिया और कहा कि उनकी अमेरिका जाने की बिल्कुल इच्छा नहीं है। सोयिंका ने 2016 में भी ट्रम्प के पहली बार राष्ट्रपति चुनाव जीतने पर अपना ग्रीन कार्ड फाड़ दिया था। अमेरिकी दूतावास ने एक लेटर भेजा है जिसमें लिखा है कि किसी भी समय वीजा रद्द किया जा सकता है। सोयिंका ने लेटर पढ़कर सबको सुनाया और हंसते हुए कहा कि ये दूतावास का एक अजीब सा लव लेटर है। उन्होंने कहा कि मैं अमेरिका से बैन हो गया हूं। जो भी मुझे वहां बुलाना चाहते हैं, अपना समय बर्बाद न करे। सोयिंका ने कहा कि अगर हालात बदलें तो वे अमेरिका जाने पर विचार कर सकते हैं, लेकिन खुद पहल नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि वहां मुझे कुछ चाहिए ही नहीं। 91 साल के सोयिंका ने हार्वर्ड और कॉर्नेल जैसी अमेरिकी यूनिवर्सिटीज में पढ़ाचुके हैं।

पूर्वाग्रह से भरा हुआ संकीर्ण विश्लेषण

म्यांमार की स्थिति पर यूएन की रिपोर्ट को भारत ने किया खारिज

संयुक्त राष्ट्र, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने म्यांमार में मानवाधिकार की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में उसके खिलाफ की गई 'पक्षपातपूर्ण और संकीर्ण टिप्पणी' की आलोचना की। साथ ही भारत ने पड़ोसी देश में हिंसा को तत्काल रोकने और समावेशी राजनीतिक संवाद शुरू करने की अपील दोहराई।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में मंगलवार को म्यांमार की स्थिति पर संवाद सत्र आयोजित किया गया था। इस दौरान लोकसभा सांसद दिलीप सैकिया ने भारत का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली उन सभी पहलों का समर्थन करता है, म्यांमार में शांति, स्थिरता और लोकतंत्र लाने के लिए वहां के लोगों और सरकार के नेतृत्व वाले रास्ते को मजबूत करते हैं।

उन्होंने आगे कहा, हम अपनी इस निरंतर स्थिति को दोहराते हैं कि हिंसा को तत्काल रोका जाए, राजनीतिक कैदियों को रिहा किया जाए, मानवीय मदद की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और समावेशी राजनीतिक संवाद शुरू किया जाए।

संयुक्त राष्ट्र की तीसरी समिति मानवाधिकार और मानवीय मुद्दों से संबंधित मामलों से निपटती है। यह समिति 2021 में हुए सैन्य तख्तापलट और सेना व प्रतिरोधी बलों के बीच जारी हिंसा के बाद म्यांमार की बिगड़ती स्थिति पर चर्चा कर रही थी।

सैकिया भाजपा सांसद दग्गुबाती पुरंदेश्वरी के नेतृत्व में 80वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा जन-केंद्रित दृष्टिकोण पर जोर दिया है। यूएन की रिपोर्ट में भारत के खिलाफ की गई टिप्पणियों की आलोचना करते हुए सैकिया ने कहा, मैं अपने देश के संबंध में रिपोर्ट में की गई बेबुनियाद और पक्षपातपूर्ण टिप्पणियों पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराता हूं।

उन्होंने कहा कि अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को म्यांमार के विस्थापित लोगों से जोड़ने का दावा पूरी तरह तथ्यहीन है। मेरा देश विशेष प्रतिवेदक की ओर से किए गए इस तरह के पूर्वाग्रह वाले संकीर्ण विश्लेषण को अस्वीकार करता है।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री या प्रचार प्रमुख

तालिबान के सबसे बड़े दुश्मन ने उड़ाया ख्वाजा आसिफ का मजाक, बोले- मुझे मजा आता है

काबुल, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के अपदस्थ उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का मजाक उड़ाया है। उन्होंने कहा कि ख्वाजा आसिफ किसी रक्षा मंत्री की तरह नहीं, बल्कि प्रचार प्रमुख की तरह बयानबाजी कर रहे हैं। सालेग ने पाकिस्तान के अफगान तालिबान के साथ संबंधों का जिक्र किया और तंज कसा कि अब दोनों पक्षों में क्यों तनाव बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि मुझे पाकिस्तानियों को तालिबान के सबसे बड़े मददगार क्वेटा शूरा के बारे में याद दिलाने से मजा आता है। सालेह ने दावा किया कि पाकिस्तानी सेना और क्वेटा शूरा में तनाव बढ़ रहा है। अमरुल्लाह सालेह ने एक्स पर लिखा, कितना लंबा-चौड़ा बयान। क्या वह (ख्वाजा आसिफ) रक्षा मंत्री हैं या प्रचार प्रमुख? रक्षा मंत्री अपने कामों को ही सुर्खियां बनने देते हैं, अपने शब्दों और बयानों को नहीं। खैर, क्वेटा शूरा और जीएचक्यू के बीच संघर्ष एक दिलचस्प तमाशा है। मुझे अपने पड़ोसी पाकिस्तान को क्वेटा शूरा के बारे में याद दिलाने में बहुत मजा आता है। मेरा उनसे एक विनम्र अनुरोध भी है। क्या आपको नहीं लगता कि अब समय आ गया है कि आप कबूल करें कि आपने तालिबान की कैसे मदद की, क्यों की, कितनी मदद की, कितनों को प्रशिक्षित किया। सालेह ने आगे कहा, आप अपने शिविरों में उनके प्रशिक्षण के वीडियो क्यों नहीं साझा करते, आप अपने शहरों में उनके व्यवसाय और इमारतें क्यों नहीं दिखाते, आप हमें यह क्यों नहीं बताते कि इतनी ईमानदारी और उदारता से उनका साथ देकर आपका सपना क्या था? क्या आपको नहीं लगता कि आपको अफगान लोगों से, हामिद करज़ई से, अशरफ़ गनी से, और मुझसे माफी मांगनी चाहिए? डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा, मैं उन्हें आश्वस्त करना चाहता हूं कि तालिबान शासन को पूरी तरह से मिटाने और उन्हें गुफाओं में वापस धकेलने के लिए पाकिस्तान को अपने पूरे शस्त्रागार का एक अंश भी इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं है। अगर वे ऐसा चाहते हैं, तो तोरा बोरा में उनकी पराजय के दृश्यों की पुनरावृत्ति, जब वे दुम दबाकर बैठे होंगे, निश्चित रूप से क्षेत्र के लोगों के लिए देखने लायक तमाशा होगा।

एसआईआर का विरोध वे दल कर रहे, जिन्होंने राजनीतिक स्वार्थ से गलत नाम जुड़वाए हैं : मदन राठौड़

जयपुर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में वोटर लिस्ट स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर सियासी घमासान बढ़ गया है। कांग्रेस सहित विपक्षी दल इस प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। उनका आरोप है कि इससे पंचायत और निकाय चुनाव टालने का मार्ग प्रशस्त किया जा रहा है। वहीं, बीजेपी का कहना है कि सही मतदाता सूची तैयार करने के लिए यह कदम अत्यंत आवश्यक है और चुनाव आयोग के इस निर्णय का स्वागत किया जाना चाहिए।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि SIR का विरोध वे दल कर रहे हैं जिन्होंने राजनीतिक स्वार्थ से गलत नाम जुड़वाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने भारत को धर्मशाला समझकर यहां केवल लाभ लेने का काम किया है। ऐसे लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं तो राजनीतिक दलों को दुख क्यों हो रहा है। राठौड़ के अनुसार इस देश में वही शासन करने का अधिकार रखता है जो देश के प्रति आत्मीय भाव रखता है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के तंज पर राठौड़ ने पलटवार करते हुए कहा कि नेता में राष्ट्रीय चरित्र होना चाहिए। उन्होंने कहा कि गहलोत को देशहित में सोचना चाहिए, न कि पार्टी हित में। राठौड़ ने आगे आरोप लगाया कि कई क्षेत्रों में रोहिंग्या और बांग्लादेशी जैसे लोगों के नाम भी वोट बैंक की राजनीति के लिए जुड़वाए गए हैं, इसलिए एसआईआर से ऐसे नाम हटना आवश्यक है।

उधर, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा SIR कराना निकाय व पंचायत चुनावों को टालने का बहाना है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में देरी का प्रयास बताया।

अंता उपचुनाव में नया सियासी समीकरण
केजरीवाल ने निर्दलीय नरेश मीणा को दिया समर्थन

जयपुर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंता विधानसभा उपचुनाव से पहले सियासत में बड़ा उलटफेर हुआ है। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा को समर्थन देने की घोषणा की है। इससे अब तक बीजेपी और कांग्रेस के बीच चल रही सीधी जंग त्रिकोणीय मुकाबले में बदल गई है।

नरेश मीणा ने कुछ दिन पहले एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट कर केजरीवाल और आप से समर्थन की अपील की थी। मीणा ने लिखा था, "नए और निष्पक्ष राजनीतिक बदलाव के लिए मैं अंता उपचुनाव निर्दलीय के रूप में लड़ रहा हूं।

कांग्रेस और बीजेपी के विकल्प के तौर पर मैं आप पार्टी से समर्थन की अपेक्षा करता हूं।" इसके जवाब में केजरीवाल ने लिखा - "नरेश जी, आम आदमी पार्टी आपके साथ पूरी तरह खड़ी है।" इसके बाद एएपी ने औपचारिक रूप से मीणा को समर्थन देने की घोषणा कर दी।

एएपी के राजस्थान सह-प्रभारी घनेन्द्र भारद्वाज ने कहा, "बीजेपी और कांग्रेस ने दशकों से राजस्थान को लूटा है। अब जनता को नया विकल्प चाहिए। पूरे प्रदेश के एएपी कार्यकर्ताओं से अपील है कि नरेश मीणा के समर्थन में जुटें।" उन्होंने बताया कि अंता उपचुनाव के लिए 31 सदस्यीय समन्वय समिति बनाई जाएगी और संभावना है कि केजरीवाल खुद भी चुनाव प्रचार के लिए अंता आ सकते हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, यह कदम राजस्थान में एएपी के संगठनात्मक विस्तार की रणनीति का हिस्सा है। 2023 विधानसभा चुनाव में अंता से एएपी को मात्र 0.76% वोट (1334 वोट) मिले थे, लेकिन केजरीवाल का समर्थन अब मीणा को एंटी-एस्टैब्लिशमेंट वोट दिला सकता है। अंता उपचुनाव में अब मुख्य मुकाबला कांग्रेस के प्रमोद जैन भाया, बीजेपी के मोरपाल सुमन और निर्दलीय नरेश मीणा के बीच है। चुनाव 11 नवंबर को होगा और नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

आसाराम को बड़ी राहत: हाईकोर्ट ने दी 6 महीने की अंतरिम जमानत, निजी अस्पताल में चल रहा है इलाज

जोधपुर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। जोधपुर हाईकोर्ट से आसाराम को बड़ी राहत मिली है। अदालत ने उनके इलाज के लिए दायर नियमित जमानत आवेदन को स्वीकार करते हुए उन्हें छह महीने की अंतरिम जमानत दी है। यह राहत स्वास्थ्य कारणों और बढ़ती उम्र को देखते हुए दी गई है।

मामले की सुनवाई कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच में हुई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने आसाराम को इलाज के लिए अस्थाई जमानत देने का आदेश जारी किया।

आसाराम की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत और अधिवक्ता यशपाल सिंह राजपुरोहित ने पैरवी की। उन्होंने कोर्ट के समक्ष दलील दी कि आसाराम लंबे समय से बीमार हैं और जेल में रहकर उनका समुचित इलाज संभव नहीं है। ऐसे में बिना कस्टडी के जमानत मिलने से उनके उपचार में राहत मिल सकेगी।

अदालत ने आसाराम की उम्र, स्वास्थ्य स्थिति और पिछले 12 वर्षों से जेल में होने के आधार पर यह राहत प्रदान की। आसाराम वर्तमान में एक निजी अस्पताल में इलाजरत हैं।

राजस्थान हाईकोर्ट से मिली इस अंतरिम जमानत के बाद अब आसाराम को छह महीने तक जेल में नहीं रहना होगा। अदालत के फैसले की जानकारी मिलते ही उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई।

ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में युवक ने लगाई पांचवीं मंजिल से छलांग, दर्दनाक मौत

अलवर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। मंगलवार देर रात कर्मचारी राज्य बीमा निगम मेडिकल कॉलेज में एक युवक ने पांचवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान विजय कुमार वाल्मीकि (28) निवासी डोली गांव, रामगढ़ के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार विजय की अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिवारजन उसे उपचार के लिए ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज लेकर आए थे।

देर रात इलाज के दौरान विजय अचानक खिड़की के पास गया और वहां से नीचे कूद गया। घटना के बाद अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। परिजनों और अस्पताल प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बताया गया कि विजय एक फैक्ट्री में मजदूरी करता था। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि युवक ने आत्महत्या क्यों की। प्रारंभिक तौर पर मानसिक तनाव की आशंका जताई जा रही है।

7 संकल्पों के साथ हनुमान बेनीवाल का शक्ति प्रदर्शन, भीड़ के दम पर साधेंगे चुनावी संदेश

बीकानेर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) आज अपना सातवां स्थापना दिवस बीकानेर में मना रही है। इस दौरान सभा के जरिए शक्ति प्रदर्शन की भी करेगी। पॉलिटेक्निक कॉलेज में आयोजित जनसभा में आरएलपी प्रमुख हनुमान बेनीवाल सहित कई नेता शामिल होंगे। बेनीवाल के मुताबिक, सात संकल्प लेकर इस रैली का आयोजन किया जा रहा है। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के पहुंचने की संभावना के चलते शहर में कई मार्गों पर डायवर्जन लागू किया गया है।

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यातायात नियमों का पालन करें। सभा स्थल के आसपास अनावश्यक भीड़ न लगाएं और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग कर अपने गंतव्य तक पहुंचें, ताकि किसी को असुविधा न हो।

आसपास के मार्गों पर रहेगा डायवर्जन

-नोखा-नागौर मार्ग से आने वाले वाहन उदयरामसर बाइपास, नापासर बाइपास चौराहा- हल्दीराम प्याऊ, सांगलपुरा मार्ग से सभा स्थल पहुंचेंगे।

-हनुमानगढ़-श्रीगंगानगर मार्ग से आने वाले वाहन श्रीगंगानगर बाइपास सर्किल, जयपुर बाइपास, हल्दीराम प्याऊ, सांगलपुरा मार्ग से आएंगे।

-छतरगढ़ मार्ग से आने वाले वाहन शोभासर बाइपास, श्रीगंगानगर बाइपास, जयपुर बाइपास, हल्दीराम प्याऊ, सांगलपुरा होकर पहुंचेंगे।

-कोलायत-जैसलमेर मार्ग से आने वाले वाहन गांधी प्याऊ, शोभासर बाइपास, श्रीगंगानगर बाईपास, जयपुर बाइपास, हल्दीराम प्याऊ, सांगलपुरा मार्ग से जाएंगे।

-जयपुर रोड से आने वाले वाहन हल्दीराम प्याऊ से सांगलपुरा मार्ग के जरिए सभा स्थल में प्रवेश करेंगे।

पुष्कर मेले में दुनिया की सबसे छोटी गायें, कद मात्र 16 से 30 इंच देती हैं 6 लीटर तक दूध

अजमेर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले की रौनक इस बार ऊंटों और घोड़ों के साथ-साथ नन्ही गायें बढ़ा रही हैं। जयपुर से आए पशुपालक अभिनव तिवारी अपनी तीन अनोखी नस्लों की गायों के साथ पहुंचे हैं, जो हर किसी का ध्यान खींच रही हैं।

बता दें कि इनमें पुंगनूर, मिनी माउस और बिच्छूर नस्ल की गायें शामिल हैं, जो आकार में बेहद छोटी होने के बावजूद दूध उत्पादन में किसी बड़ी गाय से कम नहीं हैं।

तीन से छह लीटर तक देती हैं दूध

अभिनव तिवारी ने बताया, ये गायें कम जगह और कम खर्च में पाली जा सकती हैं, इसलिए आम परिवारों के लिए भी उपयुक्त हैं। पुंगनूर नस्ल की गाय मात्र 16 इंच ऊंची हैं और रोजाना करीब तीन लीटर दूध देती है। वहीं, मिनी माउस नस्ल की ऊंचाई 28 इंच और दूध उत्पादन तीन से छह लीटर तक है। बिच्चूर नस्ल की गाय 30 इंच की है और यह भी तीन से छह लीटर तक दूध देती है।

इन मिनी गायों की सुंदरता और उपयोगिता को देखकर लोग सेल्फी लेने के लिए उमड़ रहे हैं। पुष्कर मेले में इस बार ऊंटों के बीच नन्ही गायें चर्चा का नया केंद्र बन गई हैं।

पुष्कर मेले में नया विवाद! पुजारियों ने पुलिस पर लगाया 'दुर्व्यवहार' का गंभीर आरोप, दी विरोध की चेतावनी

अजमेर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व प्रसिद्ध पुष्कर मेला इस बार एक अप्रिय विवाद को लेकर चर्चा में आ गया है. मेले में तैनात पुलिस कर्मियों पर श्री तीर्थ गुरु पुष्कर पुरोहित संघ ट्रस्ट ने पुजारियों और पुरोहितों के साथ दुर्व्यवहार करने का गंभीर आरोप लगाया है. संघ ने इस संबंध में उपखंड अधिकारी सहित कई प्रशासनिक अधिकारियों को लिखित शिकायत सौंपी है.

क्या है पुजारियों का आरोप?

संघ के सचिव कैलाश पाराशर द्वारा सौंपे गए पत्र में कहा गया है कि मेले के दौरान ड्यूटी पर तैनात कुछ पुलिस अधिकारियों और जवानों ने स्थानीय पुजारियों को बेवजह रोका. आरोप है कि उनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया, जिससे

पुरोहित समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं.

'पुष्कर की संस्कृति पर चोट'

पुरोहित संघ का कहना है कि पुष्कर मेला आस्था और परंपरा का केंद्र है, जहां पुजारी और साधु-संत सदियों से पूजा-अर्चना करते आ रहे हैं. इसके बावजूद, उन्हें तीर्थ क्षेत्र में प्रवेश के लिए रोका गया और उनकी पहचान पर सवाल उठाए गए. संघ ने इस व्यवहार को न केवल पुजारियों का अपमान बताया, बल्कि इसे 'तीर्थ पुजारियों की अस्मिता और पुष्कर की परंपरा पर चोट' करार दिया है.

तीर्थ पुरोहित संजय पाराशर ने चेतावनी दी है कि यदि इस तरह की घटनाएं दोबारा हुईं, तो पूरा पुरोहित समाज सामूहिक रूप से विरोध प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होगा.

प्रशासन ने दिए जांच के आदेश

शिकायत मिलने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है. उपखंड अधिकारी (एसडीएम) गुरु प्रसाद तंवर ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'तीर्थ पुरोहितों की शिकायत पर संबंधित पुलिस अधिकारियों से जानकारी मांगी गई है. जांच करने पर जिस भी अधिकारी या जवान की लापरवाही सामने आएगी, उसके विरुद्ध निश्चित तौर पर कार्रवाई की जाएगी.'

पुरोहित संघ ने मांग की है कि पुलिस कर्मियों को स्थानीय धार्मिक भावनाओं के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए विशेष निर्देश दिए जाएं, ताकि मेले की मर्यादा बनी रहे.

फर्जी पुलिस बनकर की पूर्व मंत्री की बेटी के घर डकैती, तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर जिले में पूर्व मंत्री सुरेंद्र पाल सिंह टीटी की बेटी और दामाद के घर लूट की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया है। यह घटना 18 अक्तूबर की रात गांव 42 जीजी में हुई थी, जब आरोपियों ने फर्जी पुलिसकर्मी बनकर घर में घुसकर डकैती की।

परिवादी गुरचरण सिंह (51) पुत्र हरपाल सिंह ने 19 अक्तूबर को एनईबी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि रात में जब वे घर पहुंचे तो एक स्कॉर्पियो कार, जिस पर पुलिस की बत्ती लगी थी, घर के सामने आकर रुकी। कार से एक व्यक्ति उतरा, जिसने खाकी पैंट और पगड़ी पहन रखी थी, जबकि एक अन्य ने पूरी वर्दी पहनी हुई थी। बाकी चार-पांच लोग सादे कपड़ों में थे, जिनके पास पिस्तौल और लाठी थी। आते ही उन्होंने वाई-फाई कनेक्शन तोड़ दिया और सीसीटीवी डीवीआर की मांग करने लगे। इसके बाद पत्नी के कमरे का शीशा तोड़कर अलमारी खंगालनी शुरू कर दी। इस दौरान गुरचरण सिंह छत पर चढ़ गए और पड़ोसियों को फोन कर शोर मचाया, जिससे आरोपी वहां से भाग निकले।

एसपी डॉ. अमृता दुहन के अनुसार, घटना के बाद पांच टीमें गठित की गईं, जिनमें 25 अधिकारी और जवान शामिल थे। टीमों ने गांव 42 जीजी से लेकर केसरीसिंहपुर, पदमपुर, चुनावढ़, मटीलीराठान, हिन्दूमलकोट और जवाहरनगर थाना क्षेत्रों तक करीब 300 किलोमीटर की दूरी में लगे 200 सीसीटीवी कैमरों की जांच की। जांच में स्पष्ट हुआ कि वारदात पंजाब के अपराधियों द्वारा की गई थी। पुलिस जांच में सामने आया कि गांव के ही एक युवक ने पंजाब के अजीमगढ़ और जगरावा इलाके के अपराधियों के साथ मिलकर डकैती की योजना बनाई थी। उसी ने घर और रास्ते की रेकी की थी।

झुंझुनूं में बड़ा हादसा: दुकान में विस्फोट से हवा में उछला दुकानदार का शव, शटर भी 60 फीट दूर गिरा

झुंझुनू, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। खेतड़ी कस्बे के निजामपुर मोड़ पर मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब दो बजे एक भीषण हादसा हो गया। यहां हार्डवेयर की दुकान में विस्फोट होने से जोरदार धमाका हुआ। विस्फोट इतना तेज था कि दुकान का लोहे का शटर करीब 60 फीट दूर जाकर गिरा, जबकि दुकानदार करीब 20 फीट दूर सड़क पर जा गिरा।

हादसे में दुकानदार की मौके पर ही मौत हो गई। धमाके की आवाज से आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। खेतड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। मृतक के शव को राजकीय अजीत उप जिला अस्पताल, खेतड़ी की मोर्चरी में रखवाया गया है।

मृतक की शिनाख्त पपुरना निवासी शंकरलाल के रूप में हुई। विस्फोट के बाद लगी आग ने पास की किताबों की दुकान और ई-मित्र की दुकान को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड और नगर पालिका खेतड़ी की दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया।

सूचना पर थानाधिकारी खेतड़ी कैलाश चंद्र शर्मा, तहसीलदार सुनील कुमार और उपखंड अधिकारी मुकेश चौधरी भी पहुंचे। प्रारंभिक जांच में विस्फोट के कारणों का अभी खुलासा नहीं हो सका है।

हालांकि, माना जा रहा है कि दुकान में रखे किसी ज्वलनशील रासायनिक पदार्थ या गैस सिलेंडर में लीक होने से धमाका हुआ होगा। खेतड़ी पुलिस ने घटना स्थल को सील कर दिया है और फॉरेंसिक टीम को जांच के लिए बुलाया गया है।

आरसीए के अखाड़े में अब कूदा क्रीड़ा परिषद
आईपीएल मैच के आयोजनों को लेकर हुए पंगे की ये आईएएस करवाएंगे जांच

जयपुर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी पिछले कई महीनों से कुश्ती का अखाड़ा बनी हुई है। कमेटी के कन्वीनर और सदस्यों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। पहले भाजपा विधायक जयदीप बिहानी इस कमेटी के कमेटी के कन्वीनर थे। विवादों के बाद बिहानी को हटाकर दीनदयाल कुमावत को कन्वीनर बनाया गया। कुमावत के आने के बाद भी विवाद थमा नहीं है। चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे धनंजय सिंह भी कमेटी के सदस्य हैं। धनंजय सिंह और उनके समर्थक सदस्यों ने दीनदयाल कुमावत के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। अब कन्वीनर और सदस्यों की इस जंग में क्रीड़ा परिषद की एंट्री हो गई है।

कन्वीनर पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप

एडहॉक कमेटी में कुल पांच सदस्य हैं। इनमें से चार सदस्य धनंजय सिंह खींवसर, आशीष तिवारी, पिंकेश जैन और मोहित यादव कन्वीनर के खिलाफ हो गए हैं। इन सदस्यों ने कन्वीनर दीनदयाल कुमावत पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। चारों सदस्यों का कहना है कि कन्वीनर ने खिलाड़ियों के चयन, होटल बुकिंग, किट बैग की खरीद और अन्य खर्चों में भारी भ्रष्टाचार किया गया। हालांकि दीनदयाल कुमावत का कहना है कि उन पर लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद हैं।

एडहॉक कमेटी के सदस्यों ने 9 करोड़ रुपए के घोटाले के आरोप लगाए थे। ऐसे में राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के आदेश दिए। अब खेल परिषद ने इस मामले की जांच के आदेश जारी किए हैं। खेल विभाग के शासन सचिव नीरज कुमार पवन का कहना है कि राज्य सरकार के आदेश के बाद जांच कमेटी का गठन किया है। परिषद के सचिव सुनील भाटी को इस प्रकरण की जांच सौंपी गई है। सचिव की ओर से 7 दिन में रिपोर्ट पेश की जाएगी। उस रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

बताया जा रहा है कि कन्वीनर और सदस्यों के बीच यह विवाद इंडियन प्रीमियर लीग के आयोजन को लेकर छिड़ा है। पिछले साल भी आईपीएल के मैच होने से पहले कमेटी के तत्कालीन कन्वीनर और सदस्यों के बीच विवाद हुआ जिसके बाद खेल परिषद ने एंट्री की थी। इस बार भी कन्वीनर और सदस्यों के बीच विवाद जारी है और आईपीएल के मैच से पहले खेल परिषद की एंट्री हो गई। अगर विवाद जारी रहा तो आईपीएल के आयोजन की जिम्मेदारी आरसीए की एडहॉक कमेटी के बजाय खेल परिषद को मिल जाएगी।

भारतीय तरीके से शिक्षा की पुनर्कल्पना करें: जिष्णु देव वर्मा

सीओबीएसई के 54 वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने शिक्षकों से 'भारतीय तरीके से शिक्षा की पुनर्कल्पना' करने का आग्रह किया - एक ऐसी शिक्षा जिसमें ज्ञान को बुद्धिमत्ता, तकनीक को मूल्यों और नवाचार को करुणा के साथ मिश्रित किया जाए। बुधवार को हैदराबाद में स्कूल शिक्षा बोर्ड परिषद (सीओबीएसई) के 54 वें वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए, राज्यपाल ने स्कूली शिक्षा में एक ऐसे पुनर्जागरण का आह्वान किया जो भारत के सभ्यतागत मूल्यों पर आधारित हो और साथ ही वैश्विक परिवर्तन के प्रति भी उत्तरदायी हो।

भारतीय स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा परिषद (सीआईएससीई) द्वारा अपने उत्कृष्टता केंद्र में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत और विदेश के 70 से अधिक स्कूल बोर्डों के लगभग 100 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें कैम्ब्रिज इंटरनेशनल और इंटरनेशनल बैकलॉरिएट (आईबी) के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए, जिष्णु देव वर्मा ने शिक्षकों और नीति निर्माताओं से एक मूल्य-आधारित शिक्षा प्रणाली तैयार करने का आग्रह किया जो तकनीक और शाश्वत मानवीय सिद्धांतों का सामंजस्य स्थापित करे। उन्होंने कहा, "विकसित भारत केवल एक समृद्ध भारत के बारे में नहीं है - यह एक सांस्कृतिक रूप से समृद्ध, मूल्य-आधारित भारत के बारे में है जो न केवल अर्थव्यवस्था या भू-राजनीति में, बल्कि सभ्यता में भी दुनिया का नेतृत्व करे। यहीं से शिक्षा की वास्तविक भूमिका शुरू होती है।"

राज्यपाल ने उपनिवेशवाद को समाप्त करने और भारत की सांस्कृतिक नींव के इर्द-गिर्द शिक्षा को पुनर्निर्देशित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, "शिक्षा भविष्य का निर्माण करती है क्योंकि यह हमारे बच्चों का निर्माण करती है। स्कूल केवल सीखने का स्थान नहीं है - यह हमारे राष्ट्र के भविष्य का पालना है।" एक गहन नैतिक दृष्टि का आह्वान करते हुए, राज्यपाल ने कहा, "मार्गदर्शन भारतीय मूल्य प्रणाली से आना चाहिए - मेरी जड़ें वहीं होनी चाहिए; अन्यथा, मैं बेघर हो जाऊँगा।" उन्होंने उपस्थित लोगों को याद दिलाया कि 'शिक्षा सूचना का प्रसार नहीं है, बल्कि मानवीय मूल्यों - सहानुभूति, करुणा और पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति के विकास - का समावेश है।'

रिश्वत लेते पकड़ा गया बिजली विभाग का लाइन इंस्पेक्टर

एसीबी ने टिफिन सेंटर से किया रंगे हाथों गिरफ्तार

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को बिजली विभाग के एक लाइन इंस्पेक्टर को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी ने सरकारी कार्य के बदले 6,000 रुपये की मांग की थी।

एसीबी के अनुसार, पेद्दाअंबरपेट स्थित सहायक अभियंता (संचालन) कार्यालय में कार्यरत लाइनमैन प्रभु लाल ने अब्दुल्लापुरमेट इलाके में एक अपार्टमेंट में नए लगाए गए बिजली मीटरों के लिए सर्विस नंबर जारी करने के एवज में एक व्यक्ति से रिश्वत मांगी थी। सूचना मिलने पर एसीबी की टीम ने जाल बिछाकर प्रभु लाल को एक टिफिन सेंटर में 6,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से पूरी रकम बरामद कर ली गई है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर नामपल्ली स्थित एसीबी विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां से आगे की जांच के आदेश दिए गए हैं।

पादुका दर्शन समारोह 4 को

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रामानंद संप्रदाय जिला सेवा समिति, रंगारेड्डी के तत्वावधान में मंगलवार 4 नवंबर को सुबह 9 से शाम 6 बजे तक रामबाग कॉलोनी, अत्तापुर स्थित राम मंदिर में जगद्गुरु रामानंदाचार्य श्री स्वामी नरेन्द्राचार्यजी महाराज का पादुका दर्शन समारोह आयोजित किया जायेगा। पादुका दर्शन समारोह उत्तराधिकारी प.पू. कानिफनाथ महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित होगा। पादुका दर्शन समारोह हेतु पादुका सहित गुरु सेवक परिवार रविवार की रात्रि को भाग्यनगर पधार रहे हैं।

अन्नकूट कार्यक्रम स्थगित

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गोपाल गौशाला, इब्राहिमपट्नम् द्वारा 30 अक्टूबर 2025 को आयोजित होने वाले अन्नकूट के कार्यक्रम को मौसम की प्रतिकूलता को देखते हुए रद्द किया जाता है। अगली तारीख की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

एसबीआई द्वारा आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही बैठक संपन्न

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, हैदराबाद में बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हैदराबाद की वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही बैठक 28 अक्तूबर को संपन्न हुई। एस. राधाकृष्णन, मुख्य महाप्रबंधक की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, बेंगलुरू से अनिर्बान कुमार बिश्वास, उप निदेशक (कार्यान्वयन), चिन्मय कुमार, क्षेत्रीय निदेशक - भारतीय रिज़र्व बैंक, उदय भास्कर, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड, सुनील कुमार चुघ, मुख्य महाप्रबंधक- पंजाब नेशनल बैंक विशेष रूप से उपस्थित थे।

बैठक का शुभारंभ नराकास सदस्य सचिव एवं सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) अजय कुमार तिवारी ने मुख्य अतिथि, सभी गणमान्यजनों एवं सदस्यों का स्वागत किया और बैठक की कार्यसूची प्रस्तुत की। उन्होंने पिछली छमाही बैठक से अब तक आयोजित कार्यक्रमों का विस्तृत ब्यौरा दिया। इसी क्रम में सदस्य कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा की गई। एस. राधाकृष्णन, मुख्य महाप्रबंधक एवं नराकास अध्यक्ष ने सभी सदस्य कार्यालयों का मार्गदर्शन किया और राजभाषा कार्यान्वयन की गति बनाए रखने और निरंतर प्रगति करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पूरे देश को एक सूत्र में बांधने का कार्य हिंदी करती है। आगामी छमाही की कार्ययोजना पर चर्चा के बाद विगत छमाही में सदस्य कार्यालयों में नराकास के तत्वावधान में आयोजित विविध हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। चिन्मय कुमार, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी से अधिक से अधिक हिंदी भाषा में कार्य करने की अपील की।

उप निदेशक श्री बिश्वास ने सदस्य कार्यालयों को राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी नीति नियमों के अनुपालन के प्रति सजग रहने का परामर्श दिया। उन्होंने कहा कि हमें राजभाषा से संबंधित आंकड़ों को लेकर गंभीर होना चाहिए। इसके बाद नराकास पत्रिका भारती का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के समापन पर प्रियदर्शी पंकज, उप-महाप्रबंधक एवं मंडल विकास अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

मिधानि को उन्नत एयरो इंजन सामग्रियों के लिए उड़ानयोग्यता प्रमाण पत्र मिला

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मिश्र धातु निगम लिमिटेड ने एचएएल, कोरापुट के लिए उन्नत एयरो इंजनों में प्रयुक्त महत्वपूर्ण सुपरअलॉय, टाइटेनियम मिश्र धातुओं और विशेष इस्पातों के स्वदेशी विकास एवं उड़ानयोग्यता प्रमाणन में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

मिधानि ने कुल मिश्रधातु प्रणालियों के लगभग 50 प्रतिशत के सामग्री स्तर का विकास पूर्ण कर लिया है, जिनमें से 80 प्रतिशत मिश्रधातु प्रणालियां प्रमाणित की जा चुकी हैं, जबकि शेष विकास के उन्नत चरणों में हैं। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में केंद्र सैन्य वायु योग्यता एवं प्रमाणीकरण केंद्र के मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को उड़ानयोग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। यह प्रमाणन एयरो इंजनों के लिए आवश्यक घटकों के श्रृंखलाबद्ध उत्पादन की स्वीकृति का प्रतीक है।

मिधानि ने इस अवसर पर विभिन्न निकेल आधारित सुपरअलॉय, टाइटेनियम मिश्रधातुओं तथा विशेष इस्पातों से निर्मित मिल फॉर्म और फोर्जिंग उत्पादों का सफल प्रदर्शन किया। पिछले एक वर्ष में, मिधानि ने एक नई टाइटेनियम कार्यशाला की स्थापना, जिससे उड़ानयोग्य टाइटेनियम मिश्रधातु उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है, 6000 टन क्षमता का नियर-आइसोथर्मल फोर्ज प्रेस तथा वैक्यूम इंडक्शन मेल्टिंग भट्टियों का नवीनीकरण शामिल है। इन अत्याधुनिक सुविधाओं से अब बड़ी मात्रा में रीमेल्ट स्टॉक और सिंगल क्रिस्टल सुपरअलॉय के मास्टर हीट का निर्माण संभव हो सका है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए.पी.वी.एस. प्रसाद ने कहा कि मिधानि ने हवाई इंजनों के लिए सामग्रियों के त्वरित परीक्षण, विकास और प्रमाणन में उत्कृष्टता प्रदर्शित की है। इस अवसर पर मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एस.वी.एस. नारायण मूर्ति, सेमिलैक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए.पी.वी.एस. प्रसाद, मिधानि की निदेशक (वित्त) श्रीमती के. मधुबाला तथा मिधानि एवं सेमिलैक के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

चक्रवाती बारिश से हैदराबाद में यातायात ठप

तीन घंटे तक सड़कों पर जाम, यात्रियों को भारी परेशानी

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चक्रवाती तूफान मोन्था के असर से बुधवार को हैदराबाद शहर में यातायात पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। शहर की प्रमुख सड़कों पर घंटों तक जाम लगा रहा, जिससे दफ्तर जाने वालों और छात्रों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। आईटी कॉरिडोर के गच्चीबावली, हाई-टेक सिटी, माधापुर और जुबली हिल्स जैसे क्षेत्रों में सुबह 8 बजे से 11 बजे तक वाहन रेंगते नजर आए। कई लोग अपने कार्यस्थलों पर तय समय से दो घंटे की देरी से पहुंचे।

लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी प्रभावित हुईं। मेट्रो स्टेशन सुबह से ही खचाखच भरे रहे, जबकि एमजीबीएस, सिकंदराबाद, नामपल्ली और बेगमपेट रेलवे स्टेशनों पर भी यात्रियों की भीड़ लगी रही। एलबी नगर, उप्पल, दिलसुखनगर, एबिड्स, कोटि, कुकटपल्ली, निजामपेट, बंजारा हिल्स और मेहदीपट्टनम जैसे इलाकों में भारी जलभराव के चलते ट्रैफिक पूरी तरह ठप हो गया। एचएमडब्ल्यूएसएसबी और नगर निगम की टीमें जल निकासी और यातायात बहाल करने के लिए मौके पर जुटी हुई हैं। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे आवश्यक कार्य होने पर ही घरों से निकलें।

द वाशिंगटन पोस्ट का लेख निराधार

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाशिंगटन पोस्ट द्वारा लगाए गए आरोप कि एलआईसी के निवेश निर्णय बाहरी कारकों से प्रभावित होते है। झूटे, निराधार और सत्य से कोसों दूर हैं। लेख में उल्लेखित ऐसा कोई दस्तावेज या योजना एलआईसी द्वारा कभी तैयार नहीं की गई है। जो अदाणी समूह की कंपनियें में एलआईसी द्वारा धन निवेश करने का रोडमैप तैयार करे।

एलआईसी द्वारा निवेश संबंधी निर्णय विस्तृत जांच-पडताल के बाद बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीतियों के अनुसार स्वतंत्र रूप से लिए जाते हैं। वित्तीय सेवा विभाग या किसी अन्य निकाय की ऐसे निर्णयों में कोई भूमिका नहीं होती है। एलआईसी ने जांच-पडताल के उच्चतम मानकों का पालन किया है और इसके सभी निवेश निर्णय मौजूदा नीतियों, अधिनियमों के प्रावधानों और नियामक दिशानिर्देशों के अनुपालन करते हुए इसके सभी हितधारकों के सर्वोत्तम हित में लिए गए हैं। लेख में दिए गए ये कथित बयान एलआईसी की सुस्थापित निर्णय प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाचने और एलआईसी की प्रतिष्ठा और छवि तथा भारत में वित्तीय क्षेत्र की मजबूत नींव को धूमिल करने के इरादे से दिए गए प्रतीत होते हैं।

बीआरएसवी कार्यकर्ताओं का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

शुल्क प्रतिपूर्ति में देरी को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी, कई कार्यकर्ता हिरासत में

करीमनगर, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति विद्यार्थी (बीआरएसवी) के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को करीमनगर कलेक्ट्रेट के बाहर राज्य सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार लंबे समय से लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति राशि जारी करने में लापरवाही बरत रही है, जिससे हजारों छात्र परेशान हैं। बीआरएसवी राज्य समिति के आह्वान पर नमस्ते विद्यार्थी-चलो कलेक्ट्रेट अभियान के तहत जिला इकाई ने तेलंगाना चौक से कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली। वहां पहुंचकर कार्यकर्ताओं ने धरना दिया और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी तथा सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

प्रदर्शन के दौरान जब कुछ कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट परिसर में घुसने की कोशिश करने लगे, तो उनकी पुलिस से झड़प हो गई। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर पुलिस वाहनों में बैठाकर थाने भेज दिया। सभा को संबोधित करते हुए बीआरएसवी नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी छात्रों की समस्याओं को नजरअंदाज कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति राशि तुरंत जारी की जाए, अन्यथा आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

रेलवे के मामलों को रेल दावा अधिकरण पीठों में ही दायर करें

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेल दावा अधिकरण भारतीय रेलवे अधिनियम, 1989 की धारा 124 और 124ए के अनुसार प्रभावित पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से स्थापित एक निकाय है, जो दुर्घटनाओं, अप्रिय घटनाओं, हानि आदि से संबंधित मामलों को कवर करती है। दमरे के अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में, दमरे जोन को कवर करते हुए, रेल दावा अधिकरण की पीठें (i) तेलंगाना राज्य क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मामलों के लिए सिकंदराबाद में, (ii) आंध्र प्रदेश राज्य क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मामलों के लिए अमरावती (गुंटूर में), (iii) महाराष्ट्र राज्य क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मामलों के लिए नागपुर और मुंबई में, और (iv) कर्नाटक राज्य क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मामलों के लिए बेंगलुरू में स्थित हैं। इनका उद्देश्य जनता द्वारा दायर मामलों और विभिन्न दावों का शीघ्र निपटारा करना है। रेल दावा अधिकरण के क्षेत्राधिकार में रेलवे द्वारा परिवहन के लिए रेलवे प्रशासन को सौंपे गए माल व पशुओं की हानि, विनाश, क्षति, ह्रास या डिलीवरी न होना, कम डिलीवरी होना, के लिए मुआवजा, रेल दुर्घटनाओं तथा किसी भी अप्रिय घटना में यात्रियों की मृत्यु और चोट के लिए धारा 124 और 124-ए के तहत मुआवजा आदि के मामले आते है। रेलवे अधिनियम की धारा 124 और 124-ए के तहत मुआवजे के लिए आवेदकों द्वारा घटना की तारीख से एक वर्ष के भीतर रेल प्रशासन के विरुद्ध रेलवे कोर्ट के समक्ष आवेदन किया जाना चाहिए, जहां घटना घटी थी।

कूरियर सेवाओं के जरिए ड्रग तस्करी का नया तरीका उजागर

'ईगल' टास्क फोर्स ने पकड़ा गिरोह

दिल्ली और कर्नाटक से मंगवाए जा रहे थे प्रतिबंधित पदार्थ

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह अब पुलिस जांच से बचने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। हाल ही में तेलंगाना राज्य मादक पदार्थ निरोधक कार्यबल 'ईगल' द्वारा पता लगाया गया कि तस्कर अब निजी कूरियर और पार्सल डिलीवरी सेवाओं के ज़रिए हैदराबाद में हेरोइन, कोकीन, एमडीएमए और हाइड्रोपोनिक मारिजुआना जैसे प्रतिबंधित पदार्थ भेज रहे हैं।

'ईगल' टीम के अधिकारियों के अनुसार, बसों, निजी वाहनों और राजमार्गों पर बढ़ी पुलिस जांच के बाद तस्कर अब छोटे कूरियर नेटवर्क का सहारा ले रहे हैं। वे कम मात्रा में ड्रग्स भेजते हैं ताकि शक न हो और आसानी से पकड़े जाने से बच सकें। हाल में ईगल टास्क फोर्स ने हैदराबाद के एक निजी विश्वविद्यालय के छात्रों से जुड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया, जो दिल्ली और कर्नाटक से मारिजुआना मंगाने के लिए कूरियर सेवाओं का उपयोग कर रहे थे। जांच में यह भी सामने आया कि तस्कर गलत या अधूरे पते देकर पार्सल भेजते हैं। जब डिलीवरी कर्मचारी पता नहीं ढूंढ पाते, तो वे दिए गए फोन नंबर पर संपर्क करते हैं और प्राप्तकर्ता पास के किसी सुरक्षित स्थान से पार्सल ले लेता है।

अधिकारियों के अनुसार, संदिग्ध पार्सल मुख्य रूप से गोवा, दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरू से आ रहे हैं। पुलिस को यह भी संदेह है कि कुछ कूरियर कंपनी के कर्मचारी जानबूझकर या अनजाने में इन तस्करी नेटवर्क की मदद कर रहे हैं। कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने अब राज्यभर के कूरियर केंद्रों पर निगरानी कड़ी कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि वैध वितरण चैनलों के ज़रिए नशीली दवाओं की तस्करी की यह नई प्रवृत्ति प्रवर्तन एजेंसियों के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है।

कपास किसानों ने सड़क पर कपास बिखेर कर किया प्रदर्शन

नाराज किसान बोले- महीनों की मेहनत बेकार जा रही है

नलगोंडा, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सलीगौराराम मंडल के मदाराम गांव में मंगलवार को कपास किसानों ने अपनी फसल की खरीद रोकने के विरोध में राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रदर्शन किया। किसानों ने सड़क पर कपास की गांठें बिखेर दीं और हाईवे को करीब दो घंटे तक जाम रखा।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि स्थानीय टीआरआर कॉटन मिल ने अचानक उनकी फसल की खरीद बंद कर दी है, जिससे फसल के चरम मौसम में किसान आर्थिक संकट में फंस गए हैं। सुबह करीब 10 बजे शुरू हुए इस प्रदर्शन में 50 से अधिक किसान शामिल थे, जिनमें कई अपने कंधों पर कपास की बोरियां उठाए हुए थे। उन्होंने सड़क पर कपास रखकर रास्ता रोक दिया और मिल प्रबंधन व अधिकारियों के खिलाफ नारे लगाए। किसानों का कहना था कि उन्होंने धूप में महीनों मेहनत की, लेकिन अब मिल बिना कोई कारण बताए कपास खरीदने से मना कर रही है। बाद में पुलिस के समझाने पर किसानों ने प्रदर्शन समाप्त किया और यातायात बहाल हो गया।

सीवी आनंद ने अग्निशमन एवं आपदा प्रतिक्रिया मुख्यालय का दौरा किया

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के गृह विभाग के विशेष मुख्य सचिव सीवी आनंद ने बुधवार को नानकरामगुडा स्थित तेलंगाना अग्निशमन, आपदा प्रतिक्रिया, आपातकालीन एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के मुख्यालय का दौरा किया। किसी वरिष्ठ अधिकारी का विभाग में यह पहला दौरा था। अग्निशमन, आपदा प्रतिक्रिया, आपातकालीन एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के महानिदेशक विक्रम सिंह मान ने उनका स्वागत किया।

इस दौरे के दौरान, विशेष मुख्य सचिव ने कर्मचारियों से बातचीत की और विभाग के बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन, प्रौद्योगिकी और बजटीय स्थिति पर एक विस्तृत प्रस्तुति की समीक्षा की। चर्चा में विभागीय जिम्मेदारियों, पिछले दशक की प्रमुख उपलब्धियों, वर्तमान पहलों, चुनौतियों और भविष्य की योजनाओं पर भी चर्चा हुई। आनंद ने अग्निशमन सेवा और एसडीआरएफ टीमों के प्रयासों की सराहना की और उनकी तैयारियों और प्रतिक्रिया क्षमताओं को मजबूत करने के लिए पूर्ण सरकारी सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने त्वरित प्रतिक्रिया वाहन और बहुउद्देश्यीय प्रतिक्रिया निविदा का भी निरीक्षण किया। निदेशक, अतिरिक्त निदेशक, क्षेत्रीय अग्निशमन अधिकारी और जिला अग्निशमन अधिकारी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पुलिस स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 28 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस स्मृति दिवस समारोह के उपलक्ष्य में, राचकोंडा पुलिस की महिला सुरक्षा शाखा ने राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी. सुधीर बाबू के मार्गदर्शन में, मंगलवार को कुशाईगुडा में राधिका क्रॉस रोड के पास ओमेगा जूनियर कॉलेज में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। महिला सुरक्षा की डीसीपी टी. उषा रानी ने छात्राओं को 'युवाओं के ध्यान भटकाने वाले तत्वों, महिला सुरक्षा, पीछा करने, धमकाने, सोशल मीडिया पर दुर्व्यवहार, रैगिंग विरोधी और नशीली दवाओं के दुरुपयोग' के बारे में जागरूक किया। उन्होंने ऐसे अपराधों को रोकने के लिए प्रासंगिक कानूनों और एहतियाती उपायों के बारे में भी बताया। कार्यक्रम में एसीपी वेंकटेश्वरलू, इंस्पेक्टर एम. मुनि, एम. राजू, एसआईपी और शी टीम, कुशाईगुडा के कर्मचारियों ने भाग लिया।

घायल गौसेवक श्याम सिंह को मिलकर एवं उनके परिवार को सांत्वना देने के उपलक्ष में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंद्र राव का आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में स्वागत करते हुए लव फार काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत भाई पटेल, तरुण भाई मेहता मुकेश जैन चौहान एवं विजय सुराणा।

हैदराबाद पुलिस ने शुरू किया आधिकारिक व्हाट्सएप चैनल

वास्तविक समय में अलर्ट और सुरक्षा अपडेट देने का उद्देश्य

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिकों से बेहतर संवाद और पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने मंगलवार को आधिकारिक हैदराबाद पुलिस व्हाट्सएप चैनल की शुरूआत की। इस पहल का मकसद शहर के निवासियों को वास्तविक समय में अलर्ट, सुरक्षा से जुड़ी जानकारी, यातायात परामर्श और अन्य महत्वपूर्ण घोषणाएं सीधे पहुंचाना है।

अधिकारियों ने बताया कि नागरिक इस चैनल को फॉलो कर पुलिस विभाग से सत्यापित और ताज़ा अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। चैनल लॉन्च करते हुए पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने कहा, आपसे जुड़े रहें और हैदराबाद से कोई भी महत्वपूर्ण अपडेट न चूकें- जो भारत का सबसे सुरक्षित और सबसे तेजी से विकसित होता शहर है।

सब-जूनियर लड़कियों की तीरंदाजी ट्रायल आज

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम-भद्राद्री तीरंदाजी संघ 30 अक्टूबर को सुबह 7 बजे से पलवोंचा स्थित किन्नरसनी मॉडल स्पोर्ट्स स्कूल में सब-जूनियर लड़कियों के लिए जिला स्तरीय चयन ट्रायल आयोजित करेगा। इस ट्रायल के जरिए चुनी गई तीरंदाज आगामी तेलंगाना अंतर-जिला मिनी तीरंदाजी चैंपियनशिप में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। संघ ने इच्छुक प्रतिभागियों से समय पर स्थल पर पहुंचने की अपील की है।

प्रधानाध्यापक और शिक्षक निलंबित, आरोपी शिक्षक गिरफ्तार

करीमनगर, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर जिले के गंगाधर मंडल के कुरिकयाला गांव स्थित जिला परिषद हाई स्कूल (जेडपीएचएस) में छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार के आरोप सामने आने के बाद प्रधानाध्यापक टी. कमला और अधीनस्थ शिक्षक याकूब पाशा को निलंबित कर दिया गया है।

जिला कलेक्टर पामेला सत्पथी ने प्रधानाध्यापक टी. कमला को अधीनस्थ शिक्षक के कदाचार की जानकारी छिपाने और अपने कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित किया।

कलेक्टर ने इस घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की थी, जिसमें पाया गया कि प्रधानाध्यापक ने स्कूल स्टाफ को मामले की जानकारी बाहरी लोगों से न साझा करने की चेतावनी दी थी और उच्च अधिकारियों को सूचित नहीं किया।

जांच रिपोर्ट के आधार पर कलेक्टर ने निलंबन के आदेश जारी किए, जबकि जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एम. श्रीनिवास ने आरोपी शिक्षक याकूब पाशा को भी निलंबित कर दिया। पुलिस पहले ही याकूब पाशा को गिरफ्तार कर चुकी है। घटना के बाद स्थानीय अभिभावक, राजनीतिक कार्यकर्ता और ग्रामीण स्कूल पहुंचे और आरोपी को नौकरी से बर्खास्त करने की मांग की। बीआरएस नेता और पूर्व विधायक सुनके रविशंकर ने भी सरकार से कठोर कार्रवाई की मांग की।

रोहित शर्मा पहली बार बने नंबर-1 वनडे बल्लेबाज

आईसीसी वनडे रैंकिंग के सबसे उम्रदराज टॉपर

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा करियर में पहली बार दुनिया के नंबर-1 वनडे बल्लेबाज बन गए हैं। आईसीसी ने बुधवार को ताजा रैंकिंग जारी की। इससे पहले शुभमन गिल नंबर-1 थे। रोहित 781 रेटिंग पॉइंट्स के साथ टॉप पर पहुंचे हैं।

38 साल, 182 दिन के रोहित वनडे रैंकिंग के सबसे उम्रदराज नंबर-1 भी बने हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर (38 साल, 73 दिन) का रिकॉर्ड तोड़ा है। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी मैच में शतकीय पारी खेली थी और भारत को जीत दिलाई थी। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया से वनडे सीरीज में 101 की औसत से 202 रन बनाए थे।

रोहित वनडे में टॉप पर पहुंचने वाले 5वें भारतीय

रोहित शर्मा भारत के पांचवें ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने वनडे रैंकिंग में नंबर-1 रैंक हासिल की है। रोहित से पहले सचिन तेंदुलकर, एमएस धोनी, विराट कोहली और शुभमन गिल टॉप पर पहुंच चुके हैं।

कोहली को एक स्थान का नुकसान हुआ

विराट कोहली ने तीसरे वनडे में 74 रन बनाए, लेकिन इसके बावजूद उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ है। अब वह 725 रेटिंग अंकों के साथ छठे स्थान पर हैं। श्रेयस अय्यर ने एडिलेड ओवल में खेले गए दूसरे वनडे में भारत के लिए अर्धशतक लगाया और वह एक स्थान ऊपर (10वें से 9वें) पहुंच गए हैं।

राशिद खान टॉप वनडे बॉलर

वनडे बॉलिंग रैंकिंग में जोश हेजलवुड दो स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं, लेकिन भारत के कुलदीप यादव छठे से सातवें स्थान पर खिसक गए हैं। स्पिनर एडम जम्पा ने दूसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे में चार विकेट लिए और वह भी दो पायदान ऊपर (अब 12वें स्थान पर) पहुंच गए हैं। वहीं, अफगानिस्तान के ऑलराउंडर राशिद खान बॉलिंग रैंकिंग में टॉप पर बने हुए हैं।

उमरजई ऑलराउंडर्स में टॉप पर कायम

अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह उमरजई 334 पॉइंट्स के साथ ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। उनके पीछे जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा 302 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर हैं। टॉप-8 ऑलराउंडर्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया पहला टी-20 बारिश के कारण बेनतीजा

केवल 58 गेंदों का खेल हुआ

कैनबरा, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही टी-20 सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण बेनतीजा रहा। कैनबरा में बुधवार को बार-बार हो रही बारिश के कारण दो बार खेल रोकना पड़ा। इस सीरीज का दूसरा मुकाबला 31 अक्टूबर को मेलबर्न में खेला जाएगा। आखिरी बार जब खेल रोका गया था, तब भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9.4 ओवर में एक विकेट खोकर 97 रन बना लिए थे। शुभमन गिल 37 और कप्तान सूर्यकुमार यादव 39 रन पर नाबाद रहे। अभिषेक शर्मा 19 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें नाथन एलिस ने टिम डेविड के हाथों कैच कराया।

इससे पहले टीम इंडिया को 3 वनडे की सीरीज में 1-2 की हार झेलनी पड़ी, टीम ने सिडनी वनडे 9 विकेट से जीता था। इस मुकाबले में रोहित शर्मा ने 121 और विराट कोहली ने 74 रनों की नाबाद पारियां खेली थीं।

इंडिया को बड़ा झटका, स्टार ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी 3 मैचों से हुआ बाहर

कैनबरा, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज की शुरुआत आज से होने वाली है. हार्दिक पांड्या एशिया कप 2025 के फाइनल से पहले चोटिल हो गए थे. इसी वजह से ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें नहीं चुना गया. उनकी जगह नीतीश कुमार रेड्डी को टीम में जगह दी गई थी लेकिन अब ये स्टार ऑलराउंडर भी चोटिल होने के कारण शुरुआती तीन टी20 मुकाबलों से बाहर हो चुके हैं. सीरीज शुरू होने से पहले ये टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका है.

टीम इंडिया को बड़ा झटका

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 मैच से पहले बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया द्वारा नीतीश कुमार रेड्डी को लेकर अपडेट दिया. उन्होंने बताया कि रेड्डी शुरुआती तीन टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों से बाहर हो चुके हैं. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में हुए दूसरे वनडे मैच में नीतीश को बुरी तरह चोट आई थी. उनके क्वाड्रिसेप्स में चोट आई थी और गर्दन में भी उन्हें थोड़ी समस्या थी. इसी वजह से उनकी रिकवरी में ज्यादा समय लग रहा है. रेड्डी इसी वजह से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती तीन मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे. बीसीसीआई ने बताया कि उनकी मेडिकल टीम नीतीश की प्रोग्रेस पर नजर रखे हुए है.

नीतीश के पास था खुद को साबित करने का मौका

हार्दिक पांड्या के चोटिल होने के कारण नीतीश कुमार रेड्डी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज में जगह मिली थी. रेड्डी अगर अच्छा प्रदर्शन करते, तो टीम में लंबे समय तक बने रहने का चांस उनके पास होता. हालांकि, पांड्या की गैरमौजूदगी का फायदा रेड्डी नहीं उठा पाए और अब तो टी20 सीरीज के शुरुआती तीन मैचों से ही एसआरएच के धाक्कड़ ऑलराउंडर बाहर हो चुके हैं. देखना होगा कि चौथे और पांचवें मैच के लिए वो फिट होते हैं, या नहीं.

रेड्डी का अब तक टी20 अंतर्राष्ट्रीय में प्रदर्शन

नीतीश कुमार रेड्डी ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय में भारत के लिए 4 मुकाबलों में 90 रन बनाए हैं. इसी बीच उनका औसत 45 का है और उनका सर्वाधिक स्कोर 74 का है. गेंदबाजी की बात करें, तो 4 मैचों में उन्होंने 3 विकेट अपने नाम किए हैं. इसी बीच उनकी इकोनॉमी 7.88 की है. हार्दिक की गैरमौजूदगी में नीतीश को सभी पांच मैच खेलने का मौका मिलता और वो अपने स्टैट्स सुधार सकते हैं. हालांकि, चोटिल होने के कारण अब वो अधिकतम दो ही मैच खेल पाएंगे.

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड से दूसरा वनडे 5 विकेट से जीता

हैमिल्टन, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने दूसरे वनडे में इंग्लैंड को 5 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ कीवी टीम तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। बुधवार को हैमिल्टन में खेले गए मुकाबले में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। इंग्लैंड की टीम 36 ओवर में 175 रन पर ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड ने 176 रन का टारगेट 33.1 में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

डेरिल मिचेल ने नाबाद 56 रन बनाए। रचिन रवींद्र ने 54 रनों की पारी खेली। कप्तान मिचेल सैंटनर ने महज 17 गेंदों में नाबाद 34 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाई। पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। उसका पहला विकेट 3 के स्कोर पर गिर गया। ओपनर बेन डकेट ने 5 गेंदों का सामना कर 1 रन बनाया। इंग्लैंड की ओर से केवल 30 रन से ऊपर की पार्टनरशिप एक ही हुई। सातवें विकेट के लिए जेमी ओवरटन और सैम करन के बीच 32 गेंदों पर 38 रन की पार्टनरशिप हुई। ओवरटन ने सबसे ज्यादा 28 गेंदों पर 42 रन बनाए। वहीं कप्तान हैरी ब्रूक ने 34 गेंदों पर 34 रन की पारी खेली। न्यूजीलैंड की ओर से ब्लेयर टिकनर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने 8 ओवर में 34 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं नाथन स्मिथ ने 5 ओवर में 27 रन देकर 2 विकेट लिए।

दूसरा मैच 5 विकेट से जीतने के साथ ही न्यूजीलैंड ने वनडे सीरीज पर भी कब्जा जमा लिया। न्यूजीलैंड ने पहला मुकाबला भी 4 विकेट से अपने नाम किया था।

रिजवान ने सेंट्रल क्रॉन्ट्रेक्ट साइन करने से मना किया

वनडे कप्तानी से हटाया गया था; दो महीने पहले पीसीबी ने सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट जारी किया था

इस्लामाबाद, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का 2025–26 सीजन का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट साइन करने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिजवान ने बोर्ड के सामने कुछ शर्तें रखी हैं, जिन पर फिलहाल पीसीबी सहमत नहीं हुआ है। पीसीबी ने दो महीने पहले सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट को जारी किया था। जिसमें रिजवान और बाबर आजम दोनों को कैटेगरी A से हटाकर कैटेगरी B में कर दिया था।

पिछले सीजन तक दोनों ही खिलाड़ी पाकिस्तान के टॉप कॉन्ट्रैक्ट वाले (कैटेगरी A) क्रिकेटर थे। PCB ने इस बार किसी भी खिलाड़ी को कैटेगरी A

में शामिल नहीं किया था, जो बोर्ड की नई पॉलिसी का बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

2025-26 सीजन के लिए जारी किए कॉन्ट्रेक्ट में खिलाड़ियों की संख्या 27 से बढ़ाकर 30 कर दी गई थी। युवा खिलाड़ी हसन नवाज, मोहम्मद हारिस और सुफियान मोकिम को 2025-26 सीजन के लिए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल किया गया था।

तीनों कैटेगरी बी, सी और डी में 10-10 खिलाड़ियों को जगह दी गई थी। यह कॉन्ट्रैक्ट 1 जुलाइ 2025 से 30 जून 2026 तक रहेगा।

रिजवान को वनडे कप्तानी से हटाया गया था

पीसीबी ने हाल ही में रिजवान को वनडे कप्तानी से हटाकर शाहीन शाह अफरीदी को नया कप्तान बनाया था। पाकिस्तान की टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ 3 नवंबर से वनडे सीरीज में नए कप्तान शाहीन शाह अफरीदी की कप्तानी में उतरेगी। वनडे सीरीज साउथ अफ्रीका के खिलाफ 3 नवंबर से शुरू हो रही है। रिजवान को पाकिस्तान की 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

टी-20 टीम से भी बाहर हैं रिजवान

रिजवान पिछले साल दिसंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज के बाद से पाकिस्तान की T20I टीम का हिस्सा नहीं हैं।

रिजवान को पिछले साल वनडे कप्तान बनाया गया था

रिजवान पिछले साल नवंबर में वनडे टीम के कप्तान बनाए गए थे। उन्होंने पाकिस्तान को 2024 में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में सीरीज जिताई थी। तब उन्होंने खुद भी 42 की औसत से रन बनाए थे। हालांकि, इस साल टीम का प्रदर्शन कमजोर रहा और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान पहले ही दौर में बाहर हो गया

साउथ अफ्रीका ने पाक को 55 रन से हराया

टी-20 सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई

रावलपिंडी, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। रावलपिंडी में खेले गए पहले टी-20 मैच में साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान को 55 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीका ने 9 विकेट के नुकसान पर 194 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 18.1 ओवर में ही 139 रन पर सिमट गई। इसके साथ ही साउथ अफ्रीका रावलपिंडी में पहले बल्लेबाजी करते हुए जीत दर्ज करने वाली पहली विदेशी टीम बन गई। टीम की जीत में रीजा हेंड्रिक्स (60 रन) और कॉर्बिन बॉश (4 विकेट) ने अहम भूमिका निभाई।

टॉस जीतकर पाकिस्तान के कप्तान ने पहले फील्डिंग का फैसला किया। साउथ अफ्रीका की शुरुआत शानदार रही। ओपनर रीजा हेंड्रिक्स और क्विंटन डी कॉक ने पहले विकेट के लिए 44 रन जोड़े। टीम ने 28 गेंदों में ही 50 रन पूरे कर लिए और पावरप्ले में एक विकेट खोकर 74 रन बना लिए। 54 गेंदों में साउथ अफ्रीका ने 100 रन का आंकड़ा छू लिया। रीजा हेंड्रिक्स ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 33 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और 40 गेंदों में 60 रन की पारी खेली। वहीं, टोनी डी ज़ोरजी ने 16 गेंदों पर तेजी से 33 रन बनाए। अंत में जॉर्ज लिंडे ने 22 गेंदों पर 36 रन की तेज पारी खेलते हुए टीम का स्कोर 20 ओवर में 9 विकेट पर 194 रन तक पहुंचा दिया।

पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद नवाज सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट झटके। सईम अयूब ने 4 ओवर में 31 रन देकर 2 विकेट लिए। वहीं अबरार अहमद, नसीम शाह और शाहीन शाह अफरीदी को 1-1 विकेट मिला।

भारत से फिर जुड़ेंगे दिग्गज मुक्केबाज कोच सेंटियागो

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने साई को भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय मुक्केबाजी टीम के पूर्व विदेशी प्रशिक्षक और हाई परफॉरमेंस डायरेक्टर अर्जेंटीनी मूल के दिग्गज स्वीडिश कोच सेंटियागो निएवा एक बार फिर भारतीय मुक्केबाजों से जुड़ने जा रहे हैं। सेंटियागो इस वक्त ऑस्ट्रेलियाई मुक्केबाजी टीम के मुख्य प्रशिक्षक हैं। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) उन्हें पुरुष टीम के मुख्य प्रशिक्षक के तौर पर जोड़ रहा है। बीएफआई ने सेंटियागो के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) को प्रस्ताव भेजा है। अनुबंध सिरे चढ़ा तो वह अब तक के सबसे महंगे विदेशी मुक्केबाजी कोच होंगे। उन्हें 12 हजार अमेरिकी डॉलर (लगभग साढ़े 10 लाख रुपये) प्रति माह के वेतन पर लाया जा रहा है। सेंटियागो टोक्यो ओलंपिक के बाद तक भारतीय

मुक्केबाजी टीम के हाई परफॉरमेंस डायरेक्टर थे।

सेंटियागो 2017 में भारतीय मुक्केबाजी टीम के साथ जुड़े थे और 2022 तक उन्होंने भारतीय मुक्केबाजों को तराशा। उनकी कोचिंग में भारत के सर्वाधिक नौ मुक्केबाज टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किए थे, इनमें पांच पुरुष मुक्केबाज शामिल थे। हालांकि टोक्यो में देश के किसी भी मुक्केबाज का पदक नहीं जीतना उनके भारत छोड़ने का कारण बना। उनकी कोचिंग में भारत ने 2019 की विश्व चैंपियनशिप में दो पदक जीते और 2018 के राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन किया।

सूत्र बताते हैं कि हाल ही में हुई लिवरपूल विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दौरान ही बीएफआई ने सेंटियागो को वापस भारतीय टीम के साथ जुड़ने का प्रस्ताव दिया। उनके अनुबंध पर अभी साई और खेल मंत्रालय की अंतिम मुहर लगना बाकी है। सेंटियागो की कोचिंग में ऑस्ट्रेलिया के मुक्केबाजों ने भी अच्छी प्रगति की है। पेरिस ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया के रिकॉर्ड 12 मुक्केबाज खेले। इनमें दो ने पदक भी जीते। सेंटियागो भारत से पहले स्वीडन के मुक्केबाजों को प्रशिक्षित कर चुके हैं।

अल्कारेज को पेरिस मास्टर्स में मिली हार

टूर्नामेंट में विजयी अभियान रुका

पेरिस, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कारेज का पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में चला आ रहा विजयी अभियान रुक गया है। अल्कारेज को दूसरे दौर में गैरवरीयता प्राप्त कैमरन नूरी से हार का सामना करना पड़ा। अल्कारेज ने पहला सेट जीता था, लेकिन इसके बाद नूरी ने अगले दो सेट जीतकर मुकाबला 4-6, 6-3, 6-4 से अपने नाम किया। अल्काराज ने मैच के बाद कहा, मैं अपने खेल से वास्तव में निराश हूं। मुझे अच्छा नहीं लग रहा था और मैंने बहुत सारी गलतियां की।

छह बार के ग्रैंड स्लैम विजेता ने दूसरा सेट हारने के बाद कोच जुआन कार्लोस फेरेरो के साथ भी चर्चा की, लेकिन यह भी उनके काम नहीं आया। इस हार के साथ ही अल्कारेज का मास्टर्स प्रतियोगिताओं में 17 मैचों से चला आ रहा विजय अभियान भी टूट गया। यही नहीं उन्हें अपनी नंबर एक रैंकिंग से भी हाथ धोना पड़ सकता है क्योंकि अगर दूसरे स्थान पर काबिज यानिक सिनर यह टूर्नामेंट जीत जाते हैं तो वह एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच जाएगे।

अल्कारेज ने इस सत्र में आठ खिताब जीते हैं जिसमें फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन के अलावा तीन मास्टर्स टूर्नामेंट भी शामिल हैं। नूरी का अगला मुकाबला वैलेन्टिन वाचेरोट और आर्थर रिंडरक्नेच के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। वाचेरोट ने पहले दौर में 14वीं वरीयता प्राप्त जिरी लेहेका को 6-1, 6-3 से हराया।

पूर्व मैच रेफरी ने बीसीसीआई पर लगाया सनसनीखेज आरोप

सौरव गांगुली पर किया खुलासा

मेलबोर्न, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया इस समय ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टी20आई मैचों की सीरीज खेलने को बेताब है. इस सीरीज की शुरुआत 29 अक्टूबर से होने जा रही है. इससे पहले इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के पूर्व मैच रेफरी ने टीम इंडिया पर बड़ा आरोप लगाया है. उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को लेकर भी बड़ा खुलासा किया है.

क्रिस ब्रॉड ने क्या किया खुलासा?

पूर्व आईसीसी मैच रेफरी क्रिस ब्रॉड ने हाल ही में एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि मैच रेफरी के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्हें एक बार फोन आया था. इसमें उनसे 'नरमी बरतने' और भारत पर धीमी ओवर रेट के जुर्माने से बचने के लिए कहा गया

था. हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया कि उनको फोन किसने किया था? क्रिस ब्रॉड को ये याद नहीं कि वो कौन सा मैच था? या उस मैच में भारत के खिलाफ कौन सी टीम खेल रही थी?

क्रिस ब्रॉड ने बताया, "भारत मैच के आखिर में तीन, चार ओवर पीछे था, इसलिए ये जुर्माना बनता था. मुझे एक फोन आया, जिसमें कहा गया था, 'ढील बरतो, थोड़ा समय निकालो क्योंकि ये भारत है'. इसलिए हमें कुछ समय निकालना पड़ा और ओवर-रेट को निर्धारित सीमा से नीचे लाया गया". पूर्व मैच रेफरी ने आगे बताया, "अगले मैच में भी, बिल्कुल वैसा ही हुआ. उस समय के भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने मेरी बात नहीं सुनी, तो मैंने फोन करके पूछा, 'अब आप मुझसे क्या करवाना चाहते हैं?' और मुझे कहा गया, 'बस उनके साथ ही करो'".

साल 2024 में ले लिया था रिटायरमेंट

क्रिस ब्रॉड ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि विंस वैन डेर बिजल (आईसीसी अंपायर मैनेजर) जब तक इस पद पर थे, तब तक हमें उनका समर्थन मिला था, क्योंकि वे क्रिकेट की पृष्ठभूमि से थे, लेकिन उनके जाने के बाद मैनेजमेंट काफी कमजोर हो गया. भारत को सारा पैसा मिल गया और अब उसने कई मायनों में आईसीसी पर कब्जा कर लिया है.

भारत को वर्ल्ड चैंपियन बना सकती हैं ये लड़कियां

स्मृति मंधाना टूर्नामेंट की टॉप स्कोरर; दीप्ति शर्मा ने सबसे ज्यादा विकेट लिए

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत 5वीं बार विमेंस वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंच गया है। इंडिया विमेंस टीम ने चौथे नंबर पर रहकर लीग राउंड फिनिश किया। अब 30 अक्टूबर को टीम का सामना 7 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से होगा।

स्मृति मंधाना – टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालीं स्मृति मंधाना 2025 में बेहतरीन फॉर्म में नजर आईं। उन्होंने इस साल 64.65 की औसत 1293 रन बनाए। इनमें 5 शतक और 5 फिफ्टी शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तो उन्होंने इस साल पिछले 4 मैचों में 2 शतक और 2 फिफ्टी लगा दीं। अब सेमीफाइनल में फिर एक बार भारत को ऑस्ट्रेलिया से ही भिड़ना है, ऐसे में मंधाना ने अगर अच्छी शुरुआत दिलाई तो टीम फाइनल में जगह बनाने की उम्मीद कर सकती है।

क्या रोल निभाती हैं? – बाएं हाथ की इस बल्लेबाज पर पारी की शुरुआत करने की जिम्मेदारी है। स्मृति ने इसे बखूबी निभाया। उन्होंने पहले मैच को छोड़कर सभी पारियों में 20 से ज्यादा रन बनाए। इतना ही नहीं, 4 दफा 50 से ज्यादा रन की ओपनिंग साझेदारी भी की

ऋचा घोष – बंगाल की 22 साल की बैटर ऋचा ने 6 मैचों में 175 रन बनाए हैं। उन्होंने 43.75 की एवरेज और 128.67 के स्ट्राइक रेट से बैटिंग की। वे 2 बार नॉटआउट

रहीं। ऋचा ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ वाइजैग में 94 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। इतना ही नहीं, विकेट के पीछे दो बल्लेबाजों को कैच भी किया।

क्या रोल निभाती हैं? – विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष को फिनिशर पोजिशन पर बल्लेबाजी का रोल मिला। ऋचा का काम आखिरी 10-15 ओवर में बड़े-बड़े शॉट्स खेलकर भारत के स्कोर को तेजी से बढ़ाने का रहता है। वे अपने करियर में इस काम को बखूबी निभाते आईं, लेकिन टूर्नामेंट में उन्हें ज्यादा पारियां खेलने का मौका नहीं मिला।

दीप्ति शर्मा – आगरा की रहने वाली लेफ्ट हैंड ऑलराउंडर ने बैट और बॉल दोनों से टूर्नामेंट में योगदान दिया। 28 साल की दीप्ति ने 7 में से 5 मैचों में बल्लेबाजी की। उन्होंने 2 फिफ्टी के सहारे 133 रन बनाए। इतना ही नहीं, गेंदबाजी में 15 विकेट भी झटके। वे इस टूर्नामेंट की टॉप विकेट टेकर में ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड के साथ टॉप पर हैं।

क्या रोल निभाती हैं? – दीप्ति पर मिडिल ऑर्डर की बल्लेबाजी और स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी है। दोनों ही मोर्चों पर दीप्ति ने उम्मीदों के अनुरूप प्रदर्शन किया। वे मिडिल ऑर्डर में ऋचा घोष के साथ अहम रन बना रही हैं। साथ ही जरूरत पड़ने पर टीम को विकेट भी दिलाती हैं।

श्री चरणी– आंध्र प्रदेश की श्री चरणी इस टूर्नामेंट में भारत की दूसरी सबसे सफल गेंदबाज हैं। उन्होंने 7 मैचों में 11 विकेट झटके हैं। वे महज 4.91 की इकोनॉमी से रन खर्च करती हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ग्रुप स्टेज मैच में उन्होंने महज 41 रन देकर 3 विकेट लिए थे। उन्हें अगर दूसरे एंड से साथ मिलता तो टीम इंडिया जीत भी सकती थी।

क्या रोल निभाती हैं? – ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ग्रुप स्टेज में बेहतरीन गेंदबाजी की। भारतीय टीम 331 रन का टारगेट डिफेंड कर रही थी। इस मुकाबले में श्री चरणी ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली, ओपनर फीबी लिचफील्ड और एनाबेल सदरलैंड को पवेलियन की राह दिखाई थी।

सेमीफाइनल से पहले टीम इंडिया के लिए आई बुरी खबर, ऑस्ट्रेलिया की टीम हुई और मजबूत

मुंबई, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाएगा. 30 अक्टूबर को डॉ डी वाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी नवी मुंबई में होने वाले इस मुकाबले की फिलहाल दोनों ही टीमें तैयारियां कर रही है. इस बीच टीम इंडिया के लिए बहुत ही बुरी खबर सामने आई है. वहीं ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम के कैंप को बड़ी खुशखबरी मिली है. उनकी टीम अब और भी ज्यादा मजबूत नजर आ रही है.

ऑस्ट्रेलियन टीम को मिली बड़ी खुशखबरी

लीग स्टेज के आखिरी मुकाबले से पहले ऑस्ट्रेलिया टीम की कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज एलिसा हीली के ट्रेनिंग के दौरान पिंडली में चोट लग गई थी. जिसके कारण ही वो इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में नहीं खेली थी. जिसके कारण ही तहलिया मैकग्राथ को कप्तानी सौंपी गई थी. लीग स्टेज में अपने सभी मुकाबले जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम अब सेमीफाइनल की तैयारी कर रही है. मैच से पहले अब ऑस्ट्रेलिया को बड़ी खुशखबरी मिली है. कप्तान एलिसा हीली अब पूरी तरह से फिट हो गई हैं. सोमवार को उन्होंने जमकर अभ्यास किया. जिसके कारण ही अब उम्मीद जताया जा रहा है कि वो सेमीफाइनल मुकाबले में खेलते हुए नजर आएंगी.

टीम इंडिया के खिलाफ चलता है एलिसा हीली का बल्ला

भारत के खिलाफ लीग स्टेज में हुए मुकाबले के दौरान ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने 107 गेंदों में 142 रनों की पारी खेली है. जिसमें 21 चौके और 3 गगनचुंबी छक्के जड़े थे. भारत के खिलाफ हमेशा ही हीली का बल्ला चलता है. ऐसे में सेमीफाइनल मुकाबले में एलिसा की वापसी से हरमनप्रीत कौर की परेशानी बढ़ने वाली है. बात हीली की करें तो इस टूर्नामेंट में वो 2 शतक बना चुकी हैं. ऐसे में उनकी वापसी से ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी और ज्यादा मजबूत होगी. ऐसे में टीम इंडिया को जीत दर्ज करने के लिए अपना 200 प्रतिशत देना होगा.

लगातार बारिश से तेलंगाना, आंध्र के कई हिस्से प्रभावित

कुछ स्टेशनों पर जलभराव के कारण यातायात बाधित > दमरे के कार्यक्षेत्र में 25 हेल्प डेस्क स्थापित

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारी बारिश के कारण मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे की रेल यात्रियों से अपील की है चूँकि लगातार बारिश से तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और अन्य तटीय क्षेत्रों के कई हिस्से प्रभावित होने की संभावना है। इसलिए आवश्यकतानुसार इस क्षेत्र में ट्रेन संचालन और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, ट्रेन सेवा पैटर्न में बदलाव किया जा सकता है।

वर्तमान में, सिकंदराबाद मंडल के तेलंगाना क्षेत्र में महबूबाबाद - दोर्नाकल - खम्मम खंड भारी बारिश और कुछ स्टेशनों पर जलभराव के कारण प्रभावित है। इसके कारण, कुछ ट्रेनों को प्रतिबंधित/रद्द/आंशिक रूप से रद्द/पुनर्निर्धारित किया गया है, जबकि कुछ ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित किया जा रहा है। इसके अलावा, पूरे क्षेत्र में चलाई जाने वाली ट्रेन सेवाएँ मौजूदा परिस्थितियों के आधार पर परिवर्तन के अधीन हैं। स्थिति के अनुसार उन्हें रद्द, परिवर्तित, पुनर्निर्धारित या आंशिक रूप से रद्द किया जा सकता है। रेलवे अधिकारी, राज्य अधिकारियों के साथ निकट समन्वय में, तेलुगु राज्यों में चक्रवात मोन्था के कारण भारी बारिश, अचानक आई बाढ़ और बाढ़ के पानी के जमाव की स्थिति पर कड़ी नज़र रख रहे हैं। मंडल और क्षेत्रीय स्तर पर वॉर रूम स्थापित किए गए हैं और समय-समय पर स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं।

रेलवे अधिकारी, नागरिक सुरक्षा कर्मी, स्काउट और गाइड मौजूदा मौसम की स्थिति के कारण प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों में स्वेच्छा से भाग ले रहे हैं। इस संदर्भ में, रेल यात्रियों से कई बातों पर ध्यान देने का अनुरोध किया है। दमरे ने कहा है कि रेल यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी रेल यात्रा की योजना केवल तभी बनाएँ जब मौजूदा मौसम की स्थिति, जैसे भारी बारिश और तूफ़ान को ध्यान में रखते हुए आवश्यक हो। ट्रेन सेवाओं में परिवर्तन, जैसे रद्दीकरण, मार्ग परिवर्तन, पुनर्निर्धारण आदि, यात्रियों को आरक्षित टिकट बुक करते समय दिए गए मोबाइल नंबरों पर एसएमएस भेजकर सूचित किया जाएगा।

रेल वन, आईआरसीटीसी, एनटीईएस ट्रेनों की नवीनतम जानकारी एस.सी.आर. आदि अधिकारिक ऐप्स और वेबसाइटों से या पूछताछ नंबर 139 डायल करके प्राप्त की जा सकती है। ट्रेन सेवा पैटर्न में बदलाव नियमित रूप से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचारित किए जाएंगे। यात्री ट्रेनों के रद्दीकरण/आंशिक रद्दीकरण/मार्गांतरण/पुनर्निर्धारण के बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे एक्स (एससीआरेलवेइंडिया), फेसबुक (दक्षिण मध्य रेलवे-एस.सी.आर.), इंस्टाग्राम (@scrailwayindia) और दक्षिण मध्य रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट (https://scr.indianrailways.gov.in/) पर भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस अवधि के दौरान ट्रेनों से संबंधित किसी भी प्रश्न के लिए, यात्री कृपया निकटतम रेलवे स्टेशन के अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर हेल्पलाइन नंबरों के साथ हेल्प डेस्क स्थापित किए गए है। विजयवाड़ा गुडूर 08624-250795, नेल्लोर 9063347961, ओंगोल 7815909489, बापट्ला 7815909329/778049989, तेनाली 7815909463, विजयवाड़ा 0866-2575167, एलुरु 7569305268, राजमंड्री 8331987657, समरलाकोटा 7382383188, ट्यूनी 78159094%9, अनाकापल्ले 7569305669, भीमावरम 7815909402, गुड़ीवाड़ा 7815909462

काकीनाडा 0884-2374227, गुंटूर गुंटूर 6302201468

गुंतकल तिरूपति 9063311778, रेनिगुंटा 7815915626, कडप्पा 8340584700, सिकंदराबाद सिकंदराबाद 040-277786170 / 040-27786140, काज़ीपेट 0870-2576430, वारंगल 9063328082, चेरलापल्ली 040-27781765, हैदराबाद 9063330400, लिंगमपल्ली 9390501704, खम्मम 9063325169 हेल्प डेस्क स्थापित किए गए है।

चक्रवाती तूफ़ान मोन्था का मार्ग उत्तरी तेलंगाना की ओर बढ़ा, मौसम पूर्वानुमान

अगले 24 से 48 घंटों में क्षेत्र को प्रभावित करने की उम्मीद

पानी सड़कों पर भरा, यातायात बाधित हो रहा है

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने भीषण चक्रवाती तूफ़ान मोन्था के कारण बने गहरे दबाव के क्षेत्र के बारे में तेलंगाना को चेतावनी जारी की है, जो उत्तरी तेलंगाना और दक्षिणी बस्तर क्षेत्रों के लिए एक बड़ा ख़तरा है। हालाँकि तूफ़ान कमज़ोर पड़ गया है, फिर भी यह एक संभावित ख़तरा बना हुआ है। आईएमडी के हालिया अवलोकन और पूर्वानुमान पथ संकेत देते हैं कि तथाकथित "अवशेष" उत्तरी तेलंगाना की ओर बढ़ रहे हैं। शुरुआत में पूर्वी तट पर कमज़ोर पड़ने का अनुमान लगाया गया था, लेकिन अब यह आश्चर्यजनक रूप से उत्तर की ओर बढ़ गया है। स्थानीय नमी के संपर्क में आने से यह तूफ़ान थोड़ा मज़बूत हो रहा है और अगले 24 से 48 घंटों में इस क्षेत्र को प्रभावित करने की उम्मीद है। गोदावरी नदी बेसिन के किनारे के ज़िले सीधे इसके रास्ते में हैं, पूर्व में भद्राचलम से लेकर उत्तर-पश्चिम में करीमनगर तक के क्षेत्र में 28 से 33 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है। ये हवाएँ, हालाँकि बहुत तेज़ नहीं हैं, पेड़ों को गिरा सकती हैं, बिजली के तारों को बाधित कर सकती हैं और पहले से ही पानी से भरी सड़कों पर यात्रा को मुश्किल बना सकती हैं। निचले इलाकों में, जो अभी भी पिछले हफ़्ते हुई असामान्य बारिश से उबरने की प्रक्रिया में हैं, अचानक बाढ़ का ख़तरा बढ़ गया है। तूफ़ान से सबसे बड़ा ख़तरा भारी बारिश है, आईएमडी मॉडल कुछ स्थानीय इलाकों में 100 मिमी से ज़्यादा बारिश का अनुमान लगा रहे हैं। चक्रवात मोन्था के प्रभाव के कारण, तेलंगाना राज्य में बुधवार को भारी बारिश हुई। सबसे ज़्यादा 20.8 सेमी बारिश नागर कर्नूल ज़िले के उप्पुंथल में दर्ज की गई। इसी तरह, नागर कर्नूल ज़िले के अमराबाद में 19.7 सेमी, नलगोंडा ज़िले के तेलदेवरापल्ली में 18.5 सेमी, नागर कर्नूल ज़िले के वेल्टुर में 18.3 सेमी और ऐनोलू में 17.8 सेमी बारिश दर्ज की गई। नलगोंडा जिले के एरारम में 15.1 सेमी, पोलेपल्ली में 13.3 सेमी, रंगारेड्डी जिले के वेलिजाला में 13.9 सेमी, वानापर्थी जिले के रेवल्ली में 12.6 सेमी और महबूबनगर जिले के मिदजी में 11.9 सेमी बारिश हुई। हैदराबाद में, गाचीबोवली, खाजागुडा, नानकरांगुडा, मुशीराबाद, आरटीसी क्रॉस रोड, गांधीनगर, कवाडिगुडा, भोलाकपुर, अंबरपेट, काचीगुडा, नल्लाकुंटा, बरकतपुरा, बीएन रेड्डीनगर, मीरपेट, बालापुर, बदंगपेट, महेश्वरम, थुक्कुगुडा, पहाड़ीशरीफ, जवाहरनगर, चिक्कडापल्ली, बगलिंगमपल्ली और दोमलागुडा में भारी बारिश हुई है, जिसके परिणामस्वरूप पानी सड़कों पर भर गया है और यातायात बाधित हो रहा है।

भारी बारिश के बीच परेशान यात्रियों की पुलिस कर्मियों ने की सहायता

पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने की सराहना

जिले में भारी बारिश के कारण, दोर्नाकल में गोलकुंडा एक्सप्रेस और महबूबाबाद रेलवे स्टेशन पर कृष्णा एक्सप्रेस को रोक दिया गया है। इस अवसर पर, महबूबाबाद जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर रामनाथ केकन ने प्रतिक्रिया व्यक्त की और संबंधित पुलिस अधिकारियों को राहत उपाय करने के आदेश दिए ताकि ट्रेनों में यात्रियों को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। महबूबाबाद टाउन सीआई महेंद्र रेड्डी, ग्रामीण सीआई सरवैया, दोर्नाकल सीआई चंद्रमौली और कर्मचारी, उपनिरीक्षक और कांस्टेबल रेलवे स्टेशन पहुँचे और ट्रेन में यात्रियों को पानी की बोतलें, बिस्कुट के पैकेट और पुलिहोरा पार्सल सौंपे। ट्रेन के विलंबित होने के बावजूद, पुलिसकर्मियों ने समय पर सहायता प्रदान की और यात्रियों को बिना किसी परेशानी के मदद की। इस अवसर पर महबूबाबाद

ज़िले के पुलिस अधीक्षक ने कहा कि महबूबाबाद पुलिस हमेशा लोगों के साथ है और अगर किसी आपात स्थिति में उन्हें मदद की ज़रूरत हो, तो लोग बिना किसी डर के पुलिस से संपर्क कर सकते हैं। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनता की सेवा करना पुलिस का मुख्य उद्देश्य है और वे बारिश जैसी आपदाओं के दौरान लोगों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। पुलिस महानिदेशक ने महबूबाबाद ज़िला पुलिस को मानवीय दृष्टिकोण से कार्य करने और भारी बारिश में कठिनाइयों का सामना कर रहे यात्रियों की मदद करने के लिए बधाई दी। उन्होंने संकट में बचाव के लिए आगे आए पुलिसकर्मियों के प्रयासों की सराहना की।

आईएमडी ने अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी दी

वारंगल, हनुमाकोंडा और महबूबाबाद जिलों के लिए रेड अलर्ट

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चक्रवात मोन्था के प्रभाव के कारण तेलंगाना के तीन जिलों में अत्यधिक भारी बारिश जारी रहने का अनुमान लगाया है। वारंगल, हनुमाकोंडा और महबूबाबाद जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है, जिससे संकेत मिलता है कि इन इलाकों में अत्यधिक भारी बारिश होगी। इसके अलावा, आदिलाबाद, निर्मल, जगतियाल, मंचेरियल, राजन्ना सिरसिला, पेड्डापल्ली, करीमनगर, सिद्दीपेट, जनगामा, यादाद्री भुवनगिरी, जयशंकर भूपलपल्ली और सूर्यपेट जिलों में अत्यधिक भारी बारिश का अनुमान है, जिसके कारण इन क्षेत्रों के लिए नारंगी चेतावनी जारी की गई है। इसके अलावा, कुमुरम भीम आसिफाबाद, निज़ामाबाद, कामारेड्डी, मेडक, रंगारेड्डी, नलगोंडा, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम और खम्मम जिलों में भारी वर्षा का अनुमान है, जिन्हें पीली चेतावनी जारी की गई है।

चक्रवात मोन्था से लगातार बारिश

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चक्रवाती तूफान मोन्था के असर से हैदराबाद और उसके आसपास के इलाकों में मंगलवार शाम से लगातार बारिश हो रही है। शहर के कई हिस्सों में कभी तेज तो कभी हल्की बारिश दर्ज की गई है। गच्चीबावली, लिंगमपल्ली, चिंतल, बुदवेल और अत्तापुर जैसे इलाकों में मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई गई है। बारिश के कारण कई सड़कों पर पानी भर गया है, जिससे यातायात पर असर पड़ा है।

मौसम विभाग के मुताबिक, चक्रवात मोन्था का प्रभाव अगले 24 घंटे तक बना रह सकता है। इसके चलते तेलंगाना के कई जिलों कोत्तागुडेम, हनमकोंडा, खम्मम, महबूबनगर, नलगोंडा, विकाराबाद और सूर्यपेट में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासन ने लोगों से घरों में रहने और अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की अपील की है। नगर निगम की टीमें जलभराव वाले इलाकों में राहत कार्यों में जुटी हैं। विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि फिलहाल नई फसल की बुवाई या कटाई से बचें और अपने खेतों में जल निकासी की व्यवस्था करें। साथ ही बिजली विभाग ने भी नागरिकों को खुले स्थानों में बिजली उपकरणों के इस्तेमाल से परहेज करने की चेतावनी दी है।

जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए ईवीएम रैंडमाइजेशन का दूसरा दौर पूरा

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव की तैयारियों के तहत, बुधवार को हैदराबाद के कोटला विजयभास्कर रेड्डी स्टेडियम में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) का दूसरा दौर रैंडमाइजेशन किया गया। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त जनरल ऑब्जर्वर रंजीत कुमार, पुलिस ऑब्जर्वर ओम प्रकाश त्रिपाठी और व्यय ऑब्जर्वर संजीव कुमार लाल के साथ-साथ राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के एजेंटों की उपस्थिति में रैंडमाइजेशन प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन, अतिरिक्त आयुक्त हेमंत केशव पाटिल, निर्वाचन अधिकारी पी. साई राम और अन्य वरिष्ठ चुनाव अधिकारी भी इस प्रक्रिया के दौरान उपस्थित थे। रेण्डमाइजेशन से मतदान केंद्रों को ईवीएम का निष्पक्ष आवंटन सुनिश्चित होता है, जिससे चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता, तटस्थता और निष्पक्षता मजबूत होती है।

हमें शहीद पुलिस अधिकारियों की सेवाओं को याद रखना चाहिए : सुधीर बाबू

हर मिनट दो डायल-100 कॉल रिसीव की जाती हैं : पुलिस आयुक्त

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त सुधीर बाबू ने कहा कि नागरिकों को हमेशा उन पुलिसकर्मियों का समर्थन करना चाहिए जो जनता की सेवा में अपना जीवन समर्पित करते हैं। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि लोग स्वयं भी "बिना वर्दी वाले पुलिस" हैं जो समाज की भलाई के लिए काम कर रहे हैं। पुलिस स्मृति सप्ताह के तहत, आयुक्त सुधीर बाबू के नेतृत्व में सरूरनगर स्टेडियम में एक विशाल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में छात्रों, कॉलोनी निवासियों और अन्य आम लोगों सहित 2,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया। सुड्डाला अशोक तेजा, सुधीर सांद्रा और डॉ. कविता जैसे प्रमुख अतिथियों ने भाग लिया और छात्रों और नागरिकों में जागरूकता फैलाई। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, आयुक्त सुधीर बाबू ने कहा कि पुलिस स्मृति सप्ताह हर साल कर्तव्य पालन करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिसकर्मियों के सर्वोच्च बलिदान को याद करने और उनका सम्मान करने के लिए मनाया जाता है। उन्होंने समाज में सुरक्षा प्रदान करने और शांति बनाए रखने में राचकोंडा पुलिस की सराहनीय

सेवाओं की सराहना की। आयुक्त ने बताया कि राचकोंडा आयुक्तालय में हर मिनट दो डायल-100 कॉल रिसीव की जाती हैं, जो पुलिस की निरंतर सतर्कता और जवाबदेही को दर्शाता है।

उन्होंने आगे कहा कि पुलिस अधिकारी छह विशेष प्रभागों में कार्यरत हैं ताकि स्पष्ट पुलिसिंग सुनिश्चित की जा सके और जनता को चौबीसों घंटे सुरक्षा प्रदान की जा सके। उन्होंने कहा कि पुलिस अकेले रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों के घर जाकर और आवश्यकता पड़ने पर उनकी सहायता करके उनकी सहायता भी कर रही है। ऑपरेशन स्माइल के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि इससे पुलिस को समुदाय के और करीब आने में मदद मिली है। उन्होंने नागरिकों से पुलिस के साथ सहयोग करने का आग्रह किया और उन्हें याद दिलाया कि प्रत्येक ज़िम्मेदार नागरिक कानून-व्यवस्था का संरक्षक भी है। कमिश्नर सुधीर बाबू ने गर्व के साथ कहा कि राचकोंडा कमिश्नरेट देश का पहला एनबीडब्ल्यू-मुक्त (गैर-ज़मानती वारंट निरस्त) कमिश्नरेट बन गया है। कार्यक्रम में मलकाजगिरी डीसीपी पद्मजा , एलबी नगर डीसीपी अनुराधा , यदाद्री-भुवनगिरी डीसीपी आकांक्षा यादव , डीसीपी अपराध अरविंद बाबू, डीसीपी प्रशासन इंदिरा, डीसीपी महिला सुरक्षा उषा रानी, डीसीपी महेश्वरम सुनीता रेड्डी, डीसीपी एसबी जी. नरसिम्हा रेड्डी, डीसीपी एसओटी रमना रेड्डी, डीसीपी ट्रैफिक-1 श्रीनिवास, डीसीपी ट्रैफिक-2 श्रीनिवासुलु, डीसीपी साइबर अपराध नागलक्ष्मी, डीसीपी सड़क सुरक्षा मनोहर, डीसीपी मुख्यालय श्याम सुंदर, साथ ही कई अतिरिक्त डीसीपी और एसीपी आदि ने भाग लिया।

प्रेमी युगल ने की आत्महत्या, दो गांवों में शोक की लहर

नंदिनी की मौत के बाद प्रेमी नागराजू ने भी दी जान, पुलिस जांच में जुटी

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के उपनगर मांचल के अरुतला गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक युवा प्रेमी युगल ने अलग-अलग जगहों पर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि 18 वर्षीय नंदिनी और नागराजू एक-दूसरे से प्रेम करते थे। सोमवार को जब नंदिनी घर पर अकेली थी, तो उसने कथित रूप से फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।

घटना की जानकारी मिलने पर नंदिनी के परिजनों ने नागराजू पर उसकी मौत के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया और न्याय की मांग करते हुए मांचल पुलिस स्टेशन के सामने विरोध प्रदर्शन किया।

बाद में नंदिनी की मौत की खबर सुनकर नागराजू भी गहरे सदमे में आ गया। उसने आगापल्ली गांव में एक पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली। इस दोहरी त्रासदी से दोनों गांवों में शोक की लहर दौड़ गई है। स्थानीय लोग इस घटना से बेहद दुखी हैं और परिवारों के प्रति संवेदना जता रहे हैं। पुलिस ने दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी है और आगे की कार्रवाई जारी है।

विजयवाड़ा मंडल ने चक्रवात 'मोंथा' के दौरान यात्री सुरक्षा सुनिश्चित की

विजयवाड़ा स्टेशन पर सभी खानपान स्टॉल रात भर खुले रहे

विजयवाड़ा, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे का विजयवाड़ा मंडल चक्रवात 'मोंथा' के प्रभाव के दौरान यात्रियों की सुरक्षा, आराम और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सतर्क है। सावधानीपूर्वक योजना और समन्वित प्रयासों के साथ, मंडल ने चक्रवात के कारण ट्रेन संचालन पर पड़ने वाले किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए चौबीसों घंटे कर्मचारियों और मशीनरी को तैनात किया है।

एहतियाती उपायों के तहत, ट्रेन संख्या 20806 आंध्र प्रदेश एक्सप्रेस (नई दिल्ली - विशाखापट्टनम) को विजयवाड़ा स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 6 पर सुरक्षित रूप से समाप्त कर दिया गया। कुल 329 यात्रियों को ट्रेन से उतारा गया और वाणिज्य एवं आरपीएफ विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा अत्यंत सावधानी से प्लेटफार्म संख्या 1 पर स्थित प्रतीक्षालय तक पहुंचाया गया, जहां बैठने और जलपान सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गईं। यात्रियों को उन्हीं टिकटों पर हावड़ा जाने वाली ट्रेनों में जगह दी गई, जिससे बिना किसी अतिरिक्त शुल्क या असुविधा के उनकी आगे की यात्रा सुनिश्चित हुई।

विजयवाड़ा स्टेशन पर सभी खानपान स्टॉल रात भर खुले रहे और यात्रियों को निरंतर सेवा और सहायता प्रदान की गई। चक्रवात को देखते हुए, विजयवाड़ा मंडल ने मौसम संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए एक मजबूत तैयारी योजना लागू की है। किसी भी बाधा का तुरंत जवाब देने के लिए पहियों पर मानसून रिजर्व को रणनीतिक रूप से तैनात किया गया है। वास्तविक समय में हवा की गति रिकॉर्ड करने के लिए एनीमोमीटर लगाए गए हैं, जबकि जल स्तर निगरानी प्रणालियां पुलों और संवेदनशील स्थानों पर सक्रिय रूप से स्थिति पर नजर रख रही हैं। मंडल ने

आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए पर्याप्त मशीनरी और जनशक्ति भी जुटाई है।

इसमें 25 उत्खनन मशीनें, मशीन से सिले हुए रेत के बोरे से लदे 24 वैगन और बोल्डर से लदे 24 वैगन शामिल हैं, जिन्हें तत्काल तैनाती के लिए चार रणनीतिक स्थानों पर तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त, बीआरएन पर 650 स्टील क्रिब लादे गए हैं, आपातकालीन बहाली के लिए 450 संविदा श्रमिकों को तैयार रखा गया है, और मानसून गश्त और संवेदनशील ट्रैक स्थानों के निरीक्षण के लिए 475 ट्रैकमैन तैनात किए गए हैं।

विजयवाड़ा मंडल का रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) सभी स्टेशनों पर सुरक्षा और व्यवस्था सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। चिकित्सा, पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधन विभागों ने भी व्यापक स्वच्छता और जन स्वास्थ्य उपाय किए।

टीमों ने पहुंच मार्गों, नालियों, आवासीय क्षेत्रों के पिछवाड़े, रेलवे स्टेशनों, प्रशासनिक भवनों, स्कूलों और स्वास्थ्य इकाइयों से कचरा साफ करने और उसका सुरक्षित निपटान करने का काम किया।

विभाग की तैयारियों पर बोलते हुए, विजयवाड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक, मोहित सोनकिया ने कहा, हमारी टीमों ने चक्रवात मोन्था के दौरान उल्लेखनीय प्रतिबद्धता दिखाई है और यात्रियों की सुरक्षा, स्वच्छता और सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे काम किया है। वाणिज्यिक, परिचालन, इंजीनियरिंग से लेकर चिकित्सा और सुरक्षा तक, हर विभाग ने यात्रियों और रेलवे संपत्तियों की सुरक्षा के लिए निस्वार्थ भाव से योगदान दिया है।

आदिता स्वप्ना आंध्र प्रदेश महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष, सुश्री अलका लांबा ने बी. आदिता स्वप्ना को आंध्र प्रदेश महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। आदिता स्वप्ना इससे पहले बिहार, पुडुचेरी और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के लिए राष्ट्रीय पर्यवेक्षक के रूप में कार्यरत थीं, जहां उन्होंने जमीनी स्तर पर पहुंच और नेतृत्व विकास को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। नई ज़िम्मेदारी के लिए आभार व्यक्त करते हुए, सुश्री स्वप्ना ने कहा कि वह सुश्री अलका लांबा के नेतृत्व में और श्री राहुल गांधी के दृष्टिकोण के अनुरूप, आंध्र प्रदेश के सभी मंडलों और बूथ स्तरों पर महिला कांग्रेस की उपस्थिति का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित करेंगी। उनकी नियुक्ति महिलाओं को सशक्त बनाने और देश भर में संगठनात्मक उपस्थिति को मज़बूत करने के महिला कांग्रेस के प्रयासों में एक और कदम है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.